Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20 || पश्चिमी राजस्थान की आवाज || मूल्य : दो रुपये

दैनिक जलते दीप

संस्थापक स्व. माणक मेहता

www.dainikjaltedeep.com वर्ष: 22 अंक: 352 जयपुर, सोमवार 20 जनवरी, 2020 कुल पृष्ठ: 8 Email : news@dainikjaltedeep.com

चौखी बात

कोई व्यक्ति ऊंचे स्थान पर बैठकर ऊंचा नहीं हो जाता बल्कि अपने गुणों से ऊंचा होता है।

चाणक्य

॥ दसवां वेद ॥

जग में इधको मान,
पावै फूल सुगंध सूं।
हुवै चौगणो मान, मंगल
गुण सूं रूप रो।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

विधानसभा का बजट सत्र 24 से, फरवरी में पेश होगा राज्य का बजट

- 24 को राज्यपाल के अभिभाषण से होगी बजट सत्र की शुरुआत
- राज्यपाल के अभिभाषण के बाद पारित होगा संकल्प
- लोकसभा–विधानसभा चुनाव में एससी, एससी आरक्षण को 10 साल बढ़ाने पर संकल्प पारित होगा
- संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने कहा, दो कारणों से बजट सत्र जल्दी बुलाया जा रहा है
- मार्च में नगर निगम चुनावों की आचार संहिता लगने की संभावना है
- बजट सत्र में सीएए के विरोध में संकल्प पारित होने की भी संभावना
- हंगामेदार रहेगा विधानसभा का बजट सत्र

जलतेदीप विसं, जयपुर

विधानसभा का बजट सत्र 24 जनवरी से शुरु हो रहा है। विधानसभा का सत्र आहूत करने के लिए जरूरी तैयारियां शुरु कर दी गई है। राज्य का बजट फरवरी के दूसरे सप्ताह में आने के आसार हैं। विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत 24 को जनवरी को 11 बजे से होने जा रही है। राज्यपाल कलराज मिश्र के अभिभाषण से बजट सत्र की शुरुआत होगी। 24 को राज्यपाल के अभिभाषण के बाद विधानसभा में संकल्प पारित होगा।

संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने बताया कि 24 को लोकसभा–विधानसभा चुनावों में एससी एसटी आरक्षण को 10 साल बढ़ाने के संविधान संशोधन पर संकल्प पारित किया जाएगा। 25 से पहले संविधान के 126 वें संशोधन

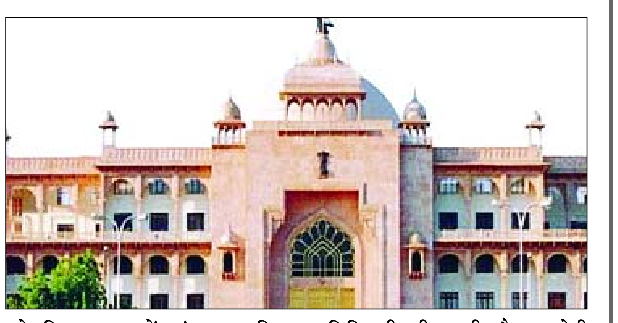

को विधानसभा में संकल्प पारित कर उसकी पुष्टि करना जरूरी है, इसलिए 24 को ही विधानसभा सत्र बुलाया गया है। इसके साथ ही मार्च में नगर निगमों के चुनाव की आचार संहिता लग जाएगी, इन दोनों कारणों से बजट सत्र जल्दी बुलाया गया है। विधानसभा के बजट सत्र में कई अहम बिल आने की संभावना है। इस बार राज्य का बजट फरवरी के दूसरे सप्ताह तक आने की संभावना है। 24 जनवरी को कार्यसलाहकार समिति–बीएसी– की बैठक होगी जिसमें विधानसभा के बजट सत्र का कामकाज तय किया जाएगा। विधानसभा के बजट सत्र को लेकर सरकार में तैयारियां जोरों पर हैं। राज्यपाल के अभिभाषण को तय करने के लिए शांति धारीवाल की अध्यक्षता वाली कैबिनेट सब कमेटी काम में जुटी हुई है। राज्यपाल के अभिभाषण में सरकार के एक साल की प्रमुख उपलब्धियों को शामिल किया जाएगा।

सीएए के खिलाफ बजट सत्र में प्रस्ताव की तैयारी

विधानसभा के बजट सत्र में नागरिकता संशोधन कानून –सीएए– के खिलाफ प्रस्ताव लाने की तैयारी है। कई कांग्रेस नेता इसकी मांग कर चुके हैं। केरल और पंजाब विधानसभा में सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पारित हो चुके हैं। संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने सीएए के खिलाफ प्रस्ताव लाए जाने के संकेत दिए हैं। शांति धारीवाल ने कहा कि कई कांग्रेस नेता सीएए के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने की मांग कर चुके हैं, कांग्रेस का रुख सीएए के खिलाफ है।

जवाबदेही विधेयक और स्वास्थ्य का अधिकार विधेयक आ सकते हैं

इस बार बजट सत्र में कई अहम बिल लाए जाएंगे, जवाबदेही विधेयक और राइट टू हेल्थ विधेयक बजट सत्र में लाए जा सकते हैं। फरवरी में राज्य का बजट आने के बाद मार्च के दूसरे सप्ताह तक बजट पारित हो जाएगा,इससे बजट घोषणाओं और योजनाओं पर जल्द काम शुरु करने में आसाना होगी।

हंगामेदार रहेगा बजट सत्र

विधानसभा का बजट सत्र पूरी तरह हंगामेदार रहने के पूरे आसार हैं, विपक्षी भाजपा कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। कोटा अस्पताल में बच्चों की मौत, बढ़ते अपराध, टिड्डियों से पश्चिमी राजस्थान में फसलें चौपट होने सहित कई मुद्दों पर भाजपा विधायक सदन में सरकार को घेरेंगे। 21 दिन पहले विधानसभा सत्र बुलाने की सूचना नहीं देने को भी भाजपा मुद्दा बनाएगी। इन सब मुद्दों पर हंगामा होने के पूरे आसार हैं।

एक नजर

पूर्व केंद्रीय मंत्री की किताब के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जलतेदीप ब्यरों दिल्ली। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री अश्विनी कुमार की किताब 'ह्यूमन डिग्निटीः परपज इन परपेच्युटी' के विमोचन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. हामिद अंसारी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पूर्व उप प्रधानमंत्री एल.के. आडवाणी, पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल एन.एन. वोहरा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित थे।

चिकित्सा मंत्री ने पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

जलतेदीप कासं, जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने रविवार को अपने आवास से 1-5 वर्ष की उम्र के नौनिहालों को पोलियो की दवा पिलाकर और उन्हें चॉकलेट देकर राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ किया। डॉ. शर्मा ने बताया कि 19, 20, 21 और 22 जनवरी को जयपुर में और 19 से 20 जनवरी को प्रदेश भर में घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में प्रदेश के लगभग 1 करोड़ 8 लाख बच्चों को पोलियो वैक्सीन की दवा पिलाने के लिए कुल 54 हजार 159 बूथ बनाए गए हैं।

पंचायत चुनाव : तीसरे चरण के लिए नामांकन आज

जलतेदीप कासं, जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जोगाराम ने बताया कि पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 के तहत तीसरे चरण में जयपुर जिले की तीन पंचायत समितियों विराटनगर, झोटवाड़ा तथा पावटा में होने वाले पंच एवं सरपंच पद के निर्वाचन के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को होगी। तीसरे चरण में उक्त तीनों पंचायत समितियों की कुल 83 ग्राम पंचायतों में पंच सरपंच के चुनाव होने हैं। ग्राम पंचायतों पर नामांकन प्रक्रिया के लिए रविवार को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन महिला महाविद्यालय से रिटर्निंग अधिकारियों तथा पीओ-प्रथम की रवानगी हुई। तीसरे चरण के लिए विराटनगर पंचायत समिति की 32, झोटवाड़ा की 19 तथा पावटा की 32 ग्राम पंचायतों में नामांकन होगा।

ऑस्ट्रेलिया आग : 80 हजार कोआला जलकर मरे

एजेंसी, कैनबरा। ऑस्ट्रेलियन एकेडमी ऑफ साइंस के फेलो क्रिस्टोफर डिकमैन का दावा है कि ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग में तकरीबन अरबों प्रजातियां जलकर नष्ट हो चुकी हैं। बातचीत में डिकमैन ने इस बात पर चिंता जताई कि क्लाइमेट चेंज के चलते इंसानों पर जो प्रभाव पड़ रहा है उसका असर कहीं ज्यादा घातक है। वहीं 80,000 कोआला आग में जलकर खाक हो गए है।

यमन में मस्जिद पर हमला, नमाज पढ़ रहे 83 जवानों की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली। यमन के मारिब में एक मस्जिद पर मिसाइल और ड्रोन हमले में सेना के 83 जवानों की मौत हो गई है। हालांकि हूती विद्रोहियों ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। मगर हूती विद्रोहियों को इस हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जिस समय हमला हुआ, तब जवान नमाज पढ़ रहे थे। हमले में 150 के करीब लोग घायल भी हुए हैं। माना जाता है कि हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन हासिल है।

शाहीन बाग में कश्मीरी पंडितों की आंदोलनकारियों से हुई झड़प

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन चल रहा है। रविवार को कुछ कश्मीरी पंडित भी शाहीन बाग पहुंचे और कश्मीरी पंडितों को न्याय दो जैसे नारे लगाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और कश्मीरी पंडितों के बीच हाथापाई हो गई।

घाटी से जबरन बेदखल करने के बाद, पिछले 30 वर्षों से अपनी खुद की दुर्दशा को उजागर करने और अपने लिए समर्थन जुटाने कश्मीरी पंडित रविवार को शाहीन बाग में जुटे। एक कश्मीरी कार्यकर्ता सतीश महालदार ने समाचार एजेंसी से कहा, शाहीन बाग में सीएए को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने जश्न-ए-शाहीन कार्यक्रम के आयोजन की घोषणा की है। इसी दिन 30 साल पहले कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़ने पर मजबूर किया गया था। हम यह सुनिश्चित करेंगे की यह कार्यक्रम न हो।

गीतों के नाम एक शाम का आयोजन

शाहीन बाग में नागरिकता संशोधन कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से कश्मीरी पंडितों ने अपने लिए समर्थन मांग की। नागिरिकता संशोधन कानून के विरोध का जश्न मनाने के लिए प्रदर्शनकारियों की ओर से रविवार को 'जश्न-ए-शाहीन' कार्यक्रम की घोषणा की गई है, जिसमें कविता और गीतों के नाम एक शाम का आयोजन किया गया। कश्मीरी पंडितों और ट्विटर के एक वर्ग ने इस आयोजन को 'कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार' के तहत मनाने की बात कही है।

धरना-प्रदर्शन जारी

शाहीन बाग में पिछले एक महीने से धरना प्रदर्शन जारी है. दिल्ली पुलिस सीएए के खिलाफ शाहीन बाग में प्रदर्शन कर रही महिलाओं से सड़क खाली करने की अपील कर चुकी है. मगर प्रदर्शनकारी महिलाएं हटने को तैयार नहीं हैं. शाहीन बाग के 13 नंबर रोड पर बैठे लोगों को उठाने के लिए पुलिस बीच का रास्ता निकालने में जुटी है. इसे लेकर शाहीन बाग थाने में स्पेशल सीपी इंटेलिजेंस प्रवीण रंजन और डीसीपी चिन्मय बिस्वाल भी पहुंचे. एक मीटिंग की गई जिसमें विरोध प्रदर्शन से जुड़े बड़े लोगों को बुलाया गया. इसके बाद उनको समझाने की कोशिश की गई ताकि रोड पर बैठे लोग को उठाया जा सके.लेकिन पुलिस की यह कवायद नाकाम रही

सीएए पर सरकार और राज्यपाल में बढ़ी तकरार, आरिफ मोहम्मद खान ने मांगी सफाई

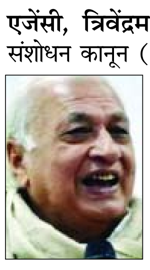

एजेंसी, त्रिवेंद्रम केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ केरल सरकार के सुप्रीम कोर्ट जाने पर सफाई मांगी है। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने केरल के मुख्य सचिव से सफाई मांगी है कि इस बारे में राज्यपाल ऑफिस को सूचना क्यों नहीं दी गई थी। बता दें कि केरल सरकार सीएए के खिलाफ 14 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट गई थी। केरल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर नागरिकता संशोधन कानून को रद्द करने की मांग की थी। केरल सरकार ने अपनी याचिका में कहा था कि सीएए अनुच्छेद 14, 21 और 25 का उल्लंघन करता है। इस मामले में विवाद तब शुरू हुआ, जब राज्य सरकार की ओर से सीएए को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की जानकारी राज्यपाल को नहीं दी गई थी।

मुख्यमंत्री गहलोत के बड़े फैसले

अब एससी और अल्पसंख्यक मेधावी छात्राओं को भी मिलेगी स्कूटी

जलतेदीप कासं, जयपुर

सीएम अशोक गहलोत ने बड़ा फैसला लेते हुए अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक मेधावी छात्राओं को बड़ी सौगात दी है। अब एससी और अल्पसंख्यक मेधावी छात्राओं को भी स्कूटी मिलेगी। सीएम गहलोत ने मेधावी छात्राओं को मिलने वाली स्कूटी की संख्या को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

देवनारायण स्कूटी योजना में भी संख्या बढ़ाई

इसके तहत जनजाति की मेधावी छात्राओं की स्कूटी की संख्या 4000 से बढ़ाकर 6000 करने को मंजूरी दी गई है। वहीं देवनारायण स्कूटी योजना में स्कूटी की संख्या 1000 से बढ़ाकर 1500 करने की मंजूरी दी है। देवनारायण स्कूटी योजना पहले की तरह जारी रहेगी। अन्य सभी स्कूटी योजनाएं कालीबाई भील स्कूटी योजना में समाहित होंगी। सीएम अशोक गहलोत इन सभी को मंजूरी प्रदान कर दी है।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में आयु सीमा में छूट दी है

सीएम गहलोत ने हाल ही में युवाओं को कई सौगातें दी हैं. इनमें दो दिन पहले ही पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु सीमा में एक वर्ष की छूट प्रदान की गई है. पुलिस मुख्यालय ने पिछले वर्ष 4 दिसंबर को कांस्टेबलों के 5 हजार पदों के लिए भर्ती विज्ञप्ति जारी की थी. पहले उसमें 1 जनवरी, 2020 को आधार मानकर आयु की गणना की गई थी। लेकिन अब सीएम के फैसले के बाद इसमें 1 जनवरी, 2021 को आधार मानकर आयु की गणना की जाएगी। सहरिया युवाओं को राहत प्रदान की गई है : आदिम जाति सहरिया के युवाओं के लिए भी गहलोत सरकार ने नौकरी के अवसर बढ़ाए हैं. इसके तहत अब सहरिया बाहुल्य बारां जिले की सभी तहसीलों में राज्य सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी राजकीय सेवाओं में सीधी भर्ती द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों में 25 प्रतिशत पद स्थानीय शहरी सहरिया आदिम जाति के अभ्यर्थियों से ही भरे जाएंगे।

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने में राजस्थान की अहम भूमिका

जलतेदीप कासं, जयपुर। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का निर्वाचन सोमवार को दिल्ली में होगा। कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा का निर्वाचन तय माना जा रहा है। नड्डा के निर्वाचन में राजस्थान की भी अहम भूमिका रहेगी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पिछले तीन दिनों से दिल्ली में ही डेरा डाले हुए है। पूनियां के अलावा राष्ट्रीय परिषद के कई नेता भी दिल्ली में ही डटे हुए हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य : प्रदेशभर से 25 नेताओं को राष्ट्रीय परिषद में चुना गया है। एक लोकसभा सीट से एक सदस्य का निर्वाचन हुआ है। इसमें श्रीगंगानगर से अशोक नागपाल, बीकानेर से विजय आचार्य, चूरू से ओम सारस्वत, झुंझुनूं से विश्वम्भर पूनियां, सीकर से विष्णु चेतानी, जयपुर ग्रामीण से महेन्द्र यादव, जयपुर से राघव शर्मा, अलवर से ज्ञानदेव आहूजा, भरतपुर से कृष्णेन्द्र कौर दीपा, करौली से राजकुमारी जाटव, दौसा से टीकमसिंह गुर्जर, टोंक से प्रभुलाल सैनी, अजमेर से धर्मेश जैन, नागौर से सी.आर. चौधरी, पाली से पुष्प जैन, जोधपुर से पूनाराम चौधरी, बाड़मेर से दिलीप पालीवाल, जालौर से रविन्द्र बालावत, उदयपुर से ताराचंद जैन, बांसवाड़ा से ओम पालीवाल, चित्तौडगढ़ से चुन्नीलाल धाकड़, राजसमंद से तिलक सिंह रावत, भीलवाड़ा से कालूलाल गुर्जर, कोटा से हेमराज मीणा और झालावाड़ से आनंद गर्ग को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया गया है।

नागरिकता छीन नहीं रहे बल्कि दे रहे : सीतारमण

अदनान सामी और तस्लीमा नसरीन का दिया उदाहरण

एजेंसी, चेन्नई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को चेन्नई में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस कानून का मकसद लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाना है। इस कानून से किसी की नागरिकता को छीनी नहीं जा रही है बल्कि नागरिकता दी जा रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि पूर्वी पाकिस्तान से आए लोग देश के विभिन्न शिविरों में बस गए, वे अब भी वहां हैं। अब 50-60 साल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप इन शिविरों में जाते हैं, तो आपका दिल रो जाएगा। श्रीलंका के शरणार्थियों के साथ भी ऐसा ही है जो शिविरों में रह रहे हैं। वे बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। सीतारमण ने कहा कि इसलिए यह संशोधन (नागरिकता संशोधन अधिनियम) लोगों को बेहतर जीवन प्रदान करने का एक प्रयास है। हम किसी की नागरिकता नहीं छीन रहे हैं, हम केवल उन्हें प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष में 2838 पाकिस्तानी शरणार्थियों, 948 अफगानी शरणार्थियों, 172 बांग्लादेशी शरणार्थियों

को भारत की नागरिकता दी गई है, जिनमें मुस्लिम भी शामिल है। 1964 से 2008 तक 4,00,000 से अधिक तमिलों (श्रीलंका से) को भारतीय नागरिकता दी गई है। वित्त मंत्री ने बताया कि साल 2014 तक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के 566 मुस्लिमों को भी भारत की नागरिकता दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि 391 अफगान मुस्लिम और 1595 पाकिस्तानी प्रवासियों को 2016 से 2018 तक नागरिकता दी गई। 2016 में इस अवधि के दौरान, अदनान सामी को नागरिकता दी गई थी, यह एक उदाहरण है। तस्लीमा नसरीन इसका एक और उदाहरण हैं। इससे हमारे ऊपर लगे सभी आरोप गलत साबित होते हैं।

हवाई अड्डे पर वित्ता मंत्री को देख व्यक्ति ने लगाए 'एनपीआर हाय हाय' के नारे : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सीएए के समर्थन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए यहां पहुंचने के कुछ मिनट बाद ही हवाई अड्डे पर एनपीआर हाय हाय के नारे लगाने वाले व्यक्ति को सुरक्षा अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया।

अबू धाबी में फंसे राजस्थान के 6 युवक, सरकार से की मदद की गुहार

जलतेदीप कासं, जयपुर। राजस्थान के शेखावाटी में फर्जी एंजेटों का गोरखधंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ये एंजेट नौजवानों को अच्छे रोजगार का लालच देकर उनसे लाखों रुपए वसूल करके विदेश भेजते हैं। विदेश पहुंचने के बाद युवकों को पता चलता है कि उनके साथ ठगी की गई है। ऐसा ही एक नया मामला सामने आया है जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के 6 युवक अबू धाबीमें जाकर फंस गए हैं। अब वे सरकार से स्वदेश वापसी के लिए मदद की गुहार लगा रहे हैं। युवकों ने अपनी साथ हो रही बेदर्दी का वीडियो बनाकर यहां भेजा है।

पाली, हनुमानगढ़, अजमेर और झुंझनूं जिले के रहने वाले हैं युवक

ये युवक राजस्थान के पाली, हनुमानगढ़, अजमेर और झुंझनूं जिले के रहने वाले हैं. मिश्राराम, हसन, हाकम, मस्तान, मुश्ताक और लियाकत ने अपनी आपबीती का वीडियो बनाकर भेजा है। इन युवकों का आरोप है कि फतेहपुर शेखावाटी में रहने वाले भगवान नाम के एजेंट ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। युवकों का कहना है कि भगवान ने उनसे लाखों रुपए लेकर उन्हें अबू धाबी में अच्छे रोजगार का झांसा दिया था। जब वे लोग आबूधाबी पहुंचे तो उन्हें अहसास हुआ कि ना तो कोई रोज़गार है और ना कोई सेलरी। जिस ठेकेदार के पास उन्हें भेजा गया उसने ना तो कोई काम दिया और मारपीट की।

साई जन्मस्थान को लेकर बढ़ा विवाद

शहर बंद होने के बावजूद खुला रहा मंदिर

शिरडी बंद, उद्धव ठाकरे ने आज बुलाई बैठक

एजेंसी, नई दिल्ली

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का साई जन्मस्थान को लेकर दिए बयान के बाद विवाद गहराता जा रहा है। रविवार को शिरडी शहर में बंद रखा गया। हालांकि बाबा के भक्तों के लिए मंदिर के कपाट खुले हुए हैं। शहर बंद होने के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, दुकाने बंद हैं। इन सबके बीच बाबा के दर्शन के लिए भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर के बाहर भक्तों की अच्छी खासी तादाद देखने को मिल रही है जो अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। शहर बंद होने के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, दुकानें बंद हैं। विवाद बढ़ता देख राज्य के मुख्यमंत्री ने बातचीत की इच्छा जताई है।

भोजन और आवास की है पर्याप्त व्यवस्था

साईबाबा संस्थाव ट्रस्ट के सीईओ डीएम मुगलीकर ने कहा, रविवार को बंद के बावजूद साई मंदिर आने वाले भक्तों के लिए भोजन और आवास की पर्याप्त व्यवस्था है।

क्यों उपजा है विवाद

शिरडी के साई बाबा को लेकर विवाद उस समय पैदा हुआ जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने परभणी जिले के पाथरी में साई बाबा जन्मस्थान पर सुविधाओं का विकास करने के लिए 100 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने की घोषणा की थी। कुछ श्रद्धालु पाथरी को साई बाबा का जन्मस्थान मानते हैं जबकि शिरडी के लोगों का दावा है कि उनका जन्मस्थान अज्ञात है।

बंद को भाजपा का समर्थन

स्थानीय भाजपा विधायक राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि उन्होंने स्थानीय लोगों द्वारा बुलाए गए बंद का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री को साई बाबा का जन्मस्थान पाथरी होने संबंधी बयान को वापस लेना चाहिए। पूर्व राज्यमंत्री ने कहा, देश के कई साई मंदिरों में एक पाथरी में भी है। सभी साई भक्त इससे आहत हुए हैं, इसलिए इस विवाद को खत्म होना चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने शुक्रवार को कहा था कि श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का पाथरी में विकास का विरोध जन्मस्थान विवाद की वजह से नहीं किया जाना चाहिए।

शिरडी के लोग हैं नाराज

मुख्यमंत्री के ऐलान के बाद शिरडी गांव में रहने वाले लोग नाराज हो गए हैं। शिरडी साई ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्हें पाथरी के विकास से किसी भी तरह की आपत्ति नहीं है लेकिन उसे साई की जन्मभूमि कहना ठीक नहीं है क्योंकि साई ने कभी अपने धर्म, जन्मस्थान के बारे में नहीं बताया था। साई कहां के थे ये किसी को नहीं पता लेकिन उनकी कर्मभूमि शिरडी है।

बैठक करेंगे मुख्यमंत्री

राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे साईबाबा के जन्म स्थान को लेकर पैदा हुए विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत करेंगे। यह यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब शिरडी के स्थानीय नेताओं ने रविवार को इसके खिलाफ बंद बुलाया है।

बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, 3500 किमी. तक दुश्मन को करेगी तबाह

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने एटमी हमला करने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। रविवार को आंध्र प्रदेश के तट से 3,500 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। इस सबमरीन (पनडुब्बी से छोड़े जाने वाली) मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने तैयार किया है। इस मिसाइल को भारतीय नौसेना के स्वदेशी आईएनएस अरिहंत-श्रेणी के परमाणु-संचालित पनडुब्बियों पर तैनात किया जाएगा।

ओडिशा के तट पर चांदीपुर रेंज में इस मिसाइल का परीक्षण किया गया. यह मिसाइल जमीन से हवा में सटीक निशाने को भेदने में सक्षम है। सिस्टम के तहत किसी सैन्य

अभियान के तहत मिसाइल भी गतिशील रहती हैं और दुश्मन के विमान या ड्रोन पर निगरानी रखते हुए उसे तत्काल निशाना बनाती हैं। इसी तरह पिनाका मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया जा चुका है। अर्टिलरी मिसाइल सिस्टम 'पिनाका' से 75 किलोमीटर की दूरी तक सटीक निशाना लगाया जा सकता है। पिनाका एमके-11 रॉकेट को नेवीगेशन, कंट्रोल और गाइडेंस सिस्टम से जोड़कर मिसाइल के तौर पर विकसित किया गया है।

गलतागढ़

उसे गलती कहना गलती का अपमान है। उसे लापरवाही या लापरवाही की पराकाष्ठा कहा जाए तो यह लापरवाही की बेइज्जती है। गलती की जगह गलताजी और लापरवाही की जगह लापरवाही की पराकाष्ठा भी उनके सामने फीके नजर आते है। फिलहाल नामकरण गलतागढ और लापरवाहपुरम किए देते है। बाद में ऊपर-नीचे कर लेंगे। सही-गलत का सुधार बाद में हो जाएगा। शहर की एक हथाई पर आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

यहां गलती-लापरवाही-सही-गलत और अदला-बदली का जिक्र किया गया है। हमें नही लगता कि इन पर ज्यादा पत्रवाचन करने की जरूरत है। इन सब का आए दिन हम-आपसे साबका पड़ता है। पड़ता रहता है और पड़ता रहेगा। हम-आप इन सबसे अच्छी तरह से वाकीफ हैं। इस का मतलब यह नहीं कि इन पर चर्चा नहीं होगी। होगी..अवश्य होगी। यकीनन होगी। चर्चा नहीं होगी तो हथाई आगे नहीं बढेगी जबकि हथाई को आगे बढते रहना चाहिए। इन सब को सही ढंग से से परिभाषित नहीं करेंगे तो लोग हमें ढंगी समझेंगे। जानने वाले जानते हैं कि हथाईबाजों की समझदानी का छेद ज्यादा मोटा-तगड़ा ना सही, चिन्ना सा भी नहीं है। उन्हें इतना ज्ञान है कि किसी भी विषय पर बहस कर सकते हैं। बहस भी सकारात्मक। बहस भी तर्क संगत।

बहस की बात आने पर बहस और ज्यादा छिड़ गई। बहस और ज्यादा लंबी हो गई। बहस तेरे रूप अनेक। बहस भांत-भांत की होती है। बहस से ज्ञान बढता है। बहस से नई सोच सामने आती है।

हथाई
✍ गुरूदत्त अवस्थी
gda32500@gmail.com

बहस से नए-नए आईडियाज उभरते हैं। कोर्ट-कचहरी की बहस देखिए। एक तरफ बचाव पक्ष-दूसरी तरफ अभियोजन पक्ष। दोनों में शानदार बहस होती है। दोनों पक्ष गवाह-सबूतों के आधार पर एक-दूसरे की काट करते हैं। अच्छे शब्दों में बहस होती है। सौभर तरीके से अपना पक्ष रखा जाता है उन्हीं के आधार पर फैसले लिए जाते हैं।

सदन में बहस होती है। आज-कल वहां की बहस का स्तर गिर गया वरना एक जमाने में अटलबिहारी वाजपेयी जब बहस में भाग लेते, उस समय सदन में सन्नाटा पसर जाता। माननीय सदस्य गौर और गंभीरता के साथ उनका भाषण सुनते थे। आज-कल सदन में सार्थक चर्चा कम और हंगामा ज्यादा होता है। हो-हल्ले में हमारी-आपकी खून-पसीने की कमाई के करोड़ों रूपए फुंक जाते हैं। पंचायत स्तर से लेकर दिल्ली दरबार में कमोबेश ऐसी स्थिति। फिर भी सत्रों के दौरान चर्चा-बहस की औपचारिकता निभाई जाती है।

हथाईयों पर तो हर मुद्दे पर सार्थक चर्चा होती है। जिन लोगों ने कभी हथाई दर्शन नहीं किए वो करके देख सकते हैं। एक बार आकर देख लेंगे-सुन लेंगे तो पता चल जाएगा कि वहां किसी को नहीं बख्शा जाता। किसी को परसादी नहीं दी जाती। जो है सो है। अच्छा है तो स्वागत है और जो सुट्ठा नहीं है उस की तारीफ करना हथाईबाजों की फितरत में नहीं। तभी तो कहा था- गलती-लापरवाही-भूल-चूक-लेनी-देनी में किसी प्रकार का समझौता नहीं। भूल हो जाना मानवीय प्रवृति है। गलती हो जाना हमारे स्वभाव में है मगर ऐसी भूल-भूलैया किस काम की कि भूल कलंकित हो जाए। ऐस गलती किस काम की कि गलतागढ बन जाए। ऐसी लापरवाही किस काम की जो लापरवाहपुरम बन जाए।

हमने एक निजी कंपनी के दफ्तर में एक जुमला उकेरा पढा। लिखा था-'नौकरी या लापरवाही, दोनों में से एक छोड़ दो।' इसके माने क्या। इस के माने ये कि या तो लापरवाही छोड़ दो, या फिर नौकरी। इस के माने ये कि नौकरी और बेपरवाही एक साथ नहीं चल सकते। भूल अगर भूल हो तो क्षम्य है। गलती अगर गलती हो तो माफी योग्य है। वहां तो भूल भुलैया हो गई। गलती का गलतागढ़ और लापरवाही का लापरवाहपुरम बन गया। अदला-बदली के नाम पर लेने के देने पड़ गए।

हवा बिना मातरा के शहर अलवर से आई। अलवर में अ से लेकर र के बीच ना कोई आ की मातरा ना इ-ई-उ-ऊ की। एकदम सीधा और सपाट शहर। वहां के जिला अस्पताल के करमचारियों ने बेपरवाही की पराकाष्ठा लांघ दी। आमजी का शव भामजी के परिजनों को और भामजी का शव आमजी के परिजनों को सौंप दिया। गनीमत रही कि अंतिम दर्शन के दौरान सच्चाई सामने आ गई वरना इनका संस्कार उनके हाथों और उनकी अंत्येष्टि इन के हाथों हो जाती।

हुआ यूं कि हादसों में मारे गए दो-जनों के शव मोर्चरी में रखवा दिए गए थे। एक की मौत छत से गिरने से और दूसरे की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हुई। पोस्टमार्टम के बाद एक मृतक के परिजनों को शव सौंप दिया गया। वो लोग शव गांव ले गए। रस्मों के बाद मृतक की पत्नी को अंतिम दर्शन करवाए जा रहे थे तभी वह चिल्ला उठी-'किस का शव ले आए..ये मेरा पति नही है..।' इसके बाद हंगामा मच गया। उधर दूसरे मृतक के परिजन शव लेने गए तो चेहरा देखकर बिदक गए। मामला उलटा पडने पर आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आमजी का शव भामजी के यहां और भामजी का शव आमजी के यहां पहुंचाया।

सवाल ये कि इतनी बड़ी बेपरवाही हुई तो कैसे। इतनी बडी लापरवाही की तो किस ने। उन के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई। गनीमत रही कि सच्चाई सामने आ गई और शव सही स्थान पर पहुंचा दिए गए थोडी देर और हो जाती तो? इस 'तो' का जवाब किसी के पास नहीं।

स्वयं में परिवर्तन लाने से ही खुशहाल होगा समाज

शोभायात्रा के साथ मुनिराज का नगर प्रवेश

मदुरै, भीनमाल, 19 जनवरी (निसं)। श्री सांचा सुमतिनाथ राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट मदुरै के तत्वावधान में मालव केशरी मुनिराज हितेशचन्द विजय जी म.सा. एवं मुनिराज दिव्यचन्द विजय मसा. का कोयम्बतूर शहर में ऐतिहासिक चातुर्मास विहार करते हुए मदुरै पहुँचे। प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि रविवार को नगर के एजी काम्प्लेक्स पर सकल जैन संघ ने गुरु महाराज का स्वागत किया। वहां से गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्ग होते हुए महिला मंडल की महिलाओं ने सिर पर कलश धर कर मंगल गीत गाते हुए गुरु महाराज का सोमैया किया। इस अवसर पर मीठालाल संखलेचा व किशोरभाई शाह ने संतश्री का स्वागत किया। इस अवसर पर मुनिराज ने कहा कि लोगो में धर्म के प्रति श्रद्धा कम होती जा रही है। जैन समाज पन्थवाद के चक्कर में बंट रहा है, लोग एक दुसरे को नीचा दिखाने के लिए कोई कसर नहीं छोड रहे है।

श्रद्धा से मनाई महाराणा प्रताप की पुण्य तिथि

बालोतरा, 19 जनवरी (निसं)। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 423वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में प्रतिमा पर दिप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। महेन्द्रसिह तंवर में बताया कि सर्व समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जितेंद्रसिह रामसर ने महाराणा प्रताप सहित अन्य वीर पुरूषों के जीवन से प्रेरणा लेने का आव्हान किया। श्री ओम बना टाईगर फोर्स के संभाग अध्यक्ष नरपतसिंह उमरलाई ने कहा कि महाराणा प्रताप एक ऐसा योद्धा था जिन्होंने अपने देश के लिए एशो-आराम छोड़कर जंगलो में रहकर घास की रोटियां खाई पर लेकिन मुगलों की अधीनता स्वीकार नही की।

बायतु व फागलिया की 56 ग्राम पंचायतों में नामांकन आज

बाड़मेर, 19 जनवरी (निसं)। जिले में पंचायतीराज चुनाव के तृतीय चरण में दो पंचायत समितियों बायतु व फागलिया की 56 ग्राम पंचायतों में पंच एवं सरपंच के निर्वाचन के लिए सोमवार को नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। संबंधित ग्राम पंचायतों में सरपंचों एवं वार्ड पंचों के नाम निर्देशन आवेदन पत्र स्वीकार करने, उनकी संवीक्षा, चुनाव प्रतीकों के आवंटन तथा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची के प्रकाशन के लिए जिला मुख्यालय पर रविवार को राजकीय महाविद्यालय से दलों की रवानगी हुई। जिला मुख्यालय पर रविवार को राजकीय महाविद्यालय से रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी मय पुलिस जाब्ता संबंधित तृतीय चरण के पंच एवं सरपंच चुनाव के लिए ग्राम पंचायतों के लिए रवाना हुए। इस दौरान दलों को प्रशासनिक अधिकारियों एवं मास्टर्स ट्रेनर्स ने पंचायतीराज चुनाव संपादित करवाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि बाड़मेर जिले में रविवार को मतदान दल रवानगी के साथ ही पंच और सरपंच के तृतीय चरण के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। तृतीय चरण में बायतु की 38 तथा फागलिया की 18 ग्राम पंचायतों में चुनाव करवाए जाने है। उनके मुताबिक तृतीय चरण के अन्तर्गत पंच एवं सरपंच निर्वाचन हेतु शनिवार, 18 जनवरी को अधिसूचना जारी की गई। चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार सोमवार को प्रातः 10.30 से सायं 4.30 तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा मंगलवार, 21 जनवरी को प्रातः 10.30 से होगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार इसी दिन दोपहर 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी का समय समाप्त होने के तुरन्त पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। तृतीय चरण की चुनाव प्रक्रिया में आगे मंगलवार को मतदान दलों को रवाना किया जाएगा तथा 29 जनवरी को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान होंगे। जिसके तुरन्त बाद संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। इसके अगले दिवस 30 जनवरी को उप सरपंच का चुनाव होगा।

देश के विकास के लिए आमजन में जागरूकता जरूरी: मेघवाल

जैसलमेर, 19 जनवरी (निसं)। जिला प्रमुख अंजना मेघवाल ने कहा कि हर क्षेत्र में विकास की धारा पहुंचाने के लिए आमजन को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता जरूरी है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो, जोधपुर की ओर से माहेश्वरी सभा भवन में तीन दिवसीय डिजिटल प्रदर्शनी एक लक्ष्य- सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए श्रीमती मेघवाल ने कहा कि आज के युवा सूचना क्रांति में तकनीकी उपकरणो के माध्यम से सूचना को एकत्रित कर उनका समय पर उपयोग कर सकते हैं और उसी को मद्देनजर रखते हुए इस डिजिटल मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में जल संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए शहर के दो स्कूलों के 10 छात्रो को बैज देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा कार्यक्रम में फिट इंडिया योजना के तहत स्कूलो के छात्र-छात्राओं खेल के सामान बांटे गए। माजीसा कला मंडल के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

वही चित्र प्रदर्शनी में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत कर रहे पूर्व विधायक छोटू सिंह भाटी ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को सरकार के कल्याणकारी कार्यो की जानकारी मिलती है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है। सहायक निदेशक श्रीमती मंजू मीना ने एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की जानकारी दी। नगर परिषद की पूर्व सभापति श्रीमती कविता ने जल संरक्षण, स्किल इंडिया व डिजिटल इंडिया की जानकारी दी। सहायक निदेशक केलाश चंद मीणा ने अतिथियों का स्वागत किया। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अनुराग पांडेय ने संचालन किया। अंत में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी विकास नापा ने आभार जताया।

बच्चों को पिलाई दो बूंद जिन्दगी की- जालोर। केरिया कस्बें में रविवार को अभियान के तहत 0-5 वर्ष के बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाई गई। चिकित्सा अधिकारी डॉ.एम एल विश्नोई ने बताया कि अभियान के तहत जगह-जगह बूथ लगाकर पोलिया की दवा पिलाई। इस दौरान मैलनर्स प्रकाश चन्द प्रजापत, एएनएम मोनिता साहू, ऑपरेटर भागीरथ साऊ व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सेवाएं दी ।

विश्व शांति व मानवीय एकता दिवस के रूप में मनाई ब्रह्माबाबा की पुण्यतिथि

सिरोही, 19 जनवरी (निसं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पांडव भवन में संगठन के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की 51वीं पुण्य तिथि विश्व शान्ति व मानवीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। संगठन के सार्वभौमिक सभागार ओम शान्ति भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि बुद्धि रूपी पात्र को स्वच्छ बनाए रखने से ही ईश्वर की कृपा अनुभव होती है। मन में जो विकृतियां स्थान ले चुकी हैं उनसे छुटकारा पाने के लिए आध्यात्मिक ध्यान, राजयोग का नियमित अनुसरण करना चाहिए। राजयोगिनी दादी पूर्णशांता ने कहा कि मनोविकारों पर जीत प्राप्त करना ही सबसे बड़ी विजय है। ज्ञान सरोवर निदेशिका राजयोगिनी डॉ.निर्मला ने कहा कि त्यागवृत्ति से ही भाग्य का उदय होता है। मन को साधने के लिए राजयोग का निरंतर अभ्यास जरूरी है। जिससे जीवन में अविनाशी सुख, समृद्धि व खुशहाली की कामना फलीभूत होती है। खेल प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बीके शशि बहन ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने शिव परमात्मा के ज्ञान का स्पष्टीकरण कर समाज के विभिन्न वर्गों को एकमत बनाने की प्रबल शिक्षाएं दी। शिक्षा प्रभाग अध्यक्ष बीके मृत्युंजय ने कहा कि स्वयं परमपिता शिव परमात्मा ने विश्व नवनिर्माण के लिए, मानवीय चरित्र को श्रेष्ठ बनाने और समाज उत्थान के लिए सन 1936 में प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के माध्यम से इस विश्वविद्यालय की स्थापना की। शिक्षा प्रभाग उपाध्यक्ष बीके शीलू बहन ने कहा कि मनोवृत्ति से लोगों की अशुद्ध भावनाओं को समाप्त किया जा सकता है। समाज सेवा प्रभाग उपाध्यक्ष बीके अमीरचंद, ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिढ्ढा, राजयोगिनी बीके शारदा बहन आदि ने विचार व्यक्त किए।

गणतंत्र दिवस समारोह तैयारी बैठक आज

जैसलमेर, 19 जनवरी (निसं)। गणतंत्रा दिवस के जिला स्तरीय समारोह में प्रदर्शित होने वाली झांकियों की तैयारियों से संबंधित बैठक 20 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे जिला परिषद में होगी। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि इसमें झांकी प्रदर्शन के बारे में विचार-विमर्श किया जाएगा।

एडीएम ने बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

जैसलमेर, 19 जनवरी (निसं)। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओपी विश्नोई ने रविवार को पल्स पोलियो अभियान के अन्तर्गत जवाहिर चिकित्सालय में स्थापित पोलियो बूथ पर बच्चों को पोलियो निरोधी खुराक पिलायी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्य अधिकारी डॉ. बी.के. बारूपाल एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एल. बुनकर सहित चिकित्सक, चिकित्साकर्मी आदि उपस्थित थे।

एनसीसी कैडेट महेंद्र और मंजू का प्रधानमंत्री रैली के लिए चयन

बाड़मेर, 19 जनवरी (निसं)। नई दिल्ली में आयोजित हो रही एनसीसी प्रधानमंत्री रैली के लिए राजकीय पीजी कॉलेज के सीनियर अंडर ऑफिसर महेंद्र जाखड़ और मंजू चौधरी का चयन हुआ है। एसोशिएट एनसीसी अधिकारी डॉ. आदर्श किशोर ने बताया कि भाचभर रामसर के निवासी महेंद्र जाखड़ और खारियातला की मंजू चौधरी का चयन 28 जनवरी की पीएम रैली के लिए हुआ। यह कैडेट 29 जनवरी तक नई दिल्ली में एनआईसी में भी भाग लेंगे। इनका चयन प्री आरडीसी के आधार पर हुआ। प्रधानमंत्री रैली में इस बार थीम कालबेलिया है। इसमें प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, रक्षा सचिव, थल सेना अध्यक्ष, नौ सेना अध्यक्ष, वायु सेना अध्यक्ष और एनसीसी के महानिदेशक शिरकत करेंगे।

कुशल वाटिका की वर्षगांठ 27 को

बाड़मेर, 19 जनवरी (निसं)। अहमदाबाद रोड स्थित कुशल वाटिका प्रांगण में भगवान मुनिसुव्रत स्वामी जिन मन्दिर, दादावाड़ी, नवग्रह मन्दिर, देवी-देव मन्दिर एवं गुरू मन्दिर की सप्तम वर्षगाठ 27 जनवरी को मनायी जायेगी। ट्रस्ट के बाबूलाल टी बोथरा ने बताया कि डॉ.विद्युत प्रभा की प्रेरणा से प्रमोद म.सा. की स्मृति में बनी कुशल वाटिका के नौ मन्दिरो की सप्तम वर्षगांठ खरतगच्छाधिपति आचार्य भगवंत मणिप्रभसूरीश्वर की आज्ञानुवर्ती प्रर्वतनी साध्वी शशिप्रभा की सुशिष्या जिनशासन विहार प्रेरिका साध्वी सौम्यगुणा आदि ठाणा के सानिध्य में सुबह 8 बजे अठारह अभिषेक, 9 बजे सतरह भेदी पूजा, 10 बजे शिखर पर लाभार्थी परिवारो द्वारा मन्त्रोचार के साथ ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न होगा। केवलचन्द छाजेड ने बताया कि सप्तम वर्षगांठ के उपलक्ष में जिन मन्दिरो को रंगीन रोशनी व फूलो द्वारा सजाया जायेगा।

सीए हैप्पी सालेचा का स्वागत

बालोतरा, 19 जनवरी (निसं)। पुरस्कृत शिक्षक फोरम बाड़मेर द्ववारा प्रतिभा सम्मान समारोह जसोल में आयोजित किया गया। मुख्य

अतिथि ग्राम पंचायत जसोल के नवनिर्वाचित सरपंच ईश्वर सिंह चौहान एवं पुरस्कृत शिक्षक फोरम बाड़मेर के जिलाध्यक्ष सालगराम परिहार ने प्रतिभाशाली बालिका सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली हैप्पी सालेचा पुत्री हीरालाल कल्पना देवी सालेचा को शॉल ओढ़ाकर बहुमान किया। इस अवसर पर भगवतसिंह, भंवरलाल भंसाली, अभिषेक ढेलड़िया, राजू बोहरा, गणपत भंसाली, दिलीप ढ़ेलडिया, बाबूलाल कोठारी, महावीर ढ़ेलडिया, मूलचंद सालेचा, जितेंद्र सालेचा व रामकिशन शर्मा मौजूद थे।

नौनिहालों ने गटकी दो बूंद जिंदगी की

बालोतरा, 19 जनवरी (निसं)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष के नन्हे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। रोटरी क्लब के सचिव महेंद्र चोपड़ा ने बताया राजकीय नाहटा चिकित्सालय में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डां बलराजसिंह, डॉ कमल मूंदड़ा एवं चिकित्सकों के साथ रोटरी क्लब के सह प्रांत पाल धनराज चोपड़ा, पूर्व सह प्रांत पाल ओम बांठिया, पूर्व सह प्रांत पाल सुरेश श्रीश्रीमाल, क्लब अध्यक्ष गौतम मेहता, प्रवीण चोपड़ा, भरत गोलेछा सहित सदस्यों ने नन्हे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर योगदान दिया।

कनाना सरपंच ने किए दर्शन- कनाना के नवनिर्वाचित सरपंच चैनकरण ने सड़लानाडा धाम पर दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद गादीपति एवं श्री निम्बेश्वर महादेव मठ खारवा-जेठन्तरी के मठाधिपति महंत भुवनेश्वरपुरी महाराज से आशीर्वाद लिया तथा ग्राम पंचायत के विकास के साथ मंदिर के हर कार्य में सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंदिर कोटवाल मेहराराम चौधरी, किशनाराम काग, पीराराम तरक, किशनदास व दिनेश वैष्णव सहित अनेक भक्त-भाविक मौजूद थे।

राम कथा 9 से- हरि कृष्णा फाउंडेशन न्यास की ओर से इंडोनेशिया के बाली राज्य के डेनपासार शहर में वक्ता श्री बांके बिहारी के सानिध्य में राम कथा का पाठ 9 दिनों तक किया जाएगा।

यह कथा 9 मई को कलश यात्रा के साथ शुरू होगी और 17 मई को कथा की पूर्णाहुति श्री राम यज्ञ के साथ होगी। कथा के मुख्य यजमान हरि कृष्णा फाउंडेशन के प्रमोटर

बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

बांझाकुड़ी, 19 जनवरी (निसं)। क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने शीघ्र अघोषित बिजली कटौती बंद करने की मांग की। उन्होंने बताया कि बिजली कटौती बंद नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा।

बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष का स्वागत

भीनमाल, 19 जनवरी (निसं)। बार एसोसिएशन के चुनाव में दिग्विजय सिंह दहिया के उपाध्यक्ष पद निर्वाचित होने पर बागोडा उप खंड मुख्यालय पर स्वागत किया गया। इस मौके अधिवक्ता, स्टाम्प वैण्डर, डोक्यूमेन्ट राइटर सहित कर्मचारियों एवं नागरिकों ने साफा, माला, श्रीफल तथा स्मृति चिन्ह देकर दहिया का सम्मान कया।

सड़क पर गड्ढे दे रहे हैं हादसे को न्योता

स्वामीजी की ढाणी, 19 जनवरी (निसं)। केन्द्रीय सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्माणाधीन स्टेट हाइवे 65 नवनिर्माण के दो माह मे ही उधड़ गया। ग्रिफ अधिकारियों की भ्रष्टाचारी व गैर जिम्मेदारी के परिणाम स्वरूप ठेकेदारों ने घटिया सामग्री का उपयोग कर बनाया जिससे वो कुछ महिनों मे ही टूट गई। उसको सुधारने के लिए ठेकेदार द्वारा दुबारा तोड़ा गया जो गड्?ढे आने जाने वाले लोगों के लिए मौत की घाटियां बन गई। बारह महिनों से चल रहे इस काम के ठेकेदार व ग्रिफ अफसरों ने निर्माणाधीन जगहों पर कोई संकेतक या सूचनापट्ट नहीं लगाए जिससे रात्रि के समय सामने आने वाले वाहन मोटरसाइकिल व छोटे वाहन इन गड्ढों मे गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बाबा रामदेव मेले के समय भी निर्माणाधीन सड़क पर मोटरसाइकिल पर आने वाले यात्री दुर्घटनाओ के शिकार होते रहे। पर जिम्मेदार सोए रहे।

जैसलमेर में दूरबीन से हुआ पहला अपेंडिक्स आपरेशन

जैसलमेर, 19 जनवरी (निसं)। स्थानीय माहेश्वरी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में दूरबीन पद्धति से अपेंडिक्स का सफल आपरेशन हुआ। हॉस्पिटल प्रशासक डॉ उम्मेदसिंह ने बताया कि आज तक जैसलमेर के अपेंडिक्स से पीड़ित रोगियों को दूरबीन शल्य चिकित्सा के लिए अन्य शहर जोधपुर व अहमदाबाद जाना पड़ता था। साथ में परिवार के सदस्य को भी ले जाना पड़ता था जिससे रोगी को आर्थिक नुकसान हो रहा था। उन्होंने बताया कि अपेंडिक्स रोगी स्थानीय ढिब्बा पाड़ा निवासी वीरेंद्र पुत्र भीमसिंह का डॉ. पंवार द्वारा दूरबीन पद्धति से सफल ऑपरेशन किया गया।

भाजपा महिला मोर्चा ने सीएए के समर्थन में चलाया हस्ताक्षर अभियान

धनाऊ, 19 जनवरी (निसं)। आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक धनाऊ में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में छात्र-छात्राओं ने संरचना बनाकर समर्थन किया। प्रधानाचार्य देरामा राम गोदारा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया नागरिकता संशोधन कानून किसी भी धर्म के भारतीय नागरिकों को प्रभावित नहीं करेगा, कुछ लोग देश में भ्रम पैदा करने में लगे हैं। इस कानून में विस्थापितों का दुख, दर्द समझ कर नागरिकता संशोधन कानून बनाया गया है। इस मौके पर सुरेश कुमार, भंवर लाल, ओमप्रकाश, चेतन राम, गोरधनराम, सवाई राम, गोविंद राम, लाला राम, दमाराम, सदराम आदि उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी ने नागरिकता संशोधन विधेयक के समर्थन में प्रदेश भर में चल रहे जन जागरण अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर लक्ष्मी नगर में महिला मोर्चा ने सीएए के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान चलाया। भाजपा जिला अध्यक्ष आदूराम मेघवाल ने कहा कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाइयों ने धार्मिकता के आधार पर अत्याचार, हत्या मारपीट धर्म परिवर्तन सहित उत्पीड़न का शिकार व दुखी होकर भारत मे शरण ली। ऐसे शरणार्थियों का भारत में आने के बाद इतने वर्षों तक कांग्रेस की सरकार ने इनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। आज जब ऐसे लाखों गरीब, प्रताड़ित, वंचित, शोषित, दलित, परिवारों को भाजपा ने अपने वादे के अनुसार नागरिकता देने का कानून बनाकर इनको राहत दी। तो कांग्रेस और उसके साथी, उसका भी विरोध कर रहे हैं।

आधार कार्ड बनाने के लिए 40 किमी. का सफर

भणियाणा, 19 जनवरी (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर आधार कार्ड की व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को इन दिनों परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उपखंड मुख्यालय पर आधार कार्ड बनवाने की व्यवस्था नहीं होने की वजह से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। जिसे लेकर ग्रामीणों को आधारकार्ड से संबंधित कोई भी काम होता हैं तो उपखंड मुख्यालय से चालीस किलोमीटर दूर पोकरण की तरफ जाना पड़ता हैं। जिसके कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। ग्रामीण एडवोकेट आसान खां ने बताया कि उपखंड मुख्यालय पर आधार कार्ड बनवाने की कोई व्यवस्था नहीं हैं। ऐसे में ग्रामीणों को काफी तकलीफ उठानी पड़ रही हैं। ग्रामीणों ने मांग की हैं कि जल्द से जल्द उपखंड भणियाणा में आधार कार्ड बनाने की सुविधा को शुरू किया जाए। ताकि आमजन को राहत मिल सके।

राम जन्मोत्सव का मंचन

भीनमाल, 19 जनवरी (निसं)। धर्म प्रचारक रामलीला मंडल काशी द्वारा रामलीला महोत्सव का शुभारंभ नगर पालिका परिसर में किया गया। इस मौके पालिका उपाध्यक्ष प्रेमराज बोहरा, नागरिक कल्याण मंच के अध्यक्ष माणकमल भंडारी, पालिका सदस्य जयसिंह राव, पारस भील, पारस घांची, डॉ. प्रेमराज परमार, अश्विन दवे व चक्रवतीसिंह ओपावत मौजूद थे। प्रथम दिन दशरथ पुत्र श्रीराम जन्म का मंचन किया गया। आयोजन समिति के संयोजक अशोक उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया।

2300 किमी साइकिल यात्रा कर सुमेरपुर पहुंचा संचित

सुमेरपुर, 19 जनवरी (निसं)। भारत की विविधता को करीब से जानने व उसकी अनुभूति करने के लिए साइकिल पर महाराष्ट्र के अमरावती जिले से 5 हजार 500 किलोमीटर की यात्रा पर निकले संचित पाटणे सुमेरपुर पहुंचे।

विद्या भारती के पूर्व छात्र संचित अब तक साइकिल से 2300 किमी यात्रा पूरी कर चुके हैं। संचित शाम को सुमेरपुर पहुंचे, जहां आदर्श विद्या मंदिर स्थानीय प्रबंध समिति सदस्य सोहनलाल नागर, सहायक प्रधानाचार्य कुलदीप कुमार एवं आचार्य खुमेन्द्रसिंह बघेला द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। संचित ने विद्या मंदिर के विद्यार्थियों के साथ बातचीत कर अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि भारत की विविधता में एकता की पहचान है। संचित ने कहा कि वे भारत भर में आमजन को बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ भारतीय संस्कृति को समझने एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए साइकिल यात्रा पर निकले हैं। रात्रि विश्राम के बाद पाटणे सिरोही के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर आचार्य छगनलाल राठौड़, नारायणलाल, आचार्या शारदा शर्मा, कविता शर्मा, वीणा सोलंकी, जया त्रिवेदी, रेखा दवे, दुर्गेश कंवर व चम्पा देवासी उपस्थित थे।

जोधपुर Suncity

दैनिक जलते दीप

जयपुर, सोमवार 20 जनवरी 2020

दो दिवसीय श्रीयादे माता जयंती महोत्सव 25 से

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। कुम्हार (प्रजापति) समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि श्री श्रीयादे माता जयन्ती के शुभ अवसर पर महोत्सव समिति के तत्वावधान दो दिवसीय समारोह का आगाज 25 जनवरी को होगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष केशव कुमार कवाड़िया ने बताया कि महोत्सव समिति द्वारा दो दिवसीय समारोह के अन्तर्गत जोधपुर को 40 प्रखण्डों में विभाजित किया गया है। समारोह में प्रथम दिन 25 जनवरी को श्री श्रीयादे माता मन्दिर रातानाडा पर सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जाएगा। कालूराम प्रजापति कमल के नेतृत्व में सुन्दरकाण्ड पाठ टीम द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का गायन किया जाएगा।

दूसरे दिन 26 जनवरी को प्रातः 10 बजे श्री श्रीयादे माता मन्दिर रातानाडा पर मुख्य अतिथि पदमश्री अर्जुन प्रजापति , विशिष्ट अतिथियों व समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा श्री श्रीयादे माता की पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद शोभायात्रा नई सड़क घण्टाघर से प्रातः 11 बजे प्रारम्भ होकर कन्दोई बाजार, कटला बाजार, सिटी पुलिस, सर्राफा बाजार, आडा बाजार, कुम्हारिया कुआं, जालोरी गेट, गोल बिल्डिंग, सरदारपुरा बी रोड़ होते हुए गांधी मैदान पहुंचकर आमसभा में परिवर्तित होगी। आम सभा के बाद शोभायात्रा का विसर्जन होगा। महासचिव दिलीप कुमार बागोरिया व सचिव

101 झांकियां युक्त शोभायात्रा 26 को

विनोद कुमार ऐणिया ने बताया कि इस शोभायात्रा में 101 सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, देशभक्ति सहित कई आकर्षक झांकियों के साथ भजन मंडलियां, पंजाब का अनोखा भांगड़ा डांस, जोधपुर की प्रसिद्ध बैण्डों द्वारा मधुर स्वर लहरियां, सोजतसिटी की प्रसिद्ध कच्छी घोड़ी नृत्य, बालोतरा की विश्वविख्यात आंगी गैर आकर्षण का केन्द्र होगी। महोत्सव समिति के संरक्षक दशरथ कुमार कवाड़िया व रामकिशोर सोतवाल ने बताया कि इस बार सभी प्रखण्ड प्रमुखों को साफा पहना कर कार्यभार सौंपा जायेगा। कोषाध्यक्ष लालचन्द संखवाया ने बताया कि श्रीयादे शक्ति पीठ की बहुआयामी प्रस्तावित योजना को अतिशीघ्र मूर्तरूप दिया जाएगा।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष लूणाराम घोड़ेला ने बताया कि समिति ने इस बार महिलाओं को समुचित प्रतिनिधित्व देने के लिए महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जिसमें महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष लक्ष्मीदेवी सिनावड़िया एवं उपाध्यक्ष संगीता सोतवाल को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष भंवरलाल ओड़िया ने बताया कि शोभायात्रा में बाहर से पधारने वालों के लिए आवास व भोजन व्यवस्था प्रजापत समाज भवन रातानाड़ा में रखी गई है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष नारायणलाल भोभरिया ने बताया कि इस शोभायात्रा में झांकियों के साथ ऊंट, घोड़े, रथ के अलावा व्यायामशालाओं के कार्यकर्ताओं द्वारा हैरतअंगेज करतब का प्रदर्शन किया जाएगा। 25 जनवरी को श्री श्रीयादे माता मन्दिर रातानाडा पर आकर्षक फूल मण्डली एवं रंग बिरंगी रोशनी द्वारा जगमगाहट की जाएगी।

झालामंड में श्रीयादे मेला शुरू

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। श्री प्रजापति (कुम्हार) समाज की ओर से झालामण्ड स्थित श्री श्रीयादे माता पावन धाम में नौ दिवसीय मेले का शुभारम्भ रविवार को ध्वजारोहण के साथ किया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में मुख्यअतिथि कुड़ी थानाधिकारी मुक्ता पारिक थी। अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष नेमीचन्द तेनगरिया ने की। इस दौरान श्री श्रीयादे माता के जयकारों से धाम परिसर गुंजायमान हो उठा। मीडिया प्रभारी मनोज सिनावडिया व मेलाध्यक्ष दयाल सिनावडिया ने बताया कि ध्वजारोहण के बाद श्रीयादे सरोवर से कलश यात्रा रवाना हुई जो विभिन्न मार्गो से होते हुए श्री श्रीयादे माता धाम पहुंची। मार्ग में कई जगहों पर शोभायात्रा का पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया। शोभायात्रा की समाप्ति के पश्चात भागवत कथा की शुरूआत हुई। इस अवसर पर रमेश ऐणिया, दयाल सिनावडिया, सन्तोष सिनावडिया, बंशीलाल, पुखराज बटाणिया, रामचन्द्र रूणगतिया, सोहनलाल, लूणाराम धर्माराम,लक्ष्मण सिनावडिया, मोतीलाल ऐणिया, घेवरराम हरकिया, उगमराम बनावडिया, शकरलाल, विशनाराम सिंगरवाल, मुन्नालाल, राकेश बटाणिया, घेवराम कचावटिया इत्यादि उपस्थित थे।

कीर्तन पेश करते रागी। जलतेदीप

श्रद्धापूर्वक मनाया गुरु गोविन्दसिंह का प्रकाशोत्सव

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु रामदास साहिब में रविवार को सरबस दानी अमृत के दाते हेमकुड वासी दसवें पातशाही गुरु गोविन्द सिंह का प्रकाशोत्सव साध संगत द्वारा धूमधाम से मनाया गया।

गुरुद्वारा के प्रधान बलदेव सिंह ने बताया कि भाई साहिब भाई प्रितमसिंह द्वारा कीर्तन व कथा, अमरजीत कौर छाबड़ा द्वारा कथा व पंथ के महान कीर्तनीये भाई हरभजनसिंह लहरी श्री गंगानगर वाले ने पीयो पाहुल खंड धार, होये जन्म सुहेला, वाहो वाहो गोविन्द सिंह आपे गुर चेला हरी जसगायन करते हुए धर्म प्रेमी संगत को गुरु चरणों से जोड़ा।

बाद में गुरु का अटूट लंगर वरताया। इस अवसर पर कृपालसिंह सोढी, सतपालसिंह, हरदयालसिंह, जितेन्द्रसिंह बत्रा, मनजीतसिंह, मनिन्द्रसिंह, मोहनसिंह, अवतारसिंह, सुरेन्द्र कौर, जसविन्द्र कौर, रितू व रेनू ने सेवाएं दी।

जलदाय विभाग का राजस्व वसूली शिविर आज से

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर खण्ड तृतीय द्वारा राजस्व वसूली के लिए 20 से 23 जनवरी तक शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर में सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारी प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। नगर खण्ड तृतीय के अधिशाषी अभियंता सुनिल दत्त हर्ष ने बताया कि शिविर में उपरोक्ताओं के विरूद्ध चल रही बकाया जल शुल्क राशि वसूल की जाएगी तथा अवैध जल संबंध विच्छेद किए जाएंगे।

अवैध बुस्टर लगा पाये जाने तथा अन्य माध्यम से होने वाली पानी की चोरी पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। शिविर में उपभोक्ताओं द्वारा अपने बकाया जल शुल्क जमा करवाने का मौके पर ही रसीद उपलब्ध कराई जावेगी। शिविर के दौरान मौके पर कच्ची बस्तियों के आवेदनकर्ताओं को जल सम्बन्ध दिये जाएंगे। उन्होंने बताया कि 20 से 23 जनवरी तक सहायक अभियंता कार्यालय नगर उपखण्ड चौपासनी फिल्टर हाउस में आयोजित शिविर में शिक्षक कॉलोनी, चौपासनी, सूथला, ज्वाला विहार, कमला नेहरू नगर, हरिओम नगर, सूरज नगर तथा आसपास के क्षेत्र के उपभोक्ता भाग ले सकेगें। इसी प्रकार सहायक अभियंता नगर उपखण्ड कार्यालय चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में 20 से 23 जनवरी तक आयोजित शिविर में संपूर्ण चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 1 से 25 तथा आसपास क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए, नगर उपखण्ड कार्यालय पाल रोड शिविर में सुभाष नगर, प्रेम नगर, दिग्विजय नगर, गुलाब नगर, शोभावतों की ढाणी, मरूधर केसरी नगर, जेके नगर, शंकर नगर, रामेश्वर नगर, रूप नगर, आशापूर्णा तथा आसपास क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए, इसी अवधि में नगर उपखण्ड न्यू पॉवर हाउस शिविर में लाईट तथा हैवी औद्योगिक क्षेत्र बासनी, महावीर नगर, हड्डी मिल, रीको बासनी क्षेत्र, शास्त्री नगर, एम डी एम, मिल्कमैन कोलोनी, सेक्शन 7, काजरी अमर नगर, खेमे का कुआ तथा आसपास क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 20 से 23 जनवरी तक नगर उपखण्ड पी एस 4 में आयोजित शिविर में कुडी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 1 से 8, भगत की कोठी, गंगा विहार, सरस्वती नगर, डीडीपी नगर, अंसारी नगर, बासनी गांव, के के कोलोनी, रामेश्वर नगर, जनता कोलोनी, मधुबन हाउसिंग बोर्ड के उपभोक्ता भाग ले सकेंगे। इसी अवधि में नगर उपखण्ड झालामण्ड में आयोजित शिविर में दण्ड की ढाणी, पृथ्वीराज नगर, नवदुर्गा कोलोनी, आदर्श नगर, पाली रोड, मीरा नगर, वायु विहार, औद्योगिक क्षेत्र सांगरिया फंटा, सांगरिया फेज प्रथम एवं द्वितीय, गणेश नगर, शंकर नगर, कृष्णा विहार, रामदेव नगर, जुणावों की ढाणी तथा आसपास क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए तथा 20 से 23 जनवरी तक सहायक अभियंता कार्यालय नगर उपखण्ड भैरूजी चौराहा पर लगने वाले शिविर में सिंधी कॉलोनी, जलजोग चौराहा, कल्पतरू शोपिंग सेन्टर, ई सेक्टर, सातवीं रोड से बारहवीं रोड, ई एस आई हास्पिटल के पीछे का क्षेत्र, भगत की कोठी तथा रिक्तियां भैरूजी चौराहा तथा आसपास के क्षेत्र

हस्तशिल्पियों-दस्तकारों को आर्टिजन कार्ड वितरित

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। लघु उद्योग भारती जोधपुर महानगर महिला इकाई द्वारा हस्तशिल्पियों/दस्तकारों को आर्टिजन कार्ड वितरण कार्यक्रम लघु उद्योग भारती राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम ओझा, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक एलएल पालीवाल, किरण वी एन कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार जोधपुर एवं ईपीसीएच के प्रतिनिधी गोपाल शर्मा के सानिध्य मे लघु उद्योग भारती भवन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में घनश्याम ओझा ने हस्तशिल्पियों-दस्तकारों को आर्टिजन कार्ड की महता बताई और कहा कि आर्टिजन कार्ड धारक दस्तकार अन्तराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न फेयरों मे रियायती दरों पर अपनी स्टॉलें आरक्षित करवा मेलों मे भाग ले सकते है। महाप्रबंधक एलएल पालीवाल ने बताया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर दस्तकारों को मिलने वाली विभिन्न सरकारी सुविधाओं के बारे मे विस्तार से बताया। महिला इकाई अध्यक्ष मीनू दूगड़ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि महिला इकाई द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किये जाते रहेंगे जिससे महिला उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष स्वाति शर्मा, कोषाध्यक्ष मोना हरवानी, निवर्तमान अध्यक्ष मंजू सारस्वत, अल्का शर्मा,अरूणा राठी, इन्दुबाला अग्रवाल, बिन्दू जैन, गुरूप्रेक्षा वाणी, रेखा मोघे, वंदिता जैन व अन्य महिला उद्यमीगण उपस्थित रहे।

नर्सेज फोरम प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेजेगा

एम्स नर्सिंग भर्ती में सीटें बराबर रखने की मांग

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। ऑल इंडिया नर्सेज फोरम ने देशभर के एम्स में नर्सिंग की भर्तियों में 80 सीटें महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित करने तथा पुरुष उम्मीदवारों को केवल मात्र 20 सीटों पर ही आवेदन की अनुमति देने के विरोध में राष्ट्रव्यापी पोस्टकार्ड आंदोलन की घोषणा की है। फोरम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखलाल जाट ने बताया कि संगठन के देशभर के सभी एम्स में कार्यरत नर्सिंग अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पोस्टकार्ड लिखकर निर्णय को निरस्त करवाने की मांग करेंगे इस अवसर पर ऑल इंडिया नर्सेज फोरम के महासचिव अरविंद चौधरी ने कहा कि वह सभी नर्सिंग छात्रों तथा नर्सिंग की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटे अभ्यर्थियों से अपील कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड लिखकर निर्णय को निरस्त करवाने का निवेदन करें जिससे कि महिला तथा पुरुष अभ्यर्थियों को समान रूप से कार्य करने का हक मिल सके।

बाल बसेरा के बच्चों ने देखी फिल्म तानहाजी

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। अच्छी फिल्में ना सिर्फ मनोरंजन का साधन होती है बल्कि ज्ञान का स्त्रोत और जीवन में जोश और उत्साह का संचार भी करती है। इसी को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब ऑफजोधपुर मिड टाउन के सदस्यों ने गायत्री नगर स्थित बाल बसेरा सेवा संस्थान के बच्चों के लिए फिल्म तानहाजी के विशेष शो का आयोजन किया। फिल्म में 17वीं शताब्दी के योद्धा तानहाजी मलुसारे की गाथाओं का वर्णन किया गया है। रोटरी मिडटाउन के अध्यक्ष पुनीत राव ने बताया कि संस्थान के 61 बच्चों के लिए रोटरीयन सुनील बाजारी द्वारा प्रायोजित शो में कोषाध्यक्ष ललित गर्ग ने व्यवस्थाओं में सहयोग दिया। राव ने बताया कि आने वाली पीढ़ी तक देश के ऐसे वीरों की गाथाएं पहुंचाना हमारा कर्त्तव्य है, जिन्होंने देश हित के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

मदरसे के बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। छोटमल लाडकंवर नव-सुमन डागा चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष नवरतन डागा द्वारा मदरसे के छात्र-छात्राओं को स्कॉर्फ, टोपे, कॉपियां, रबड, पेन्सिल, पेन शिक्षण सामग्री वितरण किए गए। इस अवसर पर मदरसे के सदर अब्दुल रहमान ने कहा कि ऐसे मदरसे जहां गरीब जरूरतमन्द बच्चे अध्ययन कर रहे है, उनकी शिक्षा की जरूरत व आवश्यकताओं को पूरी करने के लिये वर्तमान समय में ऐसे भामाशाहों की महती आवश्यकता है। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापिका कौसर परवीन, रूखसाना उस्मानी, निशात आरा, खुशबु डागा, प्रियल डागा, सुमन डागा व कविश डागा ने विचार व्यक्त किए। अंत में अब्दुल मुक्तदीर ने आभार व्यक्त किया।

छात्रावास में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया आज

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। भारतीय खेल प्राधिकरण के खेल प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर के लिए छात्रावास में प्रवेश के लिए खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया 20 जनवरी को प्रातः 8.30 बजे बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। इसमें बालक के लिए बॉस्केटबॉल, बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक्स के साथ बालक व बालिकाओं के लिए जिम्नास्टि्क्स की डे बोर्डिंग स्कीम के लिए चयन प्रक्रिया होगी। भारतीय खेल प्राधिकरण जोधपुर के प्रभारी हनवंतसिंह राठौड़ ने बताया कि इच्छुक अभ्यार्थी 20 जनवरी को प्रातः 8.30 बजे अपने मूल प्रमाण पत्र, विद्यालय द्वारा जारी जन्म तिथि, पिछली कक्षा की अंक तालिका सभी मूल प्रतियों के साथ दो पासपोर्ट साईज फोटो लेकर उपस्थित हो सकते है।

नैत्र चिकित्सा शिविर आज

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। परमार्थ रिलीफ सोसायटी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अंधता निवारण समिति द्वारा स्व. श्रीमती लक्ष्मीदेवी एवं स्व. दाऊदास मूंदडा की स्मृति में 20 जनवरी को प्रात 10 से 1 बजे तक निशुल्क नैत्र जांच व चिकित्सा शिविर मिश्रीमल बाफना परमार्थ अस्पताल अपर चौपासनी रोड पर होगा। संस्था के प्रवक्ता दामोदारदास मूंदडा ने बताया कि शिविर में मरीजों के नेत्रों की जांच कर चयनित ऑपरेशन लायक मरीजों के मोतियाबिंद ऑपरेशन लैंस प्रत्यारोपण मिश्रीमल बाफना परमार्थ में निशुल्क किए जाएंगे।

भजन संध्या में श्रोता हुए भाव विभोर

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। हाईकोर्ट कॉलोनी रोड़स्थित शिव विहार में श्री विश्वकर्मा सत्संग समिति के तत्वावधान में समाज सेवी रावतराम जायलवाल की स्मृति में भजन संध्या का अयोजन किया गया। आयोजक कैलाश जायलवाल, महेन्द्र जायलवाल, पवन जायलवाल ने बताया कि भजन संध्या में गायक महेन्द्र सिंह पंवार, दिलीप गवैया, पंकज जांगिड़, सुरेन्द्र सिंह राणावत, राजू पालना और करण तेजी ने भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को भावविभार कर दिया। इस अवसर पर अनेक गणमाण्य समाज बंधु और भक्तगण उपस्थित हुए।

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए सेमिनार का आयोजन

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए लाल बून्द ज़िन्दगी रक्षक सेवा संस्थान द्वारा सेमिनार का आयोजन कर आम जन को यातायात के नियम बता कर यातायात नियम का पालन करने की शपथ दिलाई गई। संस्थान संरक्षक डॉ. नगेन्द्र शर्मा व अध्यक्ष रजत गौड़ ने कहा कि हम उन पालकों को संदेश देना चाहते है जो नाबालिग बच्चों को गाड़ी सौंप देते हैं कि ऐसी गलती ना करें। राष्ट्रीय सचिव रवि तिवाड़ी व प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र कुमार शर्मा ने आम जन को सड़क सुरक्षा की शपथ आम जन को दिलाई। बृजेश शर्मा व अनिल कछवाहा ने कहा कि पुलिस का सहयोग करने से आप स्वंय सुरक्षित रहेंगे। इससे जान के साथ समय की भी बचत होगी। इस अवसर पर सुमेरराम कछवाहा, सुनील सियाग, जितेंद्र कुमार, लिखमाराम पंवार, शुभम गौड़, सोहन पटेल सहित कई अन्य व आम जन मौजूद थे।

रचनाकार की शैली पहचानने वाला ही सजग पाठक

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। कथाकार मनोहरसिंह राठौड़ ने कहा कि उन्होने विगत चार दशकों में आम आदमी के जीवन और उससे जुड़ी विसंगतियों एवं विद्रूपताओं को रेखांकित करने का प्रयास किया है। ग्राम्य जीवन से जुडे रहने के कारण कई बार आम आदमी के हिस्से में कई तरह की दुविधाएं आ जाती हैं, जिन पर कोई दृष्टिपात नहीं करता। वे आज गांधी भवन में अंतर प्रांतीय कुमार साहित्य परिषद के तत्वावधान में आयोजित लेखक से मिलिए कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मोहनकृष्ण बोहरा ने कहा कि हर फूल की अपनी सुगंध होती है वही उसकी पहचान भी बनती है। ठीक इसी तरह हर समर्थ रचनाकार की अपनी शैली होती है और उसका सजग पाठक उस शैली से उसकी पहचान पा लेता है। परिषद की महामंत्री डॉ पद्मजा शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के प्रश्नोत्तर सत्र में मुरलीधर वैष्णव, रतन सिंह चांपावत, डॉ अशोक माथुर, सत्यदेव संवितेंद्र, श्याम गुप्ता शांत ने लेखक से सवाल-जवाब किए। डॉ बीएस जैन ने मुख्य वक्ता को गांधी डायरी भेंट की। अंत में प्रगति गुप्ता ने आभार जताया। संचालन मधुर परिहार ने किया। इस मौके प्रो रामबक्ष जाट, हबीब कैफी, डॉ आईदानसिंह भाटी, डॉ हरीदास व्यास, हरिप्रकाश राठी, माधव राठौड़, कमलेश तिवारी, गिरधर गोपाल सिंह भाटी, तारा प्रजापत, शैलेंद्र ढड्ढा, रेणु वर्मा, संतोष चौधरी, दशरथ सोलंकी, डॉ वीणा चूंडावत, शिवानी, मंजु शर्मा, अशफाक अहमद फौजदार, किसनाराम, अशोक चौधरी, प्रतीक भारत व एमएल जांगिड़ सहित अनेक साहित्यकार उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता। जलतेदीप

कांग्रेसी नेता जोशी की माता का निधन, जनप्रतिनिधियों ने शोक जताया

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता आसुलाल जोशी की माता मगीदेवी के निधन पर मतोड़ा स्थित उनके निवास स्थान पर जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक जताया। इस दौरान राज्य सभा के मुख्य सचेतक नारायणलाल पंचारिया, पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मृगेंद्रसिंह भाटी, विधायक पब्बाराम विश्नोई, पूर्व प्रधान नारायणराम डाबड़ी, राजस्थान ब्राम्हण महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल जोशी, कन्हैयालाल पारीक, महंत शिवनाथ सहित अनेक समाजसेवी व गणमान्यों ने शोक संतप्त परिवार को ढाढ़स बंधाया।

मरीजों की जांच करते चिकित्सक। जलतेदीप

मल्टी स्पेशयलिटी मेडिकल कैम्प में 700 रोगी लाभान्वित

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। उम्मेद क्लब में निःशुल्क मल्टी स्पेशयलिटी मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कैंप में 700 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। सचिव विनय कवाड़ ने बताया कि उम्मेद क्लब और निजी अस्पताल के संयुक्त तत्त्वावधान में मल्टी स्पेशयलिटी कैम्प का आयोजन किया गया।

संयोजक डॉ. अरूण वैश्य ने बताया कि कैम्प में डॉ. सुभाष जांगिड़, डॉ. राहुल भार्गव, डॉ. विनय कुमार और डॉ. राहुल मिगलानी सहित जोड़ प्रत्यारोपण, जनरल सर्जन, पाचन तंत्र विशेषज्ञ, हदय विशेषज्ञ, कैसर विशेषज्ञ, किडनी विशेषज्ञ, न्यूरो विशेषज्ञ, मोटापा और मधुमेह विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दी। इस मौके ईसीजी, बीएमआई, बीएमडी, ब्लड शुगर, सीवीसी व बीपी की जॉच सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। साथ ही लागत मूल्य पर कम्पलीट हेल्थ चैकअप पैकेज भी दिया गया। कैम्प में 700 रजिस्ट्रेशन हुए। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष अनिल भंसाली, उपाध्यक्ष प्रथम कुशाल अयानी, उपाध्यक्ष द्वितिय अशोक महेश्वरी, कोषाध्यक्ष मोतीचन्द जैन, कार्यकारिणी सदस्य पृथ्वी सिंह भाटी, शांतिलाल परिहार, रमेश गांधी, रमेश जैन, रवि जैन, पुलकित गुप्ता, गिरिश चन्दानी, महेन्द्र के पुरोहित, नीतेश सारडा, विक्रम सिंह राठौड़, दिलिप कुमार जैन व छत्तर सिंह भण्डारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

किशोर की हत्या का आरोपी रिमांड पर

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। निकटवर्ती बेरू गांव के देदीपानाडा से 11 जनवरी को रिश्तेदार के साथ घूमने निकले किशोर की हत्या उसके ही रिश्तेदार दो भाईयों ने कर दी। एक नाबालिग रिश्तेदार भाई को दस्तयाब करने के साथ उसके निशानदेही पर पुलिस ने शनिवार को किशोर के शव को बरामद करने के साथ मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। बाद में परिजनों को सौंप दिया गया। हत्या की वजह आरंभिक तौर पर मृतक द्वारा एक रिश्तेदार के घर पर फोन करना बताया गया है। मृतक व हत्या का आरोपी एक ही लड़की से बात करते थे। हत्या का आरोपी इस बात को लेकर खफा था। पुलिस ने इसे गिरफ्तार किया है। जबकि बाल अपचारी को निरूद्ध कर लिया गया। पुलिस ने गिरफ्तार रिश्तेदार भाई को आज कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे 22 जनवरी तक रिमाण्ड पर भेजा गया। इससे कपड़े, चाकू एवं वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामदगी के प्रयास चल रहे है।

रविवार को राजीव गांधी नगर थानाधिकारी बलराजसिंह मान ने बताया कि गत 13 जनवरी को एक परिवाद मिला था। इसमें बताया कि बेरू देदीयानाडा निवासी रमेश (17) पुत्र ओमप्रकाश जाट 11 जनवरी की शाम करीब साढ़े सात घर से बाहर गया था। देर रात और सुबह तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने उसकी अपने स्तर पर तलाश शुरू की और दो दिन तक तलाश के बावजूद उसका पता नहीं लगने पर 13 जनवरी को रमेश के काका करनाराम ने पुलिस थाने में अपने भतीजे के अपहरण की आशंका जाहिर करते हुए केस दर्ज करवाया।

थानाधिकारी ने बताया कि रमेश के लापता होने और नहीं मिलने पर उसके मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवाई गई। तब उसके आखिरी बार रिश्तेदार बालअपचारी से बातचीत होने का पता लगा। रमेश रिश्ते में लगने वाले ममेरे भाई पूनिया की प्याऊ क्षेत्र निवासी बालक के साथ गया था। रमेश को बालअपचारी अपने साथ कायलाना घूमने के बहाने के लिए लेकर निकला। तब रास्ते में संभवतः पूर्व नियोजित अनुसार बालअपचारी का ममेरा भाई गिरधारीराम मिला। उसके बाइक पर बैठकर ये लोग गोलासनी फायरिंग रेंज की तरफ गए। वहां पर बालअपचारी ने रमेश के दोनों बाजू पकड़ लिए।

बाद में गिरधारीराम ने चाकू से रमेश के पेट, गर्दन और सीने पर कई वार किए। हत्या के बाद पहचान छुपाने के इरादे से पत्थर से चेहरे का कुचल दिया। पुलिस ने बाल अपचारी को सुधार गृह भिजवाने के साथ हत्या करने के आरोपी को आज कोर्ट में पेश कर 22 तक रिमाण्ड पर लिया।

बदमाश तीन दिन के रिमांड पर- बनाड़ पुलिस ने शनिवार रात को नांदड़ाखुर्द स्थित शंकर नगर में एक रहवासीय मकान पर छापा मारा। यहां पर रहने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर तलाशी में चार किलो दो सौ ग्राम गांजा बरामद किया। वह शिक्षण संस्थाओं और सार्वजनिक स्थलों पर गांजा बेचने का काम करता था। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। बनाड़ थाने में एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है। जांच डांगियावास थानाधिकारी जालमसिह के अनुसार आज आरोपी को कोर्ट में पेशकर 3 दिन की पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

4 दैनिक
जलते दीप
जयपुर, सोमवार 20 जनवरी 2020

विकास की घटती रफ्तार

भारत और चीन जैसी बड़ी आबादी वाले देशों में विकास की रफ्तार का कम होना न केवल अफसोस, बल्कि चिंता की बात है। भारत की विकास दर जहां पांच प्रतिशत के आसपास है, वहीं चीन की विकास दर 6.1 प्रतिशत पर आ गिरी है। विकास के मामले में तीन दशक बाद चीन इस हाल में पहुंचा है। इसके दो प्रमुख कारण हैं, पहला यह कि मांग में कमी आई है और दूसरा यह कि अमेरिका के साथ उसका व्यापार युद्ध चल रहा है। हालांकि अमेरिका के साथ व्यापार युद्ध की वजह से चीन को उतना नुकसान नहीं हुआ है, जितना कि चीनी उत्पादों की घटती मांग के कारण हुआ है। यह बात रोचक है कि दुनिया भले ही चीन की घटती विकास दर देखकर चौंकेगी, लेकिन स्वयं चीन के लिए यह बहुत चिंता का विषय नहीं है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की कोशिश रही है कि विकास दर छह प्रतिशत से 6.5 प्रतिशत के बीच रहे। चीनी अर्थव्यवस्था के कर्णधार जानते हैं कि इतनी कम विकास दर से भी उनका काम अच्छी तरह चल जाएगा। विकास को ज्यादा तेज करने की कोशिश में वे किसी तरह की ज्यादती नहीं करना चाहते। इससे पता चलता है कि पिछले वर्षों में अपने प्राकृतिक और मानव संसाधनों के प्रति चीन ज्यादा सजग हुआ है। उसे इसलिए भी ज्यादा चिंता नहीं है, क्योंकि महाशक्ति देश अमेरिका की विकास दर 2.2 प्रतिशत के आसपास है। चीन लगातार अपनी आबादी, व्यापार, निवेश, नवाचार की गुणवत्ता पर काम कर रहा है और उसके दूरगामी लाभ वह देख पा रहा है। यहां बड़ा सवाल है कि क्या भारत भी ऐसा ही दूरगामी लाभ देख पा रहा है? चीन की रफ्तार घट रही है, तो क्या हमारी भी घटनी चाहिए? हमें चीन की घटती विकास दर देखकर सांत्वना का एहसास कतई नहीं करना चाहिए। चीन व भारत के विकास की चिंताएं अलग-अलग हैं। भारत को सात से आठ प्रतिशत की दर से विकसित होना चाहिए। अभी ज्यादा समय नहीं बीता है, जुलाई 2018 में विकास दर आठ प्रतिशत तक पहुंच गई थी, पर तब से लगातार गिर रही है। अभी जो विकास दर है, उससे 2024-25 तक हम साढ़े तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था भी नहीं बन पाएंगे। 2024-25 तक पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देने का दावा किया गया था, पर विकास दर यही रही, तो हम शायद 2034 में पांच ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी वाले देश होंगे। गौर कीजिए, चीन में 14 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा, तो अमेरिका में 21 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की अर्थव्यवस्था है, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था अभी 2.94 ट्रिलियन डॉलर की है। चीन से आए आंकड़ों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि हम चीन की वर्तमान गति से भी विकास क्यों नहीं कर पा रहे हैं? आज दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं-अमेरिका, चीन और भारत को मिलकर काम करना होगा। परस्पर सहयोग से ही विकास की रफ्तार तेज होगी। सर्वाधिक जिम्मेदारी अमेरिका पर है कि वह नए दौर में न केवल भारत के साथ व्यापार समझौता करे, बल्कि चीन को साथ लेकर चले।

अवैध शराब मामला

जब भी प्रदेश में कोई चुनाव होता है तो अवैध शराब निर्माण और अवैध शराब तस्करी बढ जाती हैं। इन दिनों प्रदेश में पंचायती राज चुनाव हो रहे हैं, सो चुनावों में शराब की सप्लाई करने के लिए एक और अवैध शराब बनाई जा रही है तो दूसरी ओर अवैध शराब तस्करी भी की जा रही है। सरकार भले ही कितनी ही सख्ती क्यों न दरसाए, अवैध शराब बनाने वाले और तस्करी करने वाले रूकने वाले नहीं। ज्यों ही उन्हीं मौका मिलता है, वे अपनी अवैध गतिविधियों पर उतर आते हैं। छापे पड़ने और पकड़े जाने के डर के बावजूद वे रूकते नहीं है, उनके हौसले पस्त नहीं होते हैं। दरअसल अवैध शराब निर्माण और अवैध शराब तस्करी से उन्हें जबरदस्त फायदा होता है, इसलिए पकड़े जाने पर भी इन्हें कोई खास नुकसान नहीं होता। हाल सालासर थाना पुलिस ने राजियासर मीठा गांव में खेत की ढाणी में दाबिश दी और नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश किया। आबकारी पुलिस ने नकली शराब भरने के लिए 18360 खाली पव्वे, 72 बोतल पार्टी स्पेशल शराब, 200 लीटर प्लास्टिक का ड्रम, 150 लीटर स्प्रिट के तीन जरीकेन बरामद किए। इनके अलावा मेक्डोवल के रेट लेबल 480, मेक्डोबल एक्सएक्सएक्स रम के रेट लेबल 2 बंडल, मेक्डोवल ऑफिसर च्वाइस के 1600 लेबल बरामद किए। दूसरी ओर 500 ढक्कन, इम्पैक्ट ग्रीन व्हिस्की की 40 खाली बोतलें, ऑफिसर च्वाइस के 160 खाली पव्वे, इम्पीरियल ब्लू व्हिस्की के 200 खाली पव्वे बरामद किए। बरामद किये गए सामान से करीब 6 लाख रूपये की शराब बनाई जा सकती थी। पंचायत चुनाव आते ही हरियाणवै से धड़ल्ले से अवैध शराब प्रदेश में आने लग गई। हरियाणा की देशी व अंग्रेजी शराब अवैध रूप से रोजाना 15 से 20 गाडियां भरकर आ रही है। आबकारी विभाग और राजस्थान पुलिस की शिथिलता के कारण मजे अवैध शराब प्रदेश में लाई जा रही है। पिकअप,कार से लेकर बाइक तक पर शराब पेटियां हरियाणा से प्रदेश के सीकर जिले के आस पास के गांवों में लाई जा रही है। इन गाडियों को कोई रोकने टोकने वाला नहीं है। हरियाणा से राजस्थान का बॉर्डर पार कर पाटन, नीमकाथाना, कोटपूतली, खंडेला, रोंगस, जयपुर ग्रामीण अर जयपुर शहर तक में अवैध शराब सप्लाई की जा रही है। पंचायत चुनावों के चलते अवैध शराब की बिक्री जोरों पर चल रही है। निराशाजनक यह है कि बॉर्डर पर पुलिसकर्मी मौजूद नहीं, जो कि हरियाणा से लाई जा रही अवैध शराब को रोक सके। कुल मिलाकर अवैध शराब निर्माण और अवैध शराब तस्करी को रोकने के लिए आबकारी विभाग और पुलिस विभाग का प्रभावी होना अत्यंत आवश्यक है। तभी इन पर अंकुश लग सकता है।

।। दसवां वेद ।।

-जुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8769. हुवै चौगणो मान

जग में इधको मान, पावै फूल सुगंध सूं।
हुवै चौगणो मान, मंगळ गुण सूं रूप रो।।

दुनिया में फूल अपनी सुगंध के कारण अधिक मान प्राप्त करता है। इसी प्रकार मनुष्य के रूप का चौगुना मान उसके गुण से होता है। अतः गुणवान बनना चाहिए।

(गतांक से आगे) भोजन के समय रूपसेन ने परोसे हुए चावलों को हाथमें लेकर सूंघा और कहा कि जिस खेत में ये चावल उत्पन्न हुए हैं, वहां गर्मी के मौसम में एक ऊंट मर गया था। उसी के कारण ये चावल रोग विकार वाले हैं। तब राजा ने इस बात को जानने के लिए उस खेत के स्वामी को बुलवाया। जब खेत का स्वामी आ गया तो राजा उसके खेत में ऊंट के मरने की बात पूछी। खेत के स्वामी ने कहा कि हां, गर्मी के मौसम में ऊंट मरा था। इस प्रकार रूपसेन की भी परीक्षा हो गई। वह भी अपने गुण में खरा उतरा। थोड़े दिनों बाद राजा ने चंद्रसेन का शय्या-कौशल जानने के लिए पूछा कि इस पलंग बिछौने पर सोने पर मुझे नींद का सही आनंद नहीं मिलता। शरीर को भी क्लेश होता है और बुरे सपने भी आते हैं। इसका क्या कारण है? चंद्रसेन ने कहा कि इसका कारण तो मैं इस पर सोकर ही बतला सकता हूं। राजा की आज्ञा से वह उस पर सोया जल्दी ही उठकर बाहर आया। बाहर आकर वह कहने लगा कि महाराज, इस पलंग में काष्ठ का दोष है। फिर उसने काष्ठ के गुण दोष बतलाए और बिछौने के संबंध में कहा कि इसकी रूई में सूअर का बाल है, उसी के कारण सोने का सही आनंद नहीं मिलता। मैं तो इसपर क्षण भर भी नींद नहीं ले सका। राजा ने काष्ठ के बारे में सुथार को बुलाकर पूछा और बिछौने को खुलवाकर रूई को जांचा। रूई में उसने एक छोटा सा बाल देखा। इस प्रकार चंद्रसेन के गुण की भी परीक्षा हो गई। अब नर लक्षण परीक्षक गुणरत्न की बारी थी। राजा ने उससे कहा कि मेरी रानी मुझे प्राणों से भी अधिक प्रिय है। लेकिन वह हर वर्ष प्रसविनी होतीहै, जिससे मेरे सुख में विशेप होता है, इसका क्या कारण है? गुणरत्न ने कहा कि राजन, आप मेरे पिता और रानीजी मेरी माता हैं। लेकिन परीक्षा के लिए एक बार उन्हें श्रृंगार करवाकर रात्रि को मेरे पास भेजें, तब मैं इसका सही कारण बता सकूंगा। राजा ने कौतुकवश रानी को उसके पास भेजा। उसे आती हुई देखकर वह तुरंत त्रस्त होकर बाहर निकला और राजा से कहा कि महाराज, रानीजी की मां शिशुकाल में मरगई थी और इनका बकरी के दूध से पालण पोषण हुआ है। इसी कारण से ये हर वर्ष प्रसविनी होती हैं। इनके मुख की गंध से ही मुझे ज्ञात हो गया। तब राजा ने रानी के पीहर में इस बात को पुछवाया। गुणरत्न की कही बात सही निकली। राजा उससे भी बड़ा प्रसन्न हुआ।

उत्पादन क्षेत्र में तेजी सुधारेगी आर्थिकी

- जयश्री सेनगुप्ता

देश की अर्थव्यवस्था के सामने आज जो गंभीर समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, लगता है उनको सुलझाने में सरकार को जल्दी नहीं है। विश्व बैंक ने वर्ष 2020-21 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर घटाकर 5 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान लगाया है। सरकार के केंद्रीय सांख्यिकी विभाग ने भी मौजूदा वित्तीय वर्ष की संभावित वृद्धि दर को 5 प्रतिशत ही बताया है, जो कि पिछले 11 सालों में सबसे कम होगी। लेकिन सरकार है कि उसके पास मगर मंद गति से उबरने की कोई ठोस योजना दिखाई नहीं दे रही है।

पिछले कुछ सालों से यह उपभोक्ता की मांग ही थी जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गतिमान पहियों का काम कर रही थी। परंतु अचानक एक साल से कुछ अधिक वक्त से हम इनको थमा हुआ देख रहे हैं। यह सरकार द्वारा किया जाने वाला खर्च है जो फिलहाल देश की अर्थव्यवस्था को चला रहा है। आखिर उपभोक्ता ने यकायक अपने खर्चों को क्यूं रोक लिया? यहां तक कि पिछले दिनों त्योहारों पर भारी भरकम रियायतों की घोषणाओं के बावजूद बिक्री अपेक्षा के मुताबिक नहीं रही है। भविष्य कैसा होगा, इसकी झलक दिख रही है। जब अर्थव्यवस्था में तेजी हो और साथ ही बेरोजगारी दर कम हो तो ऐसे में उपभोक्ता का आत्मविश्वास बढ़ता है और लोग खुशी से खुद पर और अपने परिवार के लिए खरीदारी करते हैं।

उपभोक्ता-विश्वास पर कई सर्वेक्षण हुए हैं। इनमें एक, भारतीय अर्थव्यस्था निगरानी केंद्र नामक संस्था के अनुसार पिछले महीनों में लोग खरीदारी पर खर्च करने को इच्छुक नहीं हैं। अधिकांश लोगों को खुद पर आश्रित बुजुर्गों या बेरोजगार पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेवारी भी उठानी होती है। फिर उन्हें बच्चों की स्कूली और ट्यूशन फीस की चिंता सताती है, तिस पर निजी स्कूलों की फीस में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। लोगों को गंभीर बीमारी की दशा में इलाज के महंगेपन की चिंता भी सालती है। उन्हें यह भी डर है कि यदि भविष्य में आमदनी स्रोत के प्रवाह में कमी हुई तो वे अपना मौजूदा जीवनस्तर कायम नहीं रख पाएंगे, लिहाजा उन्होंने अपने तमाम गैरजरूरी खर्चों को रोक रखा है, मसलन नई कार या वाशिंग मशीन इत्यादि लेना। ऊपर से बढ़ती मुद्रास्फीति का स्तर बना हुआ है, पिछले महीनों में सब्जी इत्यादि रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान छू गए हैं।

वहीं निवेशकों ने अपना नया निवेश रोक रखा है क्योंकि वे पहले ही कम मांग की वजह से अनबिके माल के ढेर की समस्या से जूझ रहे हैं, ऊपर से जब उन्हें आगे उपभोक्ता की मांग में बढ़ोतरी होने की आस नजर नहीं आती तो जाहिर है वे उत्पादन के विस्तार को रोकेंगे ही। यह कम होता निवेशङ्कआमदनीङ्कमांग है जो आज भारतीय अर्थव्यवस्था के परिदृश्य पर हावी है। लोगों को आमदनी चाहिए। अगर उत्पादन क्षेत्र में वृद्धि दर ऊंची हो तो ज्यादा लोगों को कारखानों में रोजगार मिलेगा। दुर्भाग्यवश उत्पादन क्षेत्र अधोगति की ओर है और अक्तूबर-नवम्बर (2019) माह में उत्पादन दर में 3.8 प्रतिशत की गिरावट हुई है। केंद्रीय सांख्यिकी संस्थान के मुताबिक उत्पादन क्षेत्र की वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2019-20 में गिरकर 2 प्रतिशत रह जाएगी जो कि पिछले साल 6.9 फीसदी थी। यह स्पष्ट संकेत है कि उत्पादन क्षेत्र अब आर्थिक वृद्धि का अगुआ नहीं रह गया है। सरकार का 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम भी अपेक्षा के अनुरूप चल नहीं पाया है और यही मुख्य वजह है कि उत्पादन क्षेत्र का विकास एक जगह आकर स्थिर हो गया है। हालांकि उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत यह वादा किया गया था कि उत्पादन क्षेत्र में विदेशी निवेशकों को विशेष आर्थिक छूटें, कम लालफीताशाही, बौद्धिक संपदा अधिकार की सुरक्षा, युवा कार्मिक बल, सस्ते वेतनमान और देश के विशाल बाजार का लाभ मिलेगा। बेशक कई बड़े नाम जैसे कि 'एप्पल' और 'शियाओमी' ने भारत स्थित अपने कारखानों में उत्पादन बढ़ाया है और 'सैमसंग' ने विश्व का सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादन कारखाना नई दिल्ली के पास लगाया है (हालांकि कलपुर्जे आयात होते हैं)। वर्ष 2015 में घोषित किए गए वैश्विक 'ग्रीनफील्ड निवेश' का बड़ा हिस्सा भारत को मिला था ('ग्रीनफील्ड निवेश' उसे कहते हैं जो काम मुहैया करवाने वाली या विस्तार करने वाली इकाइयों को या फिर उत्पादन क्षेत्र को दिया जाता है और निवेशकों को इसके वापिस आने की पूरी आस होती है), 'फाइनेंशियल टाइम्स' के आंकड़ों के मुताबिक भारत को उस साल इस मद में 60 बिलियन डॉलर मिले थे। इसके बाद दो वर्ष बाद हालात यह बने कि 2018 में जहां चीन को 107 बिलियन डॉलर तो भारत को 55 बिलियन डॉलर का ग्रीनफील्ड निवेश मिल पाया था। वर्ष 2019 आते स्थिति यहां आन पहुंची कि मार्च माह तक उत्पादन क्षेत्र में परोक्ष विदेशी निवेश घटकर महज 8 बिलियन डॉलर हुआ था।

निवेश में कमी की वजह से 'मेक-इन-इंडिया' कार्यक्रम चल नहीं पाया है। यह आश्चर्यजनक है कि क्योंकि पिछले वर्षों की तुलना में विश्व बैंक के 'व्यापार करने में आसानी' सूचकांक में भारत अपनी स्थिति सुधारते हुए पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंचा है। फिर ऐसा क्यों है कि भारत में विएतनाम और बांग्लादेश के स्तर की उत्पादन वृद्धि दर नहीं बन पाई है? इसका मुख्य कारण बुनियादी ढांचे में कमी है, मसलन सड़कें, बिजली उपलब्धता और जमीन अधिग्रहण की धीमी गति और कड़े श्रम कानून। वहीं हमारे पड़ोसी देशों में वेतनमान कहीं कम तो उत्पादन दर कहीं अधिक है। भारत कभी परोक्ष विदेशी निवेशकों के पसंदीदा गंतव्य होने का खुद पर गर्व किया करता था, अब वह जाता रहा है। जिस तरह रोज-ब-रोज नई राजनीतिक समस्याएं पैदा हो रही हैं, उसके मद्देनजर अधिकांश विदेशी निवेशक और ज्यादा हतोत्साहित होंगे।

इसके अलावा सकल घरेलू उत्पाद में उत्पादन क्षेत्र का योगदान तय किए गए 25 प्रतिशत के लक्ष्य की बजाय 15 फीसदी रहा है। भारत सरकार ने ग्रामीण अंचल में गरीबों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की आर्थिक सहायता देनी शुरू की है लेकिन इससे बाजार-मांग में कोई विशेष बढ़ोतरी नहीं हो पाएगी। अगर 'मेक-इन-इंडिया' ठीक ढंग से चल निकला होता तो गांवों में अनेक खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां, जैम-अचार बनाने वाले धंधों के अलावा हल्के उद्योग भी स्थापित हो सकते थे, जहां ग्रामीण स्त्री-पुरुषों को नौकरियां मिल सकती थीं।

जब आर्थिकी में तेजी से बढ़ोतरी होगी तभी तो लोगबाग भी अपनी नौकरियों के स्थायित्व और आमदनी को लेकर कुछ निश्चिंत होंगे और खर्च करने लगेंगे, अतएव उच्च सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर पाने में असल चाबी उत्पादन क्षेत्र के हाथ में है। हो सकता है वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण आगामी बजट में आयकर में कमी करके औसत उपभोक्ता को राहत पहुंचाएं। इससे मदद मिल भी सकती है और नहीं भी। कॉर्पोरेट करों में की गई हालिया कटौती के बावजूद उद्योगपतियों के बीच वैसी 'उत्साह भावना' नहीं पैदा हो पाई है जिसकी उम्मीद थी। सुचारु बुनियादी ढांचे के जरिए उत्पादन क्षेत्र में बदलाव और कर्मियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाई जा सकती है। आधारभूत तंत्र पर खर्च बढ़ाकर सरकार इस ओर बड़ी सहायता कर सकती है। भले ही आर्थिक घाटा कम करने का ध्येय प्राप्त न हो सके लेकिन जिस तरह के मौजूदा हालात हैं, ऐसे समय में यदि सरकार इस मद में ज्यादा खर्च करे तो यह कतई बेजा नहीं होगा।

विदेश मंत्रालय की चिंता

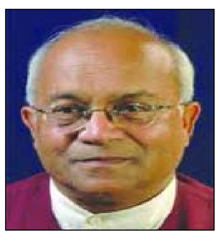

- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

एक ओर हमारी सरकार रायसीना डॉयलाग कर रही है, जिसमें दर्जनों विदेशी नेता दिल्ली आए हुए हैं और दूसरी ओर मलेशिया और श्रीलंका से ऐसी खबरें आ रही हैं, जिनसे हमारे विदेश मंत्रालय की चिंता बढ़ सकती है। मलेशिया के राष्ट्पति महाथिर मुहम्मद कश्मीर, नागरिकता संशोधन कानून और जाकिर नाइक के मामले में साफ-साफ भारत-विरोधी रवैया अपना रहे हैं।

उन्होंने इन तीनों मुद्दों पर न सिर्फ भारत की कड़ी आलोचना की है बल्कि इस्लामी राष्ट्रों का एक वैकल्पिक संगठन खड़ा करने की कोशिश भी की है। इसके जवाब में भारत सरकार मलेशिया को सबक सिखाना चाहती है। वह मलेशिया से खरीदे जानेवाले पाम आइल पर पाबंदी लगाने जा रही है और वह उससे माइक्रोप्रोससरों की खरीद पर भी पुनर्विचार कर रही है। यदि ऐसा हो गया तो भारत-मलेशिया व्यापार जो कि 17 अरब डॉलर का है, आधे से भी कम रह जाएगा। इससे मलेशिया को ज्यादा नुकसान होगा। यह जानते हुए भी 94 वर्षीय महाथिर कह रहे हैं कि घाटे के डर से क्या वे सच बोलना बंद कर दें ? महाथिर के इस तेवर की मैं जितनी तारीफ करुं, उतनी कम है लेकिन उनसे मेरा निवदेन है कि वे 'अपने सच' को अपने तक ही सीमित क्यों न रखें, क्योंकि उक्त तीनों मामले भारत के आंतरिक मामले हैं ? अपने विदेश मंत्रालय से मैं कहूंगा कि वह मलेशिया के खिलाफ बदले की कार्रवाई न करे। बुजुर्गवार महाथिर को अपनी सनक निकालने दे। उससे भारत का कुछ बिगड़नेवाला नहीं है। उससे ज्यादा चिंता की बात यह है कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी कल कोलंबो में थे और उन्होंने वहां बड़ा ही विचित्र-सा बयान दे डाला। उन्होंने कहा, भारत का नाम लिये बिना, कि ''चीन किसी भी देश को श्रीलंका के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करने देगा।'' अब श्रीलंकाई राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्ष शीघ्र ही चीन-यात्रा भी करेंगे। चीन ने श्रीलंका में तरह-तरह के निर्माण-कार्य हाथ में ले रखे हैं और उसके प्रसिद्ध सामरिक बंदरगाह हंबनतोता को 99 वर्ष की लीज़ पर अपने कब्जे में ले रखा है। राजपक्ष नवंबर में भारत आए थे। तब उन्होंने काफी अच्छी-अच्छी बातें की थीं लेकिन ऐसा लगता है कि वे अब अपने भाई और पूर्व राष्ट्पति के पद-चिंहों पर चल पड़े हैं।

नया गठजोड़ और चुनौतियां

- संजीव पांडेय

पिछले महीने मलेशिया में इस्लामिक देशों के सम्मेलन से सऊदी अरब के साथ-साथ चीन और अमेरिका सहित कई बड़ी ताकतों की नींद उड़ गई है। मलेशिया में हुए इस सम्मेलन में सऊदी अरब के तीन घोर विरोधी देशों- कतर, ईरान और तुर्की की सक्रियता ने उसके समक्ष एक चुनौती पेश कर दी है। हालांकि इस बैठक में इस्लामिक दुनिया से संबंधित कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से दूरी बनाई गई, लेकिन सऊदी अरब को साफ संकेत भेजा गया कि उसके नेतृत्व वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआइसी) के कामकाज से कई देश खुश नहीं हैं। इस सम्मेलन का असर अब दिखने लगा है। इसके बाद ही ईरान के सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी अमेरिकी हमले में मारे गए। उधर, पाकिस्तान इस बैठक के बाद नए 'इस्लामिक ब्लॉक' का भय दिखा कर सबसे ज्यादा लाभ उठाने के लिए सक्रिय हो गया है। पाकिस्तान अपनी कुछ शर्तों पर सऊदी अरब से बातचीत कर रहा है। भारत की चिंता यह है कि नए इस्लामिक गुट के दबाव में सऊदी अरब के साथ बढ़ रही दोस्ती प्रभावित हो सकती है।

फिलहाल इस्लामिक देशों की आपसी राजनीति पर इस सम्मेलन का असर पड़ना लाजिमी है। इस्लामिक देशों के नए गुट के गठन से सऊदी अरब डरा हुआ है। यह समूह भविष्य में ओआइसी के लिए चुनौती बन कर खड़ा होगा। ओआइसी का गठन 1959 में हुआ था। इस संगठन पर सऊदी अरब सबसे ज्यादा हावी है। लेकिन अब कई इस्लामिक देश दबी जुबान में सऊदी अरब के दबदबे के खिलाफ बोलने लगे हैं। ऐसे कई देशों का कहना है कि सऊदी अरब और उसके कुछ खास सहयोगी देश व्यापारिक हितों के लोभ में दुनिया भर के मुसलमानों की समस्या को ओआइसी के मंच से नहीं उठने नहीं देते हैं। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं है कि सऊदी अरब समेत कई इस्लामिक देशों के व्यापारिक हित चीन और भारत के तेल बाजार से जुड़े हैं। चीन और भारत सऊदी अरब के लिए बड़े तेल बाजार हैं। चीन अकेले प्रतिदिन पंद्रह लाख बैरल तेल सऊदी अरब से आयात करता है। भारत प्रतिदिन चालीस लाख बैरल तेल का आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा सऊदी अरब से आता है। ऐसे में दुनिया के दो बड़े तेल बाजार सऊदी अरब किसी कीमत पर नहीं खोना चाहेगा। दरअसल, इस समय पश्चिम से लेकर मध्य एशिया तक तुर्की और ईरान के अपने हित हैं। ईरान का विरोध सुन्नी सऊदी अरब के साथ ऐतिहासिक है। वहीं, तुर्की सऊदी अरब के राजपरिवार को हमेशा चुनौती देता रहा है। तुर्की अफ्रीका से लेकर एशियाई इस्लामिक देशों की गुपचुप मदद करता आया है। दूसरी ओर, तुर्की कुछ इस्लामिक देशों के राजपरिवारों से हमेशा नाराज चलता आया है। कतर को भी राजपरिवारों द्वारा शासित कुछ इस्लामिक देश शक की नजर से देखते हैं। उन्हें शक यह है कि कतर भी मुसलिम ब्रदरहुड को मदद देता है। कतर से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के राजपरिवारों की नाराजगी इसी कारण है। सऊदी अरब के पत्रकार जमाल खाशोगी की तुर्की में हत्या के बाद सऊदी अरब और तुर्की के संबंध खासे खराब हो गए हैं। तुर्की के इसके लिए सीधे सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को आरोपी मानता है।

सऊदी अरब को कतर-तुर्की-ईरान के त्रिगुट से परेशानी भी है और नाराजगी भी, क्योंकि इन तीन देशों ने मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे इस्लामिक देशों को भी सऊदी अरब के गुट के खिलाफ लामबंद कर दिया है। हालांकि इंडोनेशिया को सऊदी अरब ने अपने व्यापारिक रिश्तों और निवेश का हवाला देकर कुछ हद तक मना लिया है, लेकिन मलेशिया पूरी तरह से इस्लामिक देशों के नए समूह को लेकर सक्रिय है। यही कारण है कि मलेशिया में आयोजित बैठक के बाद सऊदी अरब को यह अंदाज हो गया है कि उसके नेतृत्व को अरब जगत में भविष्य में और भारी चुनौती मिलेगी। सऊदी अरब ने मलेशिया में आयोजित इस्लामिक देशों की बैठक को विफल करने की पूरी कोशिश की थी। उसे इसमें आंशिक सफलता तब मिली, जब उसने पाकिस्तान को बैठक में शामिल नहीं होने के लिए राजी कर लिया। पश्चिम एशिया और मध्य एशिया की भू-राजनीति में पाकिस्तान की दखलदांजी लंबे समय से रही है। इसका मुख्य कारण पाकिस्तान की सैन्य ताकत है। मलेशिया की बैठक में शामिल नहीं होने के लिए पाकिस्तान सऊदी अरब के आग्रह को मान गया। हालांकि विशेषज्ञों को आश्चर्य इस बात पर है कि कश्मीर के मुद्दे पर पिछले कुछ समय में पाकिस्तान के साथ खुल कर मलेशिया और तुर्की आए हैं। यही नहीं, पाकिस्तान लगातार दबी जुबान से कहता रहा है कि सऊदी अरब वैश्विक मुसलिम हितों की बलि चढ़ा रहा है, क्योंकि उसके व्यापारिक हित भारत जैसे मुल्कों के साथ जुड़े है।

बताया जाता है कि मलेशिया में आयोजित होने वाले बैठक के पीछे पाकिस्तान का भी दिमाग था। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान मलेशिया, पाकिस्तान और तुर्की के बीच इस्लामिक देशों की बैठक आयोजित करने के लिए सहमति बनी थी। लेकिन बैठक के आयोजन के ठीक पहले पाकिस्तान सऊदी अरब के दबाव में बैठक में शामिल होने से पीछे हट गया। पाकिस्तान बैठक से क्यों पीछे हटा, इसका खुलासा तुर्की के राष्ट्रपति तैयब एर्दोगन ने किया। एर्दोगन के मुताबिक सऊदी अरब ने पाकिस्तान को आर्थिक सहयोग बंद करने और उसके यहां रह रहे चालीस लाख पाकिस्तानी कामगारों को वापस भेजने की धमकी दी थी। सऊदी अरब में कार्यरत पाकिस्तानी कामगारों से पाकिस्तान को अरबों डॉलर सालाना की आय होती है। यही नहीं, सऊदी अरब ने पाकिस्तान को यह भी धमकी दी थी कि वह स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में मौजूद अपने अरबों डॉलर निकाल लेगा। लेकिन मलेशिया बैठक के मामले में पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ एक सौदा किया। पाकिस्तान की नाराजगी यह थी कि सऊदी अरब भारत के साथ अपने व्यापारिक हितों की आड़ में कश्मीर के मसले पर पाकिस्तान के साथ नहीं खड़ा हुआ। सऊदी अरब ने पाकिस्तान की इस नाराजगी को दूर किया है। पाकिस्तान गए सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैजल ने पाकिस्तान से वादा किया है कि जल्द ही कश्मीर को लेकर ओआइसी के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई जाएगी। पाकिस्तान इसे अपनी जीत के तौर पर देख रहा है। हालांकि पाकिस्तान कश्मीर को लेकर तो हमेशा उग्र रहा है, लेकिन चीन में उइगुर मुसलमानों के उत्पीड़न पर चुप्पी साधे रहता है। इसके पीछे कारण यह है कि पाकिस्तान में बन रहे चीन-पाक आर्थिक गलियारे में चीन ने साठ अरब डॉलर का निवेश किया है। लेकिन सिर्फ पाकिस्तान के स्वार्थ की क्यों बात करें? सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश चीन के तेल बाजार को खोना नहीं चाहते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक देश इस समय चीन है। मलेशिया की बैठक और ईरानी सैन्य कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत को जोड़ कर भी देखा जा रहा है। दरअसल, मलेशिया में इस्लामिक देशों की बैठक से इजराइल जैसे देश भी परेशान हैं। पिछले कुछ वर्षों में इजराइल और सऊदी अरब के रिश्ते बेहतर हुए हैं। इस कारण इजराइल कतई नहीं चाहेगा कि इस्लामिक देशों का कोई नया गुट खड़ा हो और उसकी परेशानी बढ़ा दे। सऊदी अरब के खिलाफ इजराइल अब उग्र नहीं है। सऊदी अरब पर कई इस्लामिक देश लगातार आरोप लगा रहे हैं कि फिलस्तीन के मसले पर सऊदी अरब और इजराइल के बीच अंदरखाने समझौता हो गया है। यह भी एक सच्चाई है कि कासिम सुलेमानी और हमास के संबंध काफी मधुर रहे हैं और सुलेमानी ने हमास की खूब मदद की है।

ऐसे होते हैं गणेश जी प्रसन्न

सांसारिक कामनाएं इस संसार में आए प्रत्येक व्यक्ति को होती हैं। कई कामनाओं का संबंध मूल आवश्यकता से होता है। इसी इच्छापूर्ति की प्राप्ति के लिए व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार प्रयास करता है। लेकिन भौतिक प्रयत्न से भी फल नहीं मिलने पर आशा ईश्वरीय चमत्कार की ओर जाती है। जिसकी प्राप्ति तभी संभव होती है जब आपेक्षक सविधि कोई अनुष्ठान करता है। इसमें गणेशजी की साधना शीघ्र फलदायी है। इनके अनेक प्रयोग में उनको प्रिय दूर्वा के चढ़ाने की पूजा शीघ्र फलदायी और सरलतम है। इसे किसी भी शुभ दिन प्रारंभ करना चाहिए। इसे गणेशजी की प्रतिष्ठित प्रतिमा पर करें। इक्कीस दूर्वा लेकर इन नाम मंत्र द्वारा गणेशजी को गंध, अक्षत, पुष्प, धूप, दीप व नैवेद्य अर्पण करके एक-एक नाम पर दो-दो दूर्वा चढ़ाना चाहिए। यह क्रम प्रतिदिन जारी रखने एवं नियमित समय पर करने से जो आप चाहते हैं उसकी प्रार्थना गणेशजी से करते रहने पर वह शीघ्र पूर्ण हो जाती है। इसमें इस प्रयोग के अतिरिक्त विघ्ननायक पर श्रद्धा व विश्वास रखना चाहिए।

गणेशजी की कृपा में ये सहायक हैं: लाल व सिंदूरी रंग प्रिय है। दूर्वा के प्रति विशेष लगाव है। चूहा इनका वाहन है। बैठे रहना इनकी आदत है। लिखने में इनकी विशेषज्ञता है। पूर्व दिशा अच्छी लगती है। लाल रंग के पुष्प से शीघ्र खुश होते हैं। प्रथम स्मरण से कार्य को निर्विघ्न संपन्न करते हैं। दक्षिण दिशा की ओर मुंह करना पसंद नहीं है। चतुर्थी तिथि इनकी प्रिय तिथि है। स्वस्तिक इनका चिन्ह है। सिंदूर व शुद्ध घी की मालिश इनको प्रसन्न करती है। गृहस्थाश्रम के लिए ये आदर्श देवता हैं। कामना को शीघ्र पूर्ण कर देते हैं।

सत्य वचन

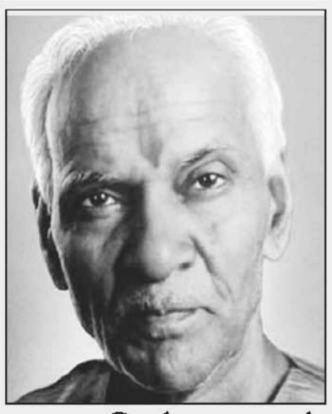

हम विवेक को जाग्रत करें

-पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

मानव होने के नाते हमारा यह प्राथमिक कर्त्तव्य- है कि हम विवेक को जाग्रत करें और उसकी आवाज को सुनना सीखें। संसार के छोटे से छोटे और बड़े से बड़े सभी मनुष्य इसकी कृपा के लिए लालायित रहते हैं । इससे हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि मनुष्य के लिए अपने विवेक की सदैव रक्षा करना परमावश्यक है । किसी स्वार्थ के लिए भी विवेक की हत्या करने से उसका कुफल भोगना पड़ता है । चाहे वैयक्तिक विषय हो और चाहे सामाजिक, चाहे राजनीतिक समस्या हो अथवा धार्मिक, हम को विवेक युक्त निर्णय का सदैव ध्यान रखना चाहिए। लकीर के फकीर बन जाने या 'बाबा वाक्य प्रमाण' मान लेने से मनुष्य की बुद्धि कुंठित हो जाती है और वह गलत मार्ग पर चलने लग जाता है । इसलिए प्राचीन या नवीन कोई भी विषय हो, हमको उसका निर्णय उचित-अनुचित,सत्य-असत्य का पूर्ण विचार करके ही करना चाहिए ।

पंडित बनो

पंडित शब्द बड़ा गरिमापूर्ण है। प्राचीन साहित्य में यह शब्द अनेक संदर्भों में प्रयुक्त किया गया है। आचार्य हेमचंन्द्र ने अभिधानचिन्तामणि में विद्वान शब्द के पर्यायवाची शब्दों में पंडित शब्द का प्रयोग किया गया है। इसलिए जो संस्कृत भाषा में विद्वान होते हैं उन्हें पंडितजी कहा गया है। जो ज्योतिष के जानकार होते है, मुहूर्त आदि बनाते है हैं, कुंडली आदि देखते हैं वे पंडितजी कहलाते हैं। संस्कृत व्याकरण के अनुसार विचार करें तो पंडित शब्द की व्युत्पत्ति बनती है पंडा संजाता अस्य स पंडितः अर्थात् जिसमें पंडा पैदा हो गई वह पंडित है। पंडित शब्द का एक अन्य अर्थ भी किया गया जिसमें अहिंसा और प्रेम पैदा हो गया वह पंडित है।

पढ़-पढ़ पोथा जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।।

पुस्तकों को अनेक लोगों ने पढ़ लिया पर पंडित न बन सके। जिसने ज्यादा पुस्तकें नहीं पढ़ी परंतु 'प्रेम' इन ढाई अक्षरों को पढ़ लिया, जीवन में उतार लिय वह व्यक्ति पंडित बन जाता है। जैन वाड्.मय में तीन शब्दों का प्रयोग किया जाता है बाल, पंडित और बाल-पंडित। जिस व्यक्ति में संयम नहीं है, विरक्ति नहीं है, त्याग नहीं है उस व्यक्ति को बाल कहा गया। तत्त्वविद्या की भाषा में गुणस्थान तक के जो जीव हैं वे सभी बाल संज्ञा से अभिहित किए हैं। जिसमें विरक्ति है, संयम है और सर्व सावद्य योग का त्याग है, वह पंडित है। इसका तात्पर्यार्थ है कि साधु ज्यादा विद्वान नहीं है तो भी पंडित है। तीसरा शब्द है बाल-पंडित। जिसमें व्रत भी है, अव्रत भी है उस पंचम गुणस्थानधारी व्यक्ति को बाल-पंडित संज्ञा से अभिहित किया गया है। जैन वाड्.मय में पंडित शब्द संयम के साथ जुड़ा हुआ है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी पंडित शब्द का प्रयोग प्राप्त होता है। वहां जो पंडित शब्द की परिभाषा दी गई है वह जैन वाड्.मय से काफी मिलती जुलती है। गीता में कहा गया

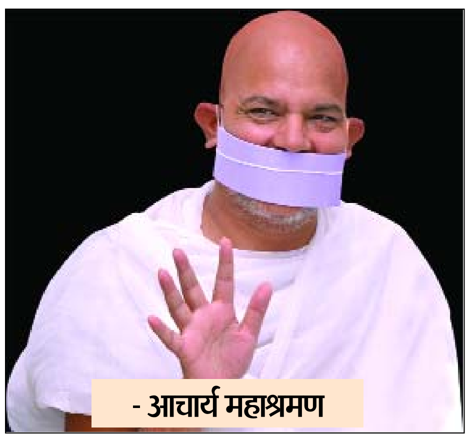

- आचार्य महाश्रमण

यस्य सर्वे समारम्भाः कामसं कल्पवर्जिताः।
ज्ञानाग्निदग्धकर्माणं तमाहु:पण्डित
बुधा।।4/98।।

जिसके संपूर्ण शास्त्रसम्मत कर्म बिना कामना और संकल्प के होते है तथा जिसके समस्त कर्म ज्ञानरूप अग्नि के द्वारा भस्म हो गए हैं, उस महापुरूष को ज्ञानीजन भी पंडित कहते है।

आदमी प्रवृति करता है। शरीरधारी को प्रायः प्रवृति करनी होती है। जिसकी प्रवृति लालसा से और कामना के संकल्पों से मुक्त होती है वह काम संकल्पवर्जित समारम्भ वाली प्रवृति होती है। हम लोग व्याख्यान देते हैं। इसमें कोई कामना नहीं है। न धन्यवाद की, न प्रशंसा की और न यशप्राप्ति की। हम निर्जरा के लिए और श्रोताओं पर एक आध्यात्मिक उपकार करने के लिए व्याख्यान देते हैं। तत्त्वार्थ सूत्र की संबंधकारिका में कहा गया कि प्रवचन देने वाले को अवश्य लाभ होता है। श्रोता का ध्यान सुनने में नहीं हैं परंतु वक्ता यदि उपकार की भावना से, अनुग्रह की भावना से वक्तव्य दे रहा है तो वक्ता को निर्जरा के साथ पुण्य का लाभ अवश्य प्राप्त होगा। यद्यपि पुण्य का लाभ गौण है, मुख्य तो निर्जरा है, जो आत्मा का कल्याण करने वाली है। निर्जरा का लाभ वक्ता को अवश्य मिलता है।

वक्ता में मात्र निर्जरा की भावना और उपकार की भावना है तो उसकी वह प्रवृति कामसंकलपवर्जित मानी जाती है। आदमी किसी की सेवा करता है। यदि सेवा में भी निष्काम भावना, निर्जरा की भावना, कर्त्तव्य निर्वाह की भावना है तथा कोई कामना नहीं है तो वह कामसंकल्पवर्जित शुद्ध प्रवृति है। मोह कर्म को काटने वाला अथवा घाती कर्मों को नष्ट करने वाला व्यक्ति विद्वानों की दृष्टि में पंडित है। हम जैन वाड्.मय की भाषा में देखें तो जिसमें त्याग, संयम है वह पंडित है। पंडित बनने के लिए कामना को छोड़ने की अपेक्षा होती है और कामना को छोड़ने के लिए अभ्यास भी करना होता है। गृहस्थ के मन में भी कामना रहती है और कभी-कभी साधु संन्यासी के मन में भी छद्मस्थता के कारण कामनाएं रह जाती हैं परंतु साधक का लक्ष्य होना चाहिए कि मैं कामना से मुक्त बनूं, निष्काम बनूं। यदि कामना है तो वह भी पवित्र हो। निर्जरा की कामना, विशुद्ध सेवा करने की कामना, ज्ञानाराधना की कामना दर्शनाराधना की कामना, चरित्राराधना की कामना हो। भौतिक कामनाएं मन में न रहे। इस प्रकार का चिंतन करने से आदमी कामना के जंजाल से मुक्त हो सकता है। पवित्र कामनाओं का अभ्यास तथा भौतिक कामनाओं से मुक्ति की अभिलाषा साधना का महत्वपूर्ण मार्ग है। अनुप्रेक्षा और चिंतन और चिंतन साधना में बहुत उपयोगी है। हम आत्मदर्शन करें और संकल्प करें कि हमें कामनाओं को कम करना है। हर सामान्य आमदी के भीतर कामना होती है। जो उसे छोड़ना है, संकल्पों को छोड़ता है वह व्यक्ति पंडित कहलाने का अधिकारी हो जाता है। कामना की पूर्ति न होने पर क्रोध आदि आवेग भी आ जाता है। आक्रोश को छोड़ना भी एक प्रकार से वीतरागता की दिश में आगे बढ़ना है। कोई भी बात यदि तरीके से कह दी जाए तो गुस्से के बिना भी काम हो जाता है।

बादशाह अकबर और बीरबल बैठे थे। बीरबल के साथ बादशाह विनोद भी कर लेते। बादशाह ने कहा बीरबल! कल रात को मैने एक सपना देखा।

बीरबल जहाँपनाह। आपने सपने में क्या देखा? बादशाह मैंने देखा कि हम दोनों सवेरे घूमने के लिए निकले। थोड़ा अंधेरा था। हम दोनों बातों में मस्त थे। एक गली आई। उस गली में दो गढ्ढे थे। एक गड्ढा कीचड़ से भरा था और बातों में मशगूल होने के कारण हम दोनों गड्ढों में गिर गए। तुम तो कीचड़ वाले गिरे और मैं अमृत वाले गड्ढे में गिरा। यह कहकर बादशाह ने बीरबल की हल्की लगाने की चेष्टा की।

बादशाह की बात सुनकर बीरबल ने गुस्सा नहीं किया। क्योंकि आदमी छोटों पर तो गुस्सा कर सकता है पर बड़ों के सामने गुस्सा करना कठिन होता है। बीरबल समझदार भी था इसलिए गुस्सा नहीं किया।

बीरबल ने कहा जहांपनाह। आपने बिलकुल ठीक बताया है। संयोग की बात, मैंने भी कल रात को यही सपना देखा। यह हमारे तादात्म्य का एक प्रमाण है कि जो सपना आपने देखा वही सपना मैंने देखा परंतु जहांपनाह! लगता है आपकी नींद जल्दी टूट गई और सपना अधूरा रह गया। मैंने पूरा सपना देखा।

बादशाह ने पूछा अच्छा। तुमने आगे क्या देखा? जब बादशाह सुनने के लिए उत्सुक हो गया तब बीरबल बोला मैंने आगे देखा कि हम दोनों जैसे-तैसे चेष्टा करके उन गड्ढों से बाहर निकल गए। मैं तो कीचड़ से लथपथ था और आप अमृत से सने हुए थे। हम दोनों बड़े प्रेम से गले मिले। आप मुझे चाटने लगे और मैं आपको चाटने लगा। हमारे जीवन में कभी-कभी कड़ी बात कहने का भी अवसर आता है। बात का स्पष्टीकरण करने का अवसर भी आता है तब हम बड़े स्नेह भाव से एसी बात कह दें कि साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। हमारा काम भी हो जाए और हमें गुस्सा भी न करना पड़े। बुद्धिमान लोगों की बुद्धिमत्ता का एक प्रमाण यही है कि वे गुस्सा नहीं करें और कहने की बात मौके पर कह दें। हमारे भीतर ज्ञान की दृष्टि से भी पांडित्य का विकास हो। उससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है कि साधना की दृष्टि से, संयम की दृष्टि से, वृत्ति की दृष्टि से भी हमारे भीतर पांडित्य का विकास होना चाहिए। ज्ञान में मन लगाना, ज्ञान में समय लगाना, ज्ञान में श्रम लगाना भी एक तपस्या है। जो हमारे चित्त को मैत्री और अहिंसा की भावना से सुवासित कर दे वह ज्ञान है। गीता में जिस ज्ञान की बात आई है वह भी आत्मविद्या के संदर्भ में है, आध्यात्म विद्या के संदर्भ में है।

आध्यात्मिक ज्ञान हमारे कर्मों को जला डालने में सफल हो सकता है। कर्मों में विशेषतः मोहनीय कर्म से युद्ध में ज्ञान अग्न्यास्त्र की भांति कारगर है। विद्यालयों में हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित आदि का ज्ञान कराया जाता है। वह लौकिक ज्ञान है। आदमी के लिए लौकिक विद्या की भी उपयोगिता है तो अलौकिक विद्या या अध्यात्म विद्या भी आवश्यक है। साधना के लिए लौकिक विद्या की भी उपयोगिता है तो अलौकिक विद्या या अध्यात्म विद्या भी आवश्यक है। साधना के लिए और जीवन-यापन के लिए भी अलौकिक और अध्यात्म विद्या का ज्ञान अपेक्षित होता है। जो आदमी अज्ञान से आवृत चेतना वाला है वह अभागा है। जिसकी चेतना में ज्ञान का आवरण काफी कम हो गया या ज्ञानावरणीय कर्म का क्षयोपशम हो गया वह आदमी सौभागी होता है। दो मार्ग हैं मोह का मार्ग और मोक्ष का मार्ग। दोनों बिल्कुल विपरीत हैं। मोह का मार्ग दुःखों में ले जाने वाला है और मोक्ष का मार्ग परमसुख दिलाने वाला होता है। मोह सघन न हो जाए इसलिए मोह में छेद करने का प्रयास हो। वह छेद करने का प्रयास है धर्म की साधना, अध्यात्म की साधना और पांडित्य की उजागर करने की साधना। श्रीमद्भगवतद्गीता तथा जैन वाड्.मय में पंडित शब्द का जो आध्यान किया गया वह मोह को कम करने की साधना का निदर्शन है। विरति, कमासंकल्पवर्जित अवस्था पाप कर्मों को नष्ट करने का मार्ग है। यही पांडित्य का सम्यक् अवबोध है।

भक्ति में ही शक्ति है

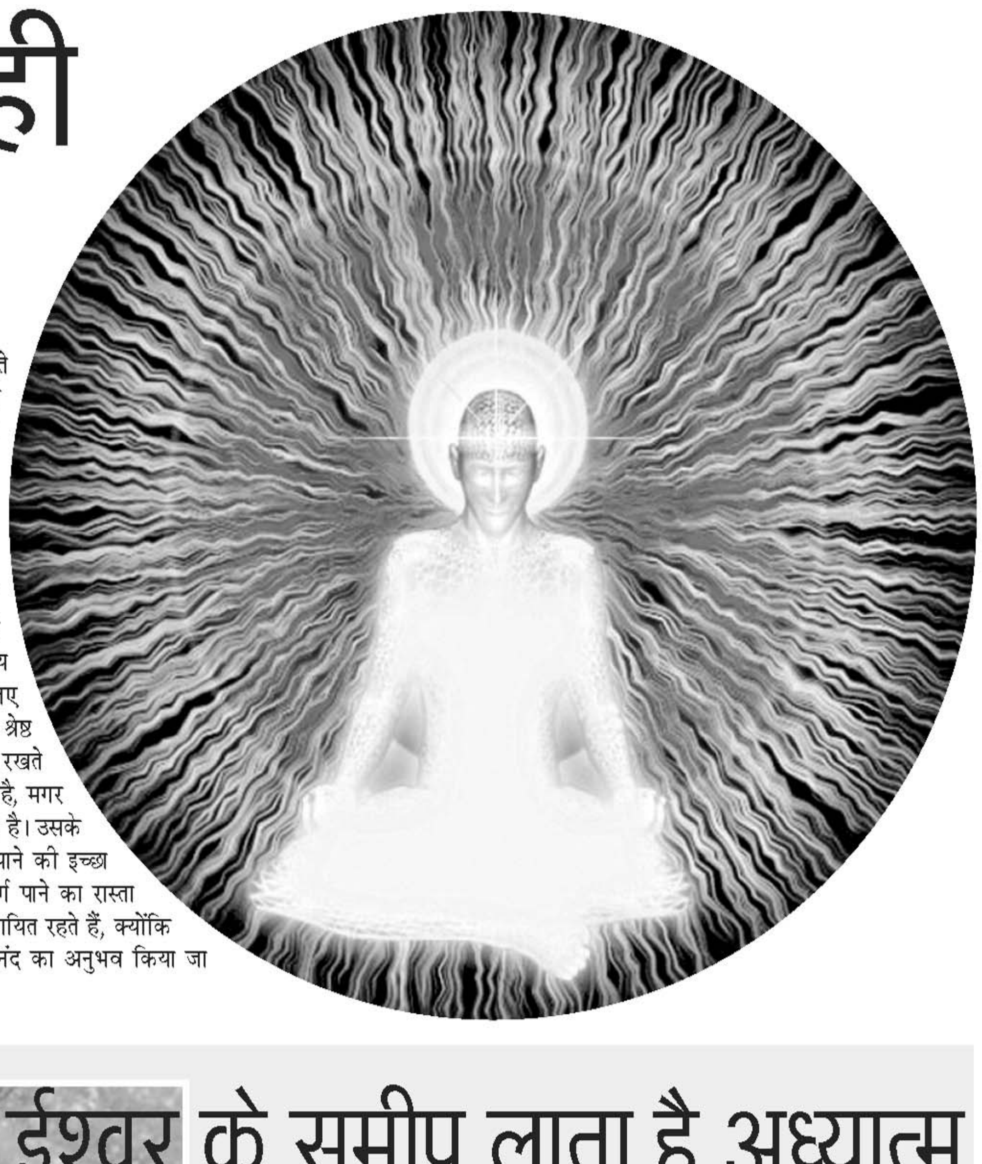

जिस मानव देह को लोग बिना भक्ति के ही खत्म कर देते हैं, उन्हें इस बात का एहसास नहीं कि भगवान ने करुणा करके उन्हें यह तन दिया है। उस शरीर को पाने के बाद उसका सही अर्थों में लोग उपयोग नहीं कर रहे हैं। उसे अगर भक्ति के मार्ग पर लगाया जाए तो वह भगवान को भी वश में करके उनकी कृपा प्राप्त की जा सकती है। जो स्वर्ग चाहते हैं, उन्हें पता नहीं कि वहां केवल भोग किया जा सकता है। स्वर्ग में रहने वाले भगवान भक्ति और कर्म नहीं कर सकते हैं। यह पुण्य लाभ तो मानव शरीर पाने से ही संभव है। मानव शरीर पाने के बाद ही कर्म करके मनुष्य को भगवान से प्रेम करने का अवसर मिलता है। इसलिए भगवान की भक्ति करनी चाहिए। 84 लाख योनियों में श्रेष्ठ मानव जीवन पाने के बाद भी जो लोग स्वर्ग पाने की इच्छा रखते हैं, वे मूर्ख हैं।कर्म इस संसार में आने वाला हर जीव करता है, मगर भगवत्? आराधना और भक्ति केवल मानव तन से ही संभव है। उसके बाद भी कुछ लोग अपने कर्म और भक्ति के बाद स्वर्ग पाने की इच्छा मन में पालते हैं। उन्हें पता नहीं होता है कि जिसे वे स्वर्ग पाने का रास्ता समझते हैं, उस मानव तन को पाने के लिए देवता भी लालायित रहते हैं, क्योंकि मानव देह पाने के बाद ही भक्ति रस से मिलने वाले आनंद का अनुभव किया जा सकता है।

ईश्वर के समीप लाता है अध्यात्म

जब हमारे मन की तरंगें तूफानी रूप ले लेती हैं तब अध्यात्म ही इसे शांत शील में परिवर्तित कर सकता है। अध्यात्म ही सांसारिकता के बंधनों में जकड़े मनुष्य को ईश्वर की समीपता का आभास कराता है। भौतिकता से हम क्षणिक बाहरी आनंद तो आसानी से प्राप्त कर सकते हैं, पर यह स्थायी नहीं होता। अध्यात्म मनुष्य को स्थायी आंतरिक आनंद प्रदान करता है। हमारा आवश्यकता से अधिक सांसारिक होना आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति में एक बड़ा अवरोध है। सांसारिकता में घिरे रहने से हमारे इहलोक और परलोक दोनों बिगड़ सकते हैं। सांसारिकता मनुष्य को पूर्णत: भौतिकवादी बना देती है। हालाँकि ऐसी आशंकाएँ भी व्यक्त की जाती हैं कि आध्यात्मिकता पर ज्यादा जोर देने से सांसारिक व्यवहारों में परेशानियाँ उत्पन्न हो सकती हैं, पर बुद्धिमान व्यक्ति को इसमें कोई कठिनाई नहीं आती। आध्यात्मिक होने का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ ले। उसे अपने कर्तव्यों का पालन और जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आध्यात्मिक आनंद की प्राप्ति के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। हम कितना भी ज्ञान प्राप्त कर लें, पर जब तक हमें उन नियमों का ज्ञान नहीं हैं, जो मनुष्य के मनोवेग, भावनाओं और इच्छाओं पर नियंत्रण करते हैं तब तक हमारा ज्ञान अधूरा ही है। मनुष्य को बाहरी वस्तुओं में ज्यादा आनंद मिलता है, पर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो इन सबसे ऊपर उठकर सूक्ष्मतर तत्वों की प्राप्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहते हैं। कुछ लोगों को भोजन में आनंद मिलता है, किसी को सुंदर वस्त्रों में आनंद मिलता है तो कुछ किसी संपत्ति के स्वामित्व में सुख का अनुभव करते हैं। इन सबसे हटकर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें आध्यात्मिक चिंतन में ही परम आनंद की अनुभूति होती हैं।

मनुष्य आध्यात्मिकता के सागर में जितना गहरा उतरेगा, उसे उतने ही सुख के सीप प्राप्त होंगे। मनुष्य भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहता है। इसके लिए वह नैतिक-अनैतिक की भी परवाह नहीं करता। उसका एक ही लक्ष्य होता है, अधिक से अधिक भौतिक सुखों को प्राप्त करना। इसके विपरीत आध्यात्मिक आनंद, जो कि जीवन का असल आनंद है, की प्राप्ति के प्रति वह इतना गंभीर नहीं होता। वह स्थायी सुख से क्षणिक सुख को ज्यादा महत्व देता है।

जीवन मार्ग

और कोई नहीं जीवन ही है प्रभु

अनिरुद्ध जोशी शतायु

दुनिया के प्रमुख नास्तिक दर्शन या धर्म में चर्वाक, जैन और बौद्ध का प्रमुख स्थान और महत्व है। सभी तरह की नास्तिक विचारधारा का उद्‌गम यही तीन धर्म हैं। नास्तिक कहने से यह आभासीत होता है कि ये धर्म ईश्वर को नहीं मानते हैं, जबकि चर्वाक को छोड़ दें तो बाकी दोनों धर्म का दृष्टिकोण इस संबंध में बिलकुल अलग है। बौद्ध धर्म ईश्वर के होने या नहीं होने पर चर्चा नहीं करता, क्योंकि यह बुद्धिजाल से ज्यादा कुछ नहीं है। उनका मानना है कि इस प्रश्न को आप तर्क या अन्य किसी भी तरह से हल नहीं कर सकते। ईश्वर के होने या नहीं होने की बहस का कोई अंत नहीं। ठीक उसी तरह कि स्वर्ग-नरक है या नहीं। मूल प्रश्न यह है कि व्यक्ति है और वह दु:ख तथा बंधन में है। उसके दु:ख व बंधन का मूल कारण खोजो और मुक्त हो जाओ। आष्टांगिक मार्ग पर चलकर दु:ख व बंधन से मुक्त हुआ जा सकता है। यही आर्य सत्य है।जैन दर्शन अनुसार अस्तित्व या सत्ता के दो तत्व हैं- जीव और अजीव। जीव है चेतना या जिसमें चेतना है और अजीव है जड़ अर्थात जिसमें चेतना या गति का अभाव है। जीव दो तरह के होते हैं एक वे जो मुक्त हो गए और दूसरे वे जो बंधन में हैं। इस बंधन से मुक्ति का मार्ग ही कैवल्य का मार्ग है। स्वयं की इंद्रियों को जीतने वाले को जिनेंद्र या जितेंद्रिय कहते हैं। संस्कृत के जिन धातु से बने जैन शब्द का अर्थ ही यही होता है, स्वयं को जीतना। यही अरिहंतो का मार्ग है। जितेंद्रिय बनकर जीओ और जीने दो यही जिन सत्य है। चर्वाक या लोकायत दर्शन स्पष्ट तौर पर ईश्वर के अस्तित्व को नकारते हुए कहता है कि यह काल्पनिक ज्ञान है। तत्व भी पांच नहीं चार ही हैं। आकाश के होने का सिर्फ अनुमान है और अनुमान ज्ञान नहीं होता। जो प्रत्यक्ष हो रहा है वही ज्ञान है अर्थात दिखाई देने वाले जगत से परे कोई और दूसरा जगत नहीं है। आत्मा अजर-अमर नहीं है। वेदों का ज्ञान प्रामाणिक नहीं है। यथार्थ और वर्तमान में जीयो। ईश्वर, आत्मा, स्वर्ग-नरक, नैतिकता-अनैतिकता और तमाम तरह की तार्किक और दार्शनिक बातें व्यक्ति को जीवन से दूर करती हैं। इसीलिए खाओ, पियो और मौज करो। इस जीवन का भरपूर मजा लो यही चर्वाक सत्य है। अंतत- जैन और बौद्ध दर्शन की शिक्षा मुक्ति की शिक्षा है। स्वयं को जानने की शिक्षा है। सत्य और अहिंसा की शिक्षा है किंतु चर्वाक दर्शन पूरी तरह से भौतिकवादी दर्शन होने के कारण इसका भारतीय दर्शन, धर्म और समाज में कोई महत्व नहीं रहा, क्योंकि यह दर्शन आत्मा के अस्तित्व को भी नकारता है। उसकी नजर में देह ही आत्मा है और मृत्यु ही मोक्ष है। शायद यही कारण रहा कि छठी शताब्दी आते-आते इस दर्शन के मूलग्रंथ और मान्यताएँ अपना अस्तित्व खो बैठीं। इस दर्शन को भी वैदिक दर्शन जितना पुराना ही माना जाता है। कुछ लोग यह कहते और लिखते भी हैं कि बौद्ध धर्म भी आत्मा के अस्तित्व को नहीं मानता, जबकि यह गलत है। निर्वाण आत्मा को ही प्राप्त होता है किसी और को नहीं। इंद्रियविहीन शुद्ध चैतन्य इस तरह से होता है जैसे कि है ही नहीं। भगवान बुद्ध ने कहा था कि अपने दिए खुद बनो। दूसरों के दीपक से तुम्हारा दीपक कभी नहीं जल पाएगा।

इंदौर का शनि मंदिर

अहिल्या नगरी इंदौर में शनिदेव का प्राचीन व चमत्कारिक मंदिर जूनी इंदौर में स्थित है। इस मंदिर के बारे में एक कथा प्रचलित है कि मंदिर के स्थान पर लगभग 300 वर्ष पूर्व एक 20 फुट ऊँचा टीला था, जहाँ वर्तमान पुजारी के पूर्वज पंडित गोपालदास तिवारी आकर ठहरे।एक रात शनिदेव ने पंडित गोपालदास को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि उनकी एक प्रतिमा उस टीले के अंदर दबी हुई है। शनिदेव ने पंडित गोपालदास को टीला खोदकर प्रतिमा बाहर निकालने का आदेश दिया। जब पंडित गोपालदास ने उनसे कहा कि वे दृष्टिहीन होने से इस कार्य में असमर्थ हैं, तो शनिदेव उनसे बोले- अपनी आँखें खोलो, अब तुम सब कुछ देख सकोगे। आँखें खोलने पर पंडित गोपालदास ने पाया कि उनका अंधत्व दूर हो गया है और वे सबकुछ साफ-साफ देख सकते हैं। दृष्टि पाने के बाद पंडितजी ने टीले को खोदना शुरू किया। उनकी आँखें ठीक होने की वजह से अन्य लोगों को भी उनके स्वप्न की बात पर यकीन हो गया तथा वे खुदाई में उनकी मदद करने लगे। पूरा टीला खोदने पर पंडितजी का स्वप्न सच साबित हुआ तथा उसमें से शनिदेव की एक प्रतिमा निकली। बाहर निकालकर उसकी स्थापना की गई। यही प्रतिमा आज इस मंदिर में स्थापित है। इस प्रतिमा के एक और चमत्कार की कथा प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि शनिदेव की प्रतिमा पहले वर्तमान में मंदिर में स्थापित भगवान राम की प्रतिमा के स्थान पर थी। एक शनिचरी अमावस्या पर यह प्रतिमा स्वत: अपना स्थान बदलकर इसके वर्तमान स्थान पर आ गई। तब से शनिदेव की पूजा उसी स्थान पर हो रही है और यह श्रद्धालुओं की पुरातन आस्था का केंद्र बन गया है।

सार-समाचार

कलक्टर ने ब्रज विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का किया अवलोकन

जलतेदीप निसं, भरतपुर। जिला कलक्टर नथमल डिडेल ने राज्यपाल कलराज मिश्र की भरतपुर प्रस्तावित यात्रा को मध्यनजर रखते हुये कुम्हेर के बैलारा गॉव स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के नवनिर्मित

भवन का अवलोकन किया। जिला कलक्टर ने आरएसआरडीसी के परियोजना प्रबंधक को निर्देश दिये कि वे विश्वविद्यालय परिसर की शेष रहे निर्माण कार्य को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण पूरा करायें। उन्होंने नवनिर्मित भवन के शेष रही विद्युत फिटिंग, रंगाई-पुताई सहित अन्य कार्य पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने राज्यपाल महोदय के लिये विश्वविद्यालय परिसर में हेलीपेड तैयार करने स्थल का जायजा लेकर निर्माण कराने एवं राज्यपाल के प्रवास हेतु गेस्ट हाउस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी को विश्वविद्यालय परिसर में चम्बल पेयजल लाईन से कनेक्शन करने तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी को सम्पर्क सडक की मरम्मत कराने एवं सफाई कराने के निर्देश दिये। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति अश्वनी बंसल, रजिस्ट्रार हेमन्त स्वरूप माथुर ए सहायक रजिस्ट्रार डॉ.अरूण कुमार पाण्डे, आरएसआरडीसी के सहायक अभियंता अनिरूद्व सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आरओ तथा एआरओ का तृतीय रेण्डमाइजेशन किया

जलतेदीप निसं, भरतपुर। पंचायती राज संस्थाओ पंच एवं सरपंच आम चुनाव.2020 के लिए तृतीय चरण के रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को तृतीय रेण्डमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी कक्ष में किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस तृतीय चरण की पंचायत समिति वैरए बयाना एवं रूपवास के सरपंच और पंच पदो के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को ग्राम पंचायतों का आवंटन किया गया। रेण्डमाइजेशन के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेश कुमार मालवए मतदान दल गठन प्रकोष्ठ के प्रभारी अधिकारी एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुष्कर राज शर्मा एवं मतदान दल गठन के अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अशोक कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

सोनू छाबड़ा को नियुक्त किया पी सी एफ एफ का ब्रांड एम्बेसडर

जलतेदीप कासं, जयपुर। रवि क्रिएशन द्वारा सोनू छाबड़ा को पिंक सिटी फ़िल्म फेस्टिवल 2020 का ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया था। फाउंडर डायरेक्टर रवि दोसोदिया ने बताया कि सोनू छाबड़ा ने कई कीर्तिमान स्थापित किये है। सोनू मिसेज राजस्थान 2014 रह चुकी है। लिम्का बुक

ऑफ रिकॉर्ड में सबसे अधिक पुश उप करने का महिला रिकॉर्ड सोनू छाबड़ा के नाम है। सोनू मिसेज इंडिया नार्थ स्टार 2018 भी रह चुकी है। साथ ही उन्होंने कई शार्ट फिल्मो में भी अभिनय किया है। फाउंडर मेंबर विनीत शर्मा, रचना टाक व यशपाल टाक में बताया कि रवि क्रिएशन ने 2019 में जे आई सी एफ एफ फेस्टिवल का सफल आयोजन किया था। अब 2 फरवरी 2020 में रविवार दिन 12 से 4 बजे पी सी एफ एफ का आयोजन होने जा रहा है। इस फेस्टिवल में विभिन्न श्रेणियों की फिल्मों का प्रदर्शन, राजस्थानी नृत्य के साथ फ़िल्म मेकर्स, समाज सेवियों व पत्रकारों को भी सम्मानित किया जाएगा।

जनसंपर्क मंत्री का जताया आभार

जलतेदीप कासं, जयपुर। राजस्थान समाचार पत्र संपादक जॉर्नलिस्ट एसोसिएशन ने जनसंपर्क मंत्री डॉ. रघु शर्मा का लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों की प्रसार संख्या जांच आदेश वापस लेने पर आभार व्यक्त किया हैं। एसोसिएशन ने डॉ. रघु शर्मा को प्रसार संख्या जांच के कई बिंदुओं को अव्यवहारिक बताते हुए इस आदेश को रोकने की मांग का एक ज्ञापन दिया था। ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए कहा कि राज्य की अशोक गहलोत सरकार सदैव पत्रकारों की हित चिंतक रही हैं। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल को ये भी आश्वस्त किया कि पत्रकारहित में जो भी कदम होंगे उठाये जाएंगे। राजस्थान समाचार पत्र सम्पादक जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधि मण्डल में अध्यक्ष श्यामसुंदर तंवर, उपाध्यक्ष रजनीश शर्मा, महासचिव कमलेश गोयल एवं पत्रकार विमलेश शर्मा शामिल थे।

गूंदपुर में भारी काफिले के साथ मंगल सरपंच ने किया शक्ति प्रदर्शन

जलतेदीप निसं, अलवर। आने वाली 22 जनवरी को दूसरे चरण में होने वाले चुनावों को देखते हुए चुनाव लडने वाले प्रत्याक्षी अपना शक्ति प्रदर्शन करने में लग गए है आज रविवार को अवकाश के दिन गूंदपुर के वर्तमान सरपंच एवं सरपंच प्रत्याशी मंगल सरपंच ने अपना शक्ति प्रदर्शन

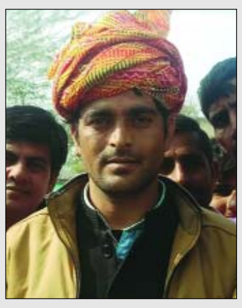

कर प्रतिद्वन्दियों को यह दर्शा दिया कि अगर जनहित में कार्य करोगे तो जनता उनका समर्थन करेगी आज की रैली में मंगल सरपंच के साथ करीब 90 छोटीबडी गाडियों का काफिला निकला जिसमें करीब डेढ से दो हजार लोग शामिल हुए। रैली के दौरान मंगल सरपच ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में जनहित में अपने क्षेत्रा में काफी विकास कार्य कराए है जिसका नतीजा है कि रैली में सभी मतदाताओं ने उन्हें अपना समर्थन जताया है लोगों ने उन्हें आश्वस्त किया है किवे उन्ही के पक्ष में मतदान कर उन्हें पुनः सरपंच बनाए गए जिससे उनके कार्यकाल में कुछ कार्य जो विकास होने से रह गए थे उन्हें निपटाया जाएगा उन्होंने कहा किवे इस बार अपनी ग्राम पंचायत को आदर्श ग्राम पंचायत बनाएगे।

बोस की जयंती पर युवाओं ने किया रक्तदान

जलतेदीप निसं, झालावाड़। नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 53 वीं जयंती एवं विवेकानंद जयंती पर के उपलक्ष में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा झालरापाटन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण पाटीदार, जिला महामंत्री राजेश शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री हर्षवर्धन शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काशवाणी, भाजपा नेता सियाराम अग्रवाल,मंडल अध्यक्ष महेश बडवानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल शर्मा,पार्षद यशोवर्धन बाकलीवाल, भाजपा नेता अरविंद व्यास,अमृत नगर,अक्षय पांचाल, माणक राठौड़, हुकम काका समेत कई भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सुभाष चंद्र बोस एवं विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

पूर्व सैनिकों ने साक्षात्कार करने के बाद चुना सरपंच प्रत्याशी

जलतेदीप कासं, जयपुर। झोटवाड़ा पंचायत समिति में ग्राम पंचायत बॉयता वाला के सरपंच पद के प्रत्याशी को गौरव सेनानी कल्याण समिति ने वर्तमान में उपलब्ध तमाम प्रत्याशियों के साक्षात्कार करने के बाद उचित प्रत्याशी के रूप में राजस्थान उच्च न्यायालय में अधिवक्ता निरंजन कटारिया को अपने प्रत्याशी के रूप में समर्थन दिया है। गौरव सेनानी कल्याण समिति के अध्यक्ष धर्मपाल सिंह मान ने बताया कि वो ग्राम पंचायत बोयतावाला में लगभग ढाई सो पूर्व सैनिकों के परिवार रहते हैं पिछले लगभग डेढ़ दशक से क्षेत्र में कोई भी सही नेतृत्व उभरकर नहीं आया इस कारण सभी पूर्व सैनिकों ने पूर्व सैनिकों की एक समिति बनाकर वर्तमान में चुनाव मैदान में उपलब्ध सरपंच पद के उम्मीदवारों का साक्षात्कार के द्वारा चयन कार प्रत्याशी चुनने की योजना बनायी। इस समिति में गौरवसेनानी कल्याण समिति के सलाहकार तथा प्रवक्ता उत्तर बजरंग सिंह तंवर, अध्यक्ष धर्म पाल सिंह मान, सचिव सैनी, विधि सलाहकार रामचंद्र सैनी तथा गौरव सेनानी कल्याण समिति के कोषाध्यक्ष रतन सिंह राठौड़ आदि लोगों को शामिल कर प्रत्याशियों के साक्षात्कार करने का कार्य शुरू किया गया है।

पल्स पोलियो महाअभियान का जिला कलेक्टर सिहाग ने किया आगाज

1. 98 लाख बच्चों को मिलेगी खुराक

जलतेदीप निसं, झालावाड़

पल्स पोलियो महाअभियान के तहत रविवार को जिले भर में तीन दिवसीय अभियान जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने बच्चों को दवा पिलाकर शुरुआत की। अभियान के तहत आज जहां 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो बूथ पर दवा पिलाई जा रही है।

वहीं इस दौरान बूथ तक नहीं पहुंचने वाले बच्चों के लिए घर-घर अभियान चलाया जाएगा. इसमें विभागीय टीमें अगले दो दिनों तक घर-घर दस्तक देगी, जहां वंचित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के आगाज के दौरान सीएमएचओ डॉक्टर साजिद खान समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सीएमएचओ डॉ साजिद खान ने कहा कि वैसे तो

राजस्थान 2009 में ही पोलियो मुक्त हो चुका है, लेकिन एहतियातन बच्चों को दवा पिलाना जरूरी है। सीएमएचओ डॉ खान ने दावा किया कि तय किये लक्ष्य के मुताबिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। झालावाड़ जिला में विभिन्न विभागों और स्वंयसेवी संस्थाओं के सहयोग से बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला में पांच वर्ष की आयु तक के लगभग 1लाख 98 हजार 425 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिलाभर में 1067 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। पल्स पोलियो अभियान में स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेद विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग के कर्मचारी व अधिकारी तैनात हैं. इसके साथ-साथ सुपरवाइजर भी लगाए गए हैं।

सीएमएचओ डॉक्टर खान ने बताया कि सन 2014 से भारत पोलियो मुक्त देश घोषित किया जा चुका है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के मामले सामने आ रहे हैं भारत में राजस्थान प्रदेश में अंतिम बार 2009 में भरतपुर जिला एवं दोसा जिला में कुल 3 केस चिन्हित किए गए थे।

जयपुर के प्रतापनगर स्थित डॉलफिन हाई स्कूल ने रविवार को बिड़ला ऑडोटोरियम में वार्षिक समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया।

अंतरजातीय अवैध शराब गैंग का भंडाफोड़

नकली शराब के लेबल व ढक्कन सहित दो आरोपी गिरफ्तार

जलतेदीप निसं, झुंझुनूं

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि अवैध शराब माफियाओं की धरपकड़ के लिये अभियान में 19जनवरी को भारी मात्रा में शराब तथा नकली शराब बनाने में प्रयुक्त नकली शराब के ढक्कन जिनका वजन करीब 60 किलो है।नकली शराब के लेबल(रेपर) व 125 पेटी अवैध हरियाणा निर्मित शराब बरामद की जो हरियाणा से लाकर राजस्थान के रास्ते गुजरात सप्लाई की जानी थी जप्त की गई।जबकि मुख्य अपराधी राजू जाखल पुलिस गिरफ्त से बाहर है।झुंझुनू पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए शनिवार को ग्राम जाखल में दबिश दी जिसमें दो अपराधियों गजेंद्र सिंह पुत्र धीर सिंह जाती राजपूत उम्र 32 वर्ष निवासी जाखल थाना गुढा व रघुवीर सिंह उर्फ राहुल पुत्र ताराचंद जाती जाट उम्र 23 वर्ष निवासी खातियो की ढाणी तन जाखल को गिरफ्तार किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार रामचन्द्र मूंड वृताधिकारी नवलगढ के नेतृत्व में इनकी धरपकड़ हेतु टीम का गठन किया गया।

निर्देशक विक्की राणावत बनाएंगे महाराणा प्रताप पर एक भव्य फिल्म

जलतेदीप निसं, उदयपुर

आजकल बॉलीवुड में ऐतिहासिक फिल्मों का डंका बज रहा है। संजय लीला भंसाली की पद्मावत, आशुतोष गोवारिकर की पानीपत और अब अजय देवगन की तांहा जी को दर्शकों का अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। इसी कड़ी में अब फिल्मी दुनिया के मशहूर निर्माता निर्देशक विक्की राणावत मेवाड़ के वीर योद्धा महाराणा प्रताप पर एक भव्य फिल्म बनाने जा रहे हैं। इन दिनों इस फिल्म की तैयारी जोर शोर से जारी है। आपको बता दें कि महाराणा प्रताप उदयपुर, मेवाड में सिसोदिया राजपूत राजवंश के महाराणा थे और उनका नाम इतिहास में वीरता और दृढ प्रण के लिये लिया जाता है। महाराणा प्रताप सिंह ने मुगलों को कई बार युद्ध में हराया।

महाराणा प्रताप पर जो फिल्म विक्की राणावत बनाने जा रहे हैं, यह एक मेगा बजट फिल्म होगी और भव्य ढंग से इसे फिल्माया जाएगा। इस फिल्म की खास बात यह है कि डॉ राज शेखर व्यास ने कई वर्षों की गहन रिसर्च के बाद इसकी स्क्रिप्ट लिखी

है। वह राष्ट्रपति पुरूस्कार से सम्मानित एक हिस्टोरियन हैं और देश के एकमात्र रुद्रा वीणा प्लेयर भी हैं।

निर्देशक विक्की राणावत ने बताया कि यह फिल्म रियलिस्टिक ढ़ंग से शूट की जाएगी, ऑथेंटिक सिनेमा होगा, इतिहास से छेड़छाड़ करने की कोशिश नहीं की जाएगी और ना ही फिल्म को ड्रामेटिक बनाने का प्रयास किया जाएगा। इसमें राजस्थान के कल्चर को हूबहू दिखाया जाएगा। महाराणा प्रताप मेरे पूर्वज थे, मै उन्ही के खानदान से हूं, राजपूत हूं, इसलिए सब्जेक्ट को बेहद ऑथेंटिक रखूंगा। फिल्म में महाराणा प्रताप को सिर्फ युद्ध से जोड़कर नहीं पेश किया जाएगा बल्कि उनके जीवन काल की प्रमुख घटनाएं और उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में भी दर्शक जान पाएंगे, क्योंकि उनके निजी जीवन में भी बहुत कुछ हुआ था।

वह सभी धर्मो को मानते थे और मातृभूमि की रक्षा और आजादी के लिए अपनी जान निछावर करने के लिए तैयार रहते थे। महाराणा प्रताप फादर ऑफ द हिस्ट्री सब्जेक्ट और कैरेक्टर है। इसलिए इसे बड़ी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ फिल्माना है। इस फिल्म की कास्टिंग चल रही है। महाराणा प्रताप का टाइटल रोल कौन करेगा, जल्द ही इसकी ऑफिशियल घोषणा की जाएगी। फिल्म में ए लिस्टर टेक्निकल टीम का चयन किया गया है। इस फिल्म का निर्माण कल्ट एंटरटेनमेंट, हर्ष ड्रीम वेंचर्स, द टॉकिंग ट्री प्रोडक्शंस और सुनील जैन, जितेंद्र बी वागडिया, विक्की राणावत कर रहे हैं।

डायरेक्टर विक्की राणावत का कहना है कि उनके जन्म स्थान कुम्भलगढ़ फोर्ट पर 9 मई को इस का भव्य मुहूर्त किया जाएगा।

डीग एवं पहाडी में उप सरंपच पद का परिणाम घोषित

जलतेदीप निसं, भरतपुर। पंचायतराज आम चुनाव.2020 के प्रथम चरण में पंचायत समिति डीग एवं पहाडी की 72 ग्राम पंचायतों के उप सरपंच पद के लिए हुए मतदान के परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने बताया कि पंचायत समिति डीग की ग्राम पंचायत बद्रीपुर में संजय सिंहए बदनगढ में भगवान दास निर्विरोध, निगोही में राजाराम निर्विरोध, बरई में दिगम्बर निर्विरोध, बहज में धीरज सिंह निर्विरोध, मौरोली में राधा निर्विरोधए खेडाब्राह्मण में विजयवीर निर्विरोध, इकलैहरा में देवेन्द्र सिंह निर्विरोध, सिनसिनी में रणवीर सिंह निर्विरोध, कुचावटी में रामा निर्विरोध, सोनगांव में हुब्ब लाल 2 मतों से, दांतलौठी में सुरेन्द्र सिंह निर्विरोध, अऊ में गिर्राज निर्विरोध, जनूथर में प्रकाशी निर्विरोध, बंधाचैथ में जवाहर निर्विरोध, ककडा में मोहम्मद रफीक निर्विरोध, खोहरी में शिवदत्त निर्विरोध, खोह में कमलेश सिंह 7 मतों से, बेढ़म में गिर्राज सैनी निर्विरोध, पान्हौरी में पप्पू निर्विरोध, कौरेर में ज्योति चैधरी 6 मतों से, श्यौरावली में रविन्द्र निर्विरोध, मवई में मीरा देवी निर्विरोध, दिदावली में रज्जो निर्विरोध, शीशवाडा में यादराम निर्विरोध, जाटौलीथून में माया 2 मतों से, पास्ता में नारायण सिंह निर्विरोध, पसोपा में भूरी सिंह 5 मतों से, बरौली चैथ में कृष्णपाल निर्विरोध, सामई में विश्वेन्द्र सिंह निर्विरोध, टोडा में मोहन श्याम 9 मतों से, गुहाना में पूरन निर्विरोध, गढी मेवात में तालीम 6 मतों से, परमदरा में मानसिंह निर्विरोध, चुल्हैरा में खेरूना निर्विरोध, धमारी में रामकिशन निर्विरोध एवं कासौट में सुरेश निर्विरोध उप सरपंच पद के लिए निर्वाचित घोषित हुए।

ज्योति स्वरूप बिंदु रूप परमात्माः चौधरी

जलतेदीप निसं, भरतपुर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र भरतपुर विश्व शांति भवन के अंतर्गत संस्था के सह संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का 51वां पुण्य स्मृति दिवस भ्राता गिरीश चौधरी उप मेयर नगर निगम भरतपुर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रम्हाकुमारी कविता दीदी सह प्रभारी आगरा उपजोन, मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी सह प्रभारी भरतपुर, विशिष्ट अतिथि भ्राता शिव सिंह भोट पूर्व मेयर नगर निगम भरतपुर, विशिष्ट अतिथि भ्राता अनुराग गर्ग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वैश्य फेडरेशन, भ्राता ब्रह्माकुमार अमर सिंह एडवोकेट, मधु आर्य आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ स्वयं परमात्मा ही विश्व को बदल सकता है यह कोई मनुष्य नहीं कर सकता यह ज्ञान सभी को सही दिशा में लेकर जा रहा है वह एक ज्योति स्वरूप बिंदु रूप परमात्मा है उसका ध्यान करने से हमें बहुत ही शांति की प्राप्ति होती है यह ज्ञान सृष्टि को बचाने के लिए दिया जा रहा है इसलिए हम इस संस्था से जुड़े रहेंगे और अन्य व्यक्तियों को भी जोड़ने का प्रयास करेंगे।

यह संस्था निस्वार्थ रूप से विश्व का कल्याण कर रही है आज हम उस महान निर्माता को शत-शत नमन करते हैं यह उद्गार भ्राता गिरीश चौधरी जी उप मेयर नगर निगम भरतपुर ने ब्रह्मा बाबा के 51 वे पुण्य स्मरण दिवस पर श्रद्धा सुमन के रूप में अर्पित किए, अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए ब्रम्हाकुमारी कविता दीदी जी सह प्रभारी आगरा सबजोन ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा सत्यता की मूरत थे जब उनकी सत्यता अलौकिक जीवन प्राप्त करके परमात्मा से जुड़ी तो वह महान बन गए, सादगी की परमूर्त थे जहां सत्यता है वहां सादगी है जहां यह दोनों है तो संयम स्वभाविक आ जाता है।

लकड़ी के खोखों में लगी भीषण आग, लाखों का सामान खाक

जलतेदीप निसं, अलवर। भिवाड़ी के सदर बाजार में लकड़ी के खोखों में बीती रात आग लग गई। करीब 30 खोखे आग से जलकर राख हो गए।

इनमें रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। खोखे किराना, बर्तन और कॉस्मेटिक आदि के थे। आग किन कारणों से लगी अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूचना पर रीको की दमकलें मौके पर पहुंची और करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से वहां खड़े रिक्शे व दुकानदारों का सामान भी जल गया। रीको के फायर अधिकारी राजू ने बताया कि करीब एक बजे बाजार में आग लगने की सूचना मिली थी। जिस पर दमकल की तीन गाडियां मौके पर पहुंचीं जिन्होंने सुबह पांच बजे आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना पर सुबह बड़ी संख्या में दुकानदार मौके पर एकत्रित हो गए। दुकानदारों का कहना था कि बाहर से आकर यहां गुजर-बसर कर रहे थे आग लगने से उनको बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है।

लघु उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ की हड्डी : बिरला

जलतेदीप निसं, कोटा

लघु उद्योग भारती कोटा द्वारा पुरूषार्थ भवन में रविवार को वृहद उद्यमी सम्मेलन सम्पन्न आयोजित किया गया। जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 8 उद्यामियो को उद्योग गौरव सम्मान से लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राष्ट्रीय अध्यक्ष बलदेव प्रजापत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताराचन्द गोयल, राष्ट्रीय सलाहकार कर प्रकोष्ठ गोविंद राम मित्तल, अध्यक्ष मनोज राठी,सचिव अमित सिंघल मंचासीन रहे। सचिव अमित सिंघल ने बताया कि कार्यक्रम दो सत्रों आयोजित किया। प्रथम सत्र में गोविन्द राम मित्तल ने राजस्थान इनवेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम के बारे में उद्यमियों के साथ गहन चर्चा की और कई सुझावों व सुधारों को बताया। विभिन्न प्रांतो से पंहुचे उद्यमियों ने अपनी परेशानियों व समस्याओं से अवगत करवाया। कार्यक्रम में विधायक कल्पना देवी, संदीप शर्मा, मदन दिलावार, पूर्व विधायक हीरालाल नागर, अचल पौद्दार, यशपाल भाटिया, राजेन्द्र अग्रवाल, आर एन गर्ग, अकुंर जैन, मुकेश गुप्ता, विपिन

सूद, ओम प्रकाश मित्तल सहित कई उद्यमी उपस्थित रहें अंतिम सत्र के स्वागत भाषण को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष मनोज राठी ने कहा कि मंदी के दौर में उद्योगो को गति देने वाले विचारों को सदन के पटल पर रखा और लोकसभा अध्यक्ष के जरिय दिल्ली तक अपनी बात पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होने कहा कि देश की उद्यमी इस मंदी के दौर में भी पूरे श्रम से कार्य कर रहे है ऐसे में सरकार द्वारा उन्हे उचित सहायता मिलनी चाहिए।

राष्ट्रीय सलाहकार गोविन्द मित्तल ने अपने सुझावों व उद्यमियों की समस्याओं को बखूबी पेश किया। मित्तल ने कहा कि जीडीपी सुधार पर चर्चा करते हुए एक राष्ट्र और एक कर परिभाषित करते हुए 5 प्रतिशत दर का सुझाव देकर कहा कि विभिन्न दरों से देश एक कर, एक देश की परिभाषा की ओर सही मायानों नही बढ पा रहा है यदि 5 प्रतिशत दर को प्रस्तावित किया जाए तो भारत 5 लाख करोड़ की इकनोमी बन जाएगा। उन्होने 20 हजार से अधिक नकद व्यवहार पर रजिस्ट्री ना हो पाने के नियम को गैर जरूरी बताया। एक देश और एक कर के साथ एक देश और एक आडिट के नियम को भी देश को अपना चाहिए। साथ ही एमपी व एमएलए के वेतन को सरकार द्वारा वेतन ना मानकर अन्य स्त्रोतो की आय मान कर शामिल करने से 30 प्रतिशत कर वसूलने के नियम में बदलाव की बात कही और अन्य वेतन भोगी के भांति व्यवस्थित करनी का सुझाव दिया। उन्होने कम्पोजिशन को 5 करोड की सीमा तक बढाने का सुझाव दिया।

भरतपुर को शिक्षा का हब बनाने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक : डॉ. गर्ग

जलतेदीप निसं, भरतपुर

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि भरतपुर को शिक्षा का हब बनाने के सपने को पूरा करने के लिए आप सभी के सहयोग की आवश्यकता है। गर्ग रणजीत नगर स्थित अग्रसेन महिला विद्यापीठ के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थितजनों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अग्रसेन महिला विद्यापीठ ने राज्य स्तर पर महिला शिक्षा के क्षेत्र में अपना स्थान कायम किया है। उन्होंने अग्रवाल सेवा समिति से आग्रह किया कि वे एकेडमिक शिक्षा के साथ-साथ बालिकाओं के लिए वोकेशनल ट्रेनिंग सेन्टर भी स्थापित करें जिससे वे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ ही गैर तकनीकी वोकेशनल शिक्षा के माध्यम से समाज में अपना स्थान बना सकें। उन्होंने समाज के भामाशाहों से अपील की कि वे जिले में बालिका शिक्षा को बढावा देने के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी प्रतिभाओं को तलाश कर विकसित करें। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता में शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाना है जिसके तहत भामाशाहों के माध्यम से भरतपुर के आरबीएम चिकित्सालय में एक एक्स.रे मशीन लग चुकी है तथा शीघ्र ही सीआर मशीन भी लगायी जायेगी तथा आगामी माह में अन्य मशीनों के लगने से भरतपुर जिला मुख्यालय पर रोगियों को और अधिक बेहतर उपचार की सुविधाऐं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र के प्रति संवेदनशील होकर गरीबए असहाय एवं पिछडों को और अधिक बेहतर सुविधाऐं उपलब्ध कराने का प्रयास

कर रहीं हैं। उन्होंने कामना की कि सन 2020 देश एवं प्रदेश में भाईचारा, अमन, शांति, सुख.समृद्धि बनी रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपनी गलतियों से सबक लेकरए कडी मेहनत एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढे तभी वे अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। समारोह में ल्यूपिन के अधिशाषी अधिकारी सीताराम गुप्ता ने कहा कि जीवन का मूल उद्देश्य बदलाव लाना है यदि हम जीवन में बदलाव न ला सके तो हमारा जीवन निरर्थक है। उन्होंने इसके लिए 6 बिन्दुओं पर प्रकाश डाला जिनमें विचारए वाणींए एक्शनए आदतए चरित्र एवं भाग्य है। उन्होंने कहा कि हम तीन चीजों पर कायम रहकर आगामी तीन चीजों को प्राप्त कर सकते हैं जिनमें उत्तम एवं सकारात्मक विचारए मधुर एवं मीठी वाणीं एवं प्रेरणात्मक एक्शन के माध्यम से अपनी आदतों में बदलावए सुदृण चरित्र एवं उत्तम भाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी सुरेश चंद गुप्ता ने कहा कि समिति द्वारा संचालित अग्रसेन महिला विद्यापीठ के माध्यम से जिले में महिला शिक्षा की स्थिति में बेहतर सुधार किया है। उन्होंने कहा कि अग्रसेन विद्यापीठ भरतपुर जिले की उत्कृष्ट शिक्षण संस्था होने के साथ ही समाज के गरीब, पिछडे वर्गो के बच्चों को कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का जो प्रयास कर रही है वह सराहनीय है। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में भी बालिकाओं को शिक्षा देने के लिए समिति का आह्वान किया।

इससे पूर्व अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न प्रान्तों की संस्कृतियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विद्यालयों की छात्राओं द्वारा दी गयी तथा विद्यालय संचालन समिति द्वारा विद्यालय की शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

अश्वनी चोपड़ा के निधन पर शोक सभा आज

जनतेदीप निसं, अलवर। श्रमजीवी पत्रकार संघ ने अश्वनी कुमार चौपड़ा के निधन को पत्रकारिता जगत में अपूर्ण क्षति बताया है चौपडा के निधन पर संघ की ओर से सोमवार को शोक सभा आयोजित की जाएगी। श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि देश में पंजाब केसरी के मुख्य संपादक अश्वनी कुमार चोपड़ा ने पत्रकारिता क्षेत्र में एक अलग ही पहचान बनाई थी। उनके द्वारा प्रकाशित होने वाले संपादकीय सरकार, प्रशासन और आमजन को एक नई दिशा देने वाले रहे हैं। चोपड़ा के निधन पर देश के पत्रकारों ने निष्पक्ष और निडर संपादक को हमेशा के लिए खो दिया है। उनकी याद में संघ की ओर से सोमवार को अंबेडकर सर्किल स्थित संघ के जिला कार्यालय पर शोक सभा का आयोजन दोपहर 1:00 बजे किया जाएगा।

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़ा, 7416 करोड़ रुपए हुआ

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

एचडीएफसी बैंक को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 7,416.5 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। यह 2018 की दिसंबर तिमाही के प्रॉफिट (5,585.9 करोड़ रुपए) के मुकाबले 32.8 प्रतिशत ज्यादा है। बैंक की आय 30,811.27 करोड़ रुपए से बढ़कर 36,039 करोड़ रुपए पहुंच गई।

नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.2 प्रतिशत पर स्थिर

ब्याज से आय बढ़कर 14,172.9 करोड़ रुपए रही। 2018 की दिसंबर तिमाही में ब्याज से 12,576.8 करोड़ रुपए की आय हुई थी। अन्य आय 4,921.01 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,669.3 करोड़ रुपए पहुंच गई। बैंक के एडवांस की ग्रोथ 19.9 प्रतिशत और डिपॉजिट की 25.2 प्रतिशत रही। नेट इंटरेस्ट मार्जिन 4.2 प्रतिशत पर स्थिर रहा।

एनपीए के लिए 3043.56 करोड़ रुपए की प्रोविजनिंग

दिसंबर तिमाही में ग्रॉस एनपीए 1.38 प्रतिशत से बढ़कर 1.42 प्रतिशत और नेट एनपीए 0.42 प्रतिशत से बढ़कर 0.48 प्रतिशत हो गया। प्रोविजन की कुल राशि 2,211.53 करोड़ रुपए के मुकाबले 3,043.56 करोड़ रुपए पहुंच गई। इसमें से 3,043.56 करोड़ रुपए एनपीए की प्रोविजनिंग है।

जनहित में आरबीआई ने दी खास जानकारी
एनपीआर लेटर से बन जाएगा बैंक का काम

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक केवाईसी के लिए डॉक्यूमेंट्स की एक नई लिस्ट जारी की है, जिसकी मदद से आप अपने बैंक केवाईसी का काम पूरा कर सकते हैं। आरबीआई द्वारा जारी किए इस लिस्ट में एनपीआर लेटर को केवाईसी वेरिफिकेशन के लिए वैध डॉक्यूमेंट माना गया है।

एनपीआर अथॉरिटी द्वारा वैध लेटर की मदद से भी आप केवाईसी प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं। इस डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल आप नया बैंक अकाउंट खोलने व क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए भी कर सकते हैं।

हालांकि, आरबीआई ने यह भी साफ किया है कि एनपीआर लेटर ही अनिवार्य नहीं है। आप अन्य लेटर्स की मदद से भी केवाईसी प्रक्रिया को पूरा कर सकते हैं।

इन डॉक्यूमेंट्स की मदद से पूरी कर सकते हैं केवाईसी प्रक्रिया

जनवरी में जारी आरबीआई के इस नए निर्देश के मुताबिक, नो योर कस्टमर के लिए इस्तेमाल किए जा सकने वाले डॉक्यूमेंट्स में आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर ह्रइ कार्ड, नरेगा जॉब कार्ड व एनपीआर लेटर शामिल है। इनमें से किसी भी एक डॉक्यूमेंट की मदद से आप अपने बैंक खाते की केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। आरबीआई ने इस डॉक्यूमेंट्स को आधिकारिक रूप से वैध डॉक्यूमेंट्स करार दिया है। विज्ञापन में उठा था विवादआधिकारिक रूप से वैध डॉक्यूमेंट का मतलब है कि पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार नंबर, भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए वोटरआईडी कार्ड, नरेगा के तहत जारी किए गए जॉब कार्ड, या नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर का इस्तेमाल केवाईसी वेरिफिकेशन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। हाल ही में, एक तेलुगू अखबार के विज्ञापन में कहा गया था कि बैंक केवाईसी प्रक्रिया के लिए नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर लेटर जमा करना अनिवार्य है।

वीडियो के जरिए भी वेरिफिकेशन

केंद्रीय बैंक ने हाल ही में वीडियो आधारित कस्टमर आईडेंटिफिकेशन प्रोसेस के बारे में ऐलान किया था। आरबीआई ने बैंक केवाईसी के लिए इसे 'वी-सीआईपी' नाम दिया था। यह एक तरह का फेस-टू-फेस वेरिफिकेशन प्रक्रिया होगी, जिसकी मदद से केवाईसी वेरिफिकेशन किया जाएगा।

अप्रैल-दिसंबर में यात्री वाहनों का निर्यात छह प्रतिशत बढ़ा

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

देश से यात्री वाहनों का निर्यात चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान 5.89 प्रतिशत बढ़कर 5,40,384 इकाई पर पहुंच गया। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में हुंदै मोटर ने सबसे अधिक 1.45 लाख यात्री वाहनों का निर्यात किया।

एटीएफ पर उत्पाद शुल्क के स्वरूप में हो सकता है बदलाव

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

सरकार निकट भविष्य में विमान ईंधन एटीएफ पर लगने वाले शुल्क को मूल्यानुसार लगाने के बजाय विशिष्ट दर से लगाने पर विचार कर सकती है। इससे एटीएफ के दाम में होने वाले उतार चढ़ाव के समय वित्तीय तंगी से गुजर रही विमानन कंपनियों को शुल्क से कुछ राहत मिल सकती है।

वर्तमान में एविऐशन टरबाइन फ्यूल यानी एटीएफ पर 11 प्रतिशत की दर से मूल्यानुसार उत्पाद शुल्क लगता है। वहीं विमानन क्षेत्र में क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) योजना को बढ़ावा देने के मकसद से योजना के तहत उड़ने वाली विमानन सेवाओं के लिये एटीएफ पर दो प्रतिशत रियायती दर से शुल्क लिया जाता है। सूत्रों का कहना है कि एयरलाइंस को इस तरह के उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए सरकार आगामी आम बजट में एटीएफ पर विशिष्ट उत्पाद शुल्क लगा सकती है। यह शुल्क रुपये में प्रति किलोलीटर के हिसाब से लगाया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर पहले से उत्पाद शुल्क की विशिष्ट दर लागू है। ऐसे में एटीएफ पर भी इसी तरह का शुल्क लगाने की गुंजाइश बनती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को अपना दूसरा बजट पेश करेंगी। मूल्यानुसार शुल्क संबंधित उत्पाद के मूल्य के हिसाब से लगता है। ऐसे में यदि उत्पाद का दाम बढ़ता है या घटता है तो उस पर भुगतान की जाने वाली शुल्क राशि भी बढ़ती-घटती है। जबकि विशिष्ट उत्पाद शुल्क मूल्य के अनुरूप घटता- बढ़ता नहीं है यह उत्पाद की मात्रा के अनुरूप तय किया जाता है। इस शुल्क ढांचे को स्पष्ट करते हुए सूत्रों ने कहा कि यदि एटीएफ का उत्पादन लागत 100 रुपये प्रति किलोलीटर है तो रिफाइनरी के गेट पर यह 11 प्रतिशत के उत्पाद शुल्क के साथ 111 रुपये बैठेगी।

निर्यात बाजार में हुंडई की बादशाहत बरकरार

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

हुंडई मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस एस किम ने कहा, कुल 1,44,982 यूनिट्स के निर्यात और 26.8 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ हुंडई ने एक बार फिर निर्यात बाजार में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है। अपने शानदार प्रदर्शन करने वाले ब्रांडों के जरिये निर्यात बाजार में कंपनी का दबदबा बना हुआ है। अप्रैल-दिसंबर की अवधि में फोर्ड इंडिया का निर्यात 12.57 प्रतिशत घटकर 1,06,084 यूनिट्स रह गया।

एयरटेल ने जीवन बीमा कवर के साथ पेश किया 179 रुपये का प्रीपेड पैक

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल ने 179 रुपये का प्रीपेड पैक पेश किया है। इस पैक के साथ भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस का दो लाख रुपये का जीवन बीमा कवर भी शामिल है।

कंपनी ने बयान में कहा, ''179 रुपये के इस नए प्रीपेड पैक के जरिये किसी भी नेटवर्क पर असीमित कॉल, 2जीबी डेटा, 300 एसएमएस और भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस का दो लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा।'' इस पैक की वैधता अवधि 28 दिन की होगी। इसे विशेषरूप से प्रवेश स्तर के स्मार्टफोन ग्राहकों तथा अर्द्धशहरी और ग्रामीण बाजारों के फीचर फोन का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए पेश किया गया है। कंपनी ने कहा है कि यह बीमा कवर 18 से 54 वर्ष की आयु के लोगों को उपलब्ध होगा। इसके लिए किसी तरह के कागजी दस्तावेजों या चिकित्सा परीक्षण की जरूरत नहीं होगी। बीमा पॉलिसी या प्रमाणपत्र तुरंत डिजिटल रूप में भेज दिया जाएगा। आग्रह पर इसकी प्रति भी उपलब्ध कराई जाएगी। वक्तव्य में कहा गया है,

थार को टक्कर देने आ रही मारुति जीमनी

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

मारुति सुजुकी भारत में तेजी से बढ़ते एसयूवी सेगमेंट को देखते हुए अपनी नई कार बाजार में उतारने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मारुति देश में एक एसयूवी के साथ-साथ बेहतरीन ऑफ-रोड कार का रोल प्ले करने वाली जिमनी को लॉन्च करने का प्लान कर रही है। कंपनी ने पिछले साल अपनी लोकप्रिय कार जिप्सी को बंद कर दिया था और इसी के बाद से भारत में जिम्नी के लॉन्च होने की अटकलें तेज हो गई थी।

अब घर बैठे खरीद सकेंगे हुंडई की कारें, कंपनी ने शुरू की 'क्लिक टू बाय' सर्विस

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

हुंडई ने अब ग्राहकों के लिए नई सर्विस शुरू की है। इस सर्विस के तहत खरीददार घर बैठे कार खरीद सकेंगे। दरअसल, कंपनी ने 'क्लिक टू बाय' ऑप्शन की शुरुआत की है जिसके तहत दिल्ली-एनसीआर के कुछ डीलर्स ऑनलाइन कारों की बिक्री करेंगे। कंपनी का कहना है कि यह डीलर्स के लिए एडिशनल सेल्स चैनल की तरह काम करेगा। बहुत जल्दी इसे हुंडई के बाकी डीलरशिप के लिए भी कर दिया जाएगा।

हुंडई ने कहा कि क्लिक टू बाय प्लेटफॉर्म कस्टमर्स को कार खरीददारी का डिजिटल एक्सपीरिएंस कराएगा। इसके लिए यूज़र्स को कंपनी के पोर्टल पर रजिस्टर करना होगा। कस्टमर्स को कारों के जो भी ऑप्शन उपलब्ध हैं उनमें से किसी एक ऑप्शन को चुनना होगा। इसके बाद वे इंटीरियर और एक्सटीरियर को अपनी पसंद के हिसाब से कॉन्फिगर कर पाएंगे, साथ ही कार का कलर चुनने के साथ-साथ पेमेंट का ऑप्शन भी चुन पाएंगे। ग्राहकों को इसमें पर्सनलाइज़्ड असिस्टेंट का भी ऑप्शन मिलेगा। इसके साथ ही सेल्स रिप्रेजेंटेटिव को भी संपर्क किया जा सकता है। डिलीवरी के ऑप्शन में भी फ्लेक्सिबिलिटी होगी। चाहें तो आप इसे घर पर डिलीवर करवा लें या जाकर डीलरशिप से भी उठा सकते हैं। किम ने कहा कि नई हुंडई कारों की खरीद के लिए, नए जमाने के डिजिटल ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए यह भारत का पहला ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म है।

समाचार संक्षेप

रिलायंस ने पेट्रोल, डीजल बिक्री की वृद्धि में पेट्रोलियम उद्योग को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पेट्रोल, डीजल बिक्री में द्विअंकीय वृद्धि हासिल कर समूचे उद्योग को पीछे छोड़ दिया। कंपनी के 1,400 पेट्रोल पंपों की बिक्री 31 दिसंबर, 2019 को समाप्त तीसरी तिमाही में 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। यह वृद्धि समूचे उद्योग की पेट्रोल, डीजल बिक्री की वृद्धि से अधिक है। अक्टूबर-दिसंबर, 2019 के तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों के समक्ष प्रस्तुतिकरण में रिलायंस ने कहा कि तिमाही के दौरान उसके 1,394 पेट्रोल पंपों से उसकी डीजल बिक्री 11 प्रतिशत बढ़ी है जबकि पेट्रोल बिक्री में 15 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं इस दौरान उद्योग की डीजल की बिक्री 0.2 प्रतिशत और पेट्रोल की 7.1 प्रतिशत बढ़ी। कंपनी के पेट्रोलपंपों में हर महीने तीन लाख 42 लीटर पेट्रोल, डीजल मंगाया गया जो किसार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों इंडियन आयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) की तुलना में दोगुना है। कंपनी ने कहा कि उसके पेट्रोलपंपों की खुदरा बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 3,725 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान ईंधन बिक्री 53.8 करोड़ लीटर रही।

सरकार की तीन- चार साल में कोयले की कमी दूर करने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार की अगले तीन से चार साल में देश में कोयले की कमी को दूर करने की योजना है। इसके लिये सरकार ऐसे 100 कोयला ब्लॉक की नीलामी कर सकती है जिनमें कोयले का खोज कार्य पूरा किया जा चुका है। इससे कोयले की कमी के बदले होने वाले आयात को पूरी तरह से रोका जा सकेगा। कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को यह जानकारी दी। हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए कोयला मंत्री का यह बयान काफी महत्वपूर्ण है जहां सरकार कोयला क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के लिए कानून में संशोधन के लिये अध्यादेश लायी है। कोयला क्षेत्र में अब तक केवल निजी क्षेत्र की इस्पात और बिजली कंपनियों को ही कोयला ब्लॉक दिया जाता है। कोयला खनन क्षेत्र में लाये गये अध्यादेश को सबसे बड़े सुधारों में से एक बताते हुए जोशी ने पीटीआई - भाषा के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, '' वैकल्पिक आयात (पर रोक) से कोयला की जो कमी होगी हम उसकी तीन से चार साल में भरपाई करना चाहते हैं। यह 2023-24 तक हो सकता है। हम कोयला के बदले में होने वाले आयात को रोकना चाहते हैं।'' केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में ' खनिज कानून (संशोधन) अध्यादेश -2020' जारी करने को मंजूरी प्रदान की है। इसके जरिये खान एवं खनिज (विकास एवं विनियम) अधिनियम -1957 और कोयला खान (विशेष प्रावधान) अधिनियम -2015 (सीएमएसपी) में संशोधन किया गया है।

एजीआर भुगतान की समयसीमा गैर- दूरसंचार पीएसयू पर भी होगी लागू!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूरसंचार विभाग इस मुद्दे पर गौर कर रहा है कि क्या दूरसंचार कंपनियों पर सांविधिक बकाये के भुगतान के लिए तय 23 जनवरी की समयसीमा गैर-दूरसंचार सार्वजनिक उपक्रमों पर भी लागू होती है। गौरतलब है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) को लेकर उच्चतम न्यायालय में चले विवाद में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) मूल पक्ष नहीं थे। दूरसंचार विभाग के सूत्रों ने पीटीआई- भाषा से कहा कि उच्चतम न्यायालय के अक्टूबर में दिये गये आदेश के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से भी सांविधिक बकाया चुकाने को कहा गया है। परंतु बड़ा सवाल यही है कि क्या 23 जनवरी की समयसीमा कानूनी रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की उन कंपनियों पर भी लागू होती है जो सीधे इस विवाद में पक्ष नहीं थे। हालांकि, दूरसंचार विभाग में यही राय बन रही है कि न्यायालय द्वारा तय समयसीमा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर लागू नहीं होगी, लेकिन स्पष्टता के लिए इसकी कानूनी समीक्षा की जा रही है।

खेल दीप

समाचार संक्षेप

बापू नाडकर्णी को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टी बांधकर खेले भारतीय खिलाड़ी

बेंगलुरु (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के तीसरे और निर्णायक वनडे इंटरनेशनल मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ी रविवार को बाजू पर काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। उन्होंने इस तरह टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर बापू नाडकर्णी को श्रद्धांजलि दी जिनका इसी सप्ताह निधन हो गया था। नाडकर्णी 86 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां है। उन्होंने शुक्रवार को अंतिम सांस ली। भारतीय टीम ने नाडकर्णी को श्रद्धांजलि दी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में बाजू पर काली पट्टी बांधकर फील्डिंग को उतरे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज और लेफ्ट आर्म स्पिनर नाडकर्णी ने 41 टेस्ट खेले जिसमें उन्होंने 1414 रन बनाए और 6/43 के अपने बेस्ट बोलिंग आंकड़े के साथ कुल 88 विकेट झटके। नाडकर्णी मुंबई के दिग्गज क्रिकेटरों में शुमार थे और उन्होंने 191 प्रथम श्रेणी मैचों में 500 विकेट लिए और कुल 8880 रन बनाए।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के सिलेक्शन के दिन शॉ ने 150 रन की पारी खेली

बेंगलुरु (एजेंसी)। पृथ्वी शॉ ने न्यूजीलैंड टूर पर गई इंडिया-ए के लिए रविवार को 100 गेंदों पर 150 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड इलेवन के खिलाफ शॉ ने 22 चौके और 2 छक्के लगाए। इंडिया ए ने मैच 12 रन से जीता। पहले मैच में भी इंडिया-ए ने न्यूजीलैंड इलेवन को 92 रनों से हराया था। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम का चयन भी रविवार को ही किया जाना है। ऐसे में शॉ की यह पारी चयनकर्ताओं का ध्यान खींच सकती है। उन्हें टेस्ट में बतौर ओपनिंग विकल्प शामिल किया जा सकता है। न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया को 5 टी-20 के अलावा तीन वनडे और दो टेस्ट की सीरीज खेलनी है। पहला टेस्ट 21 फरवरी से वेलिंग्टन में और दूसरा 29 फरवरी से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के लिए पहले ही टीम का ऐलान किया जा चुका है।

पृथ्वी ने अपना पिछला टेस्ट अक्टूबर 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। तब उन्होंने पहली पारी में 70 और दूसरी में नाबाद 33 रन बनाए थे। वे अब तक 2 टेस्ट में 134 रन बना चुके हैं। इस बल्लेबाज ने 8 महीने का बैन झेलने के बाद पिछले महीने ही वापसी की। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे। इसकी वजह से वे न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ पहले दो प्रैक्टिस मैच नहीं खेल पाए थे। इंडिया-ए ने न्यूजीलैंड इलेवन के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 372 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया था। ओपनिंग करने उतरे पृथ्वी ने मयंक अग्रवाल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। मयंक 32 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन शॉ ने एक छोर संभाले रखा और 150 रन की पारी खेली। विजय शंकर (58) रन को छोड़ दें तो कोई भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। कप्तान शुभमन गिल ने 24, सूर्यकुमार यादव ने 26 और क्रुणाल पंड्या ने 32 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड इलेवन ने 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 360 रन बनाए। उसके लिए जैक बोय्ल(130), फिन ऐलन(87) रन बनाए। इससे पहले इंडिया-ए ने पहले मुकाबले में रितुराज गायकवाड के 93 और कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक के दम पर 279 रन बनाए थे। इसके बाद खलील अहमद की शानदार गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड इलेवन को 187 रन पर आउट कर मुकाबला 92 रन से जीता था।

महेन्द्र सिंह धोनी के बारे में चेन्नई के मालिक श्रीनिवासन ने कहा
हर चुनौती के लिए हमारे पास धोनी, वे भारत के लिए खेलें या नहीं, उन्हें 2021 में रिटेन करेंगे

■ एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपरकिंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2021 में भी चेन्नई के लिए खेलेंगे। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष श्रीनिवासन ने एक इवेंट में यह बात कही।

उन्होंने कहा, ''लोग कहते रहेंगे कि धोनी कितना लंबा और कब तक खेलेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि वे इस साल भी आईपीएल खेलेंगे और 2021 की नीलामी में भी चेन्नई उन्हें रिटेन करेगा। इसमें किसी के मन में कोई संदेह नहीं है।''

श्रीनिवासन ने आगे कहा, ''कागज पर कई टीमें चेन्नई से बेहतर है, लेकिन अगला आईपीएल सीएसके ही जीतेगी। हमारे पास हर चुनौती का सामना करने के लिए एमएस धोनी है। बिना धोनी के चेन्नई टीम की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

हम उन्हें नीलामी प्रक्रिया में जाने ही नहीं देंगे।''

सीएसके फैन्स एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट एआर श्रीराम भी श्रीनिवासन के बयान से काफी खुश हैं।

धोनी कम से कम दो साल आईपीएल खेलेंगे

- चेन्नई सुपरकिंग्स के मालिक श्रीनिवासन ने कहा- मैं भरोसा दिलाता हूं कि धोनी इस साल आईपीएल जरूर खेलेंगे
- धोनी की कप्तानी में चेन्नई तीन बार आईपीएल चैंपियन बनी
- बीसीसीआई ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर किया

धोनी आईपीएल के पहले सीजन से चेन्नई फ्रेंचाइजी के साथ

धोनी आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 से ही चेन्नई टीम के साथ हैं। वे तब ही फ्रेंचाइजी के लिए नहीं खेले थे, जब दो साल के लिए टीम को निलंबित कर दिया गया था। इस विकेटकीपर बल्लेबाज की कप्तानी में ही चेन्नई तीन बार आईपीएल चैंपियन भी जीती है। बीसीसीआई ने गुरुवार को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से उन्हें बाहर कर दिया था। इसके बाद से ही उनके संन्यास की अटकलें लगने लगी थीं, लेकिन उन्होंने झारखंड टीम के साथ प्रैक्टिस शुरू करके यह साफ कर दिया है कि वे आईपीएल के लिए तैयार हैं। वे पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे। धोनी की कप्तानी में ही भारत ने 2007 में टी-20 और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। वे अब तक 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 अंतराष्ट्रीय टी-20 में 17 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं। वहीं, उन्होंने विकेट के पीछे 829 शिकार किए हैं।

बजरंग और रवि को रोम रैंकिंग सीरीज में गोल्ड

■ एजेंसी, नई दिल्ली

- ओलिंपिक की तैयारी सही ट्रैक पर : विनेश
- विनेश फोगाट ने इक्वाडोर की लुईसा एलिजाबेथ वलवर्डे को हराकर गोल्ड जीता
- गुरप्रीत सिंह भारत के लिए गोल्ड जीतने वाले पहले ग्रीको-रोमन रेसलर बने

भारतीय पहलवान बजरंग पुनिया और रवि दहिया ने रोम रैंकिंग सीरीज रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीत लिया। बजरंग ने 65 किलोग्राम वर्ग में शनिवार देर रात को अमेरिका के जॉर्डन ओलिवर को 4-3 से हराया। वहीं, रवि दहिया ने 57 किलोग्राम वर्ग में कजाखस्तान के नूरबोलत अब्दुलियेव को 6-0 से मात दी। इससे पहले विनेश फोगाट ने भारत को साल का पहला गोल्ड दिलाया था। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक की तैयारी सही ट्रैक पर चल रही है। विनेश ने 53 किग्रा के महिला वर्ग में इक्वाडोर की लुईसा एलिजाबेथ वलवर्डे को हराकर गोल्ड जीता। विनेश सेमीफाइनल में चीन की कियानयु पांग को 4-2 से हराकर फाइनल में पहुंची थीं। जबकि बजरंग पुनिया ने सेमीफाइनल में यूक्रेन के वेसिल शुपटर को 6-4 से हराया था। भारत के दो अन्य पहलवान भी सिल्वर जीत चुके हैं।

न्यूकैसल ने मैच खत्म होने से 20 सेकंड पहले गोल कर चेल्सी को हराया

क्रिस्टल पैलेस ने मैनचेस्टर सिटी को ड्रॉ पर रोका

■ एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में शनिवार को न्यूकैसल ने मैच खत्म होने से 20 मिनट पहले गोल कर चेल्सी को हरा दिया। सेंट जेम्स पार्क में खेले गए मुकाबले में न्यूकैसल ने 1-0 से जीत दर्ज की। यह निर्णायक गोल इसैक हेडन ने हेडर से इंजरी टाइम (90+4वें मिनट) में किया। वहीं, एक अन्य मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने मैनचेस्टर सिटी को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। न्यूकैसल अंक तालिका में 29 पॉइंट के साथ 12वें नंबर पर है। उसने 23 में से 8 मुकाबलों में जीत दर्ज की, जबकि 10 में उसे हार मिली और 5 मैच ड्रॉ रहे। वहीं, चेल्सी 39 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है। उसने 23 में से 12 मैच जीते और 8 हारे हैं। 3 मुकाबले ड्रॉ रहे। दूसरे मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी 2-1 से आसानी से मैच जीत रही थी। लेकिन, उसके डिफेंडर फर्नांडिन्हो ने मैच के आखिरी 90वें मिनट में आत्मघाती गोल कर दिया और मैच ड्रॉ हो गया। मुकाबले में पहला गोल क्रिस्टल पैलेस के चेंक तोसुन ने 39वें मिनट में किया था। इसके बाद दूसरे हॉफ में मैनचेस्टर के सर्जियो अगुएरो ने 5 मिनट (82वें और 87वें) में दो गोल करते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई थी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : आलोचनाओं के बाद तय की गई वायु प्रदूषण सीमा, खेल रोकने का फैसला रेफरी के हाथ

■ एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने क्वालिफाइंग के दौरान जहरीले धुएं को लेकर कड़ी आलोचना के बाद शनिवार को वायु गुणवत्ता रेटिंग के मानक तय किये ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कब खेल रोकना है।

ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के कारण मेलबर्न की वायु गुणवत्ता मंगलवार को दुनिया में सबसे खराब आंकी गयी थी तथा बुधवार को इसमें मामूली सुधार हुआ था। लोगों और उनके पालतू पशुओं को घर के अंदर ही रहने के लिये कहा गया था लेकिन इसके बावजूद वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम के क्वालिफाइंग मैच पूर्ववत होते रहे।

अगर 'पार्टिकुलेट मैटर रेटिंग' (पीएम 2.5) 200 तक पहुंचता है तो खेल रोक दिया जाएगा। यदि यह 97 से 200 के बीच रहता है तो

चिकित्सक और आयोजक इस पर विचार करेंगे कि क्या मैच जारी रखना चाहिए। मैच रेफरी को अगर लगता है कि खेल रोक देना चाहिए तो वह ऐसा कर सकता है। नियम सभी बाहरी कोर्ट पर लागू होगा जबकि ग्रैंडस्लैम के तीन एरिना में तभी तक खेल रोका जाएगा जब तक कि उन्हें छत से ढक नहीं दिया जाता। रोजर फेडरर ने किया समर्थनरोजर फेडरर ने इस फैसले को सही बताकर इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हमें प्लेयर मीटिंग में बताया गया कि ओलिंपिक और दूसरे बड़े खेलों में यह मारक 300 है जबकि हमारे लिए इसे 200 तय किया गया है।

स्मॉग के कारण वॉर्म अप मैचों पर पड़ा असर

स्लोवेनिया की डालिला जाकुपोविच को लगातार खांसी के कारण मैच से हटना पड़ा जबकि ब्रिटेन के लियाम ब्राडी ने दावा किया कि कई खिलाड़ियों को अस्थमा का उपचार करवाना पड़ा। लगातार आलोचनाओं के बाद आयोजकों ने मेलबर्न पार्क के निगरानी केंद्रों द्वारा मापे गये प्रदूषकों के आधार पर स्थानीय को पांच स्तरीय वायु गुणवत्ता रेटिंग जारी की।

नया इंडिया बनाने में विद्यार्थी अग्रणी भूमिका निभायें : कलराज मिश्र

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना ही नही है बल्कि यह हमें समाज के अनुसार रहना भी सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य राष्ट्र की प्रगति, संस्कृति, समावेशी नागरिकता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं का आव्हान किया वे नया इंडिया बनाने में अग्रणी भूमिका निभाये। राज्यपाल मिश्र यहां मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 14वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये। राज्यपाल ने संस्थान के परिसर में स्थित महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने संस्थान में पौधारोपण किया। राज्यपाल ने सीनेटर्स के साथ समूह चित्र कराया। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को संविधान की उदेशिका और मूल कर्त्तव्यों का वाचन करवाया। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि हमारी संस्कृति एक अत्यंत प्राचीन एवं गौरवशाली अतीत को रेखांकिंत करती है। भारतवर्ष सदियों तक ज्ञानार्जन, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक विकास तथा व्यापार में अग्रणी रहा है।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि नई सदी, जिसका कि तीसरा दशक अभी प्रारंभ हुआ है, चुनौतियों से भरी हुई है। राष्ट्र के विकास में गति लाने के लिये जो कार्यक्रम प्रारंभ किये गए हैं, जैसे कि ''डिजिटल इंडिया'', ''मेक इन इंडिया'' एवं ''स्किलिंग इंडिया'', इन सभी की सफलता इस पर निर्भर है कि आप तकनीकी क्षेत्र में कितना शोध करते हैं।

पिंकसिटी फेस्टिवल का आगाज़ आज, सौ स्टाल लगेंगे

■ कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला करेंगे उद्घाटन

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में सोमवार से दस दिवसीय पिंकसिटी फेस्टिवल का आयोजन होगा। इसमें राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों के उत्पादों के करीब सौ स्टाल लगेंगे। साथ ही, रोजाना विभिन्न कल्चरल प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी तथा 24 जनवरी को नाटक का भी मंचन होगा। इस फेस्टिवल का उद्घाटन सोमवार शाम साढ़े पांच बजे प्रदेश के कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला करेंगे। जवाहर कला केंद्र की महानिदेशक किरण सोनी गुप्ता ने बताया कि यह फेस्टिवल वृहद स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इसमें राजस्थान के दस्तकारों के के उत्पादों को प्रमोट करने के उद्देश्य से 80 स्टाल लगाए जाएंगे। साथ ही, मेले के आकर्षण के लिए 20 स्टाल एक दर्जन से अधिक अन्य प्रदेशों के उत्पादों के लिए रखे गए हैं। गुप्ता ने बताया कि इन स्टाल्स के अलावा दर्जनभर ओपन शॉप पर भी आर्टिजन अपने उत्पादों की बिक्री करेंगे। इनमें कई उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया जाएगा। इसके जरिए लोगों को विभिन्न उत्पादों की निर्माण प्रक्रिया की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। जेकेके की महानिदेशक गुप्ता ने बताया कि इस फेस्टिवल में राजस्थान के दस्तकारों के नमदा, लाख की चूड़ियां, जैकेट मार्बल हैंडीक्राफ्ट, पेच वर्क एंब्रॉयडरी, तलवार मेकिंग और राजस्थानी आभूषण सहित दर्जनों उत्पाद शामिल होंगे।

इनके अलावा बिहार के लैदर वर्क के आइटम, उत्तर प्रदेश के कारपेट, बेड शीट, बनारसी साड़ियां, चिकन वर्क के वस्त्र, कश्मीर के सूट साड़ी और शॉल और लैदर जैकेट, हिमाचल प्रदेश के ऊनी जैकेट, पश्चिम बंगाल की टेक्सटाइल एंब्रॉयडरी तो सिलीगुड़ी मैट्स, बैग्स और शीतल पट्टी, मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध लकड़ी के खिलौने, गुजरात के विशिष्ट पहचान रखने वाले हस्तशिल्प कारपेट, उत्तराखंड के खास ऊनी कपड़े पंजाबी जूतियां और असम के बेम्बू उत्पाद के स्टाल भी लगेंगे।

चिकित्सा संस्थानों जुड़ेंगे आइटी से, मरीजों रखा जाएगा डाटा : रघु शर्मा

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि प्रदेश की चिकित्सा संस्थानों को जल्द ही आईटी से जोड़ा जाएगा ताकि आने वाले मरीजों का लेखा-जोखा डॉक्टर्स के पास रहे और उसे वे केस स्टडी के रूप में काम में ले सकें। प्रत्येक मरीज को हैल्थ कार्ड बनाने की योजना पर भी सरकार काम कर रही है।

डॉ. शर्मा रविवार को जयपुर के देवीनगर स्थित राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अवलोकन और 'जर्नी टू एनक्यूएएस' पुस्तिका के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान देशभर के लिए मॉडल स्टेट बनता जा रहा है। चिकित्सा के हर क्षेत्र राज्य में नए कीर्तिमान बना रहा है। उन्होंने हाल ही सवाईमानसिंह अस्पताल में हार्ट ट्रांसप्लांट को चिकित्सा जगत में बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यहां लीवर ट्रांसप्लांट की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अंग प्रत्योरापण और अंगदान के भी गंभीर रूप से काम कर रही है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार

प्रदेश के हर व्यक्ति को चिकित्सा का अधिकार देना चाहती है, यही वजह है कि आने वाले विधानसभा में इसे कानूनी अमलीजामा पहनाकर 'राइट टू हैल्थ' के रूप में लाना चाह रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने चिकित्सा के क्षेत्र में कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्रदेश की पहली जनता क्लिनिक जयपुर के वाल्मिकी नगर में खोली जा चुकी है। जल्द ही अन्य शहरों में भी इसका विस्तार किया जाएगा, ताकि हर व्यक्ति को आसानी से चिकित्सा सविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार आने के बाद प्रदेश में 15500 नर्सिंगकर्मियों को नियुक्ति दी जा चुकी है। चिकित्सकों की कमी भी सरकार दूर कर रही है। 750 से ज्यादा चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया फरवरी से प्रारंभ हो जाएगी। इस मौके पर उपस्थित यातायात मंत्री और क्षेत्र के विधायक प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि 'निरोगी राजस्थान' अभियान के तहत प्रदेश में चिकित्सकीय व्यवस्थाएं और मजबूत होंगी। उन्होंने इस अवसर पर स्वास्थ्य केंद्र के प्रथम के निर्माण के लिए विधायक कोष से 15 लाख रुपए और एक छोटी एंबुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों को तकनीकी रूप से समृद्ध करने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। इस दौरान भारत सरकार द्वारा देवी नगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता वाले चिकित्सा संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त करने और राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त करने के प्रयासों को दर्शाने वाली पुस्तिका 'जर्नी टू एनक्यूएएस' का भी लोकार्पण किया गया।

विगत – मुकेश मांडण

गांव हों, शहर हों, सड़क पक्की हों, कच्ची हों या न भी हों, जीप का दबदबा सालों रहा। द्वितीय विश्व युद्ध से थोड़ा पहले आई जीप, व्यक्तिगत सवारी गाड़ियों में भारतीय जन मानस पर बहुत वर्षों तक छाई रही। भारतीय सड़कों ने इसके विदेशी और देशी दोनों ही रूप देखे हैं किन्तु अब यह भी इतिहास का हिस्सा है।

इंटरनेशनल को प्रोडक्शन मीट में शामिल हुए 25 देशों के फिल्म निर्माता

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-जिफ 2020 के तीसरे दिन जहां सिलेसिलेवार फिल्मों का मेला सजा, वहीं फिल्मी पर्दे से जुड़े अहम् मुद्दों पर भी दिग्गजों ने अपनी बात रखी। इंटरनेशनल को प्रोडक्शन मीट हुई, जहां फिल्म निर्माताओं ने आपसी संवाद किया। गौरतलब है कि जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल-जिफ 2020 पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से 21 जनवरी तक आयनॉक्स सिनेमा हॉल, जी.टी. सेन्ट्रल और होटल क्लाक्स आमेर में आयोजित हो रहा है।

जिफ के तीसरे दिन पत्रकारों के लिए हुई स्पॉटलाइट की स्पेशल स्क्रीनिंग

पत्रकारों के लिए हुई स्पॉटलाइट की स्पेशल स्क्रीनिंग

कई पुरस्कार और खिताब अपने नाम कर चुकी फिल्म स्पॉटलाइट की स्पेशल नॉन कॉमर्शियल स्क्रीनिंग रखी गई। विशेष तौर पर मीडियाकर्मियों और पत्रकारों के लिए हरीदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की ओर से फिल्म का प्रदर्शन किया गया। स्पॉटलाइट एक अमेरिकन बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन टॉम मैकेर्थी ने किया है। 2015 में बनी यह फिल्म अमेरीका के सबसे पुराने अखबार की खोजी पत्रकारिता के बारे में है। उल्लेखनीय है कि स्पॉट लाइट टीम को इन न्यूज़ स्टोरीज़ के लिए पब्लिक सर्विस के लिए पुलित्जर प्राइज 2003 दिया गया। फिल्म बेस्ट पिक्चर के लिए ऑस्कर अवॉर्ड हासिल कर चुकी है। पत्रकारों ने फिल्म को बहुत पसंद किया।

एल.जी.बी.टी. कम्यूनिटी के मुद्दों पर हो बातचीत : मयूर कटारिया

ऑडियंस ऑफ 21 सेंचुरी देयर सेंसेज एंड सेंसिबिलिटीज पर सैशन हुआ, जिसमें फिल्म निर्देशक हरीहरन, तनु वेड्स मनु रिटन्स, तुम्बाड, वीरे दी वैडिंग, हिचकी और उरी जैसी फिल्मों में लिरिक्स राइटर रहे राज शेखर, पत्रकार और लेखक तेजपाल सिंह धामा, ऑस्ट्रेलिया के फिल्म मेकर मयूर कटारिया ने अपने विचार रखे। फिल्म मेकर लोम हर्ष ने मॉडरेटर की भूमिका निभाई। सत्र में फ्रीडम ऑफ स्पीच और एल.जी.बी.टी. कम्यूनिटी जैसे संवेदनशील मसलों पर बातचीत की गई। बहुतेरी फिल्मों के लिए गीत लिख चुके राज शेखर ने चुटकी लेने के अंदाज में कहा कि उन्हें लिखने के लिए सबसे अधिक प्रोड्यूसर्स से मिलने वाले चैक प्रेरित करते हैं।

हार्ट फेल, फेफड़े खराब या हो गंभीर स्वाइन फ्लू एक्मो तकनीक से बच सकती है जान

नारायणा हॉस्पिटल में एक्मो वर्कशॉप में विशेषज्ञों को दी गई ट्रेनिंग

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

कई बार मरीजों को गंभीर कार्डियक फेलियर, फेफड़े खराब होने के कारण सांस की तकलीफ, गंभीर निमोनिया, स्वाइन फ्लू या जहरीले धुएं के कारण अस्पताल की इमरजेंसी में लाया जाता है और उन्हें बचाने के लिए वेंटीलेटर सपोर्ट भी पर्याप्त नहीं होता। मरीज का हृदय या फेफड़े सामान्य रूप से कार्य करने में सक्षम नहीं रहते और रोगी सांस लेने में असमर्थ हो जाता है। ऐसे मृतप्रायः मरीज की भी जान उन्नत एक्मो तकनीक द्वारा बचायी जा सकती है।

नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा एक्मो तकनीक पर रविवार को हुई एक दिवसीय वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। बताया गया कि, यह अत्याधुनिक लाइफ सपोर्ट तकनीक है जो मरीज की श्वसन क्रिया में तब तक सपोर्ट करती है जब तक कि रोगी के फेफड़े या हृदय सुचारू रूप से काम करने की स्थिति में नहीं आ जाते है। यह तकनीक भारत में नयी आई है और इसका इस्तेमाल करने के लिए उच्च प्रशिक्षित टीम की आवश्यकता होती है। इसी उद्देश्य से, नारायणा हॉस्पिटल में एक्मो तकनीक पर वर्कशॉप आयोजित की गई।

गौशाला में सम्मानित हुए महेंद्र मुणोत

■ एजेंसी, बेंगलुरु

प्रदेश स्तर पर मारवाड़ी समाज के लोगों द्वारा बड़ी संख्या में गायों की सेवा में अग्रणी मैसूरु की पिंजरापोल गौशाला का बेंगलूरु के समाजसेवी, उद्यमी, गौ भक्त एवं कन्नड़ फ़िल्म अभिनेता महेंद्र मुणोत ने अवलोकन किया। मुणोत ने इस अवसर पर गौसेवार्थ गौशाला में सहयोग राशि का चेक भी प्रदान किया। गौशाला के पदाधिकारियों ने मुणोत का आभार जताते हुए उनका सम्मान भी किया।

5वां वाणी फ़ाउण्डेशन विशिष्ट अनुवादक पुरस्कार अवार्ड 22 को

एजेंसी, नई दिल्ली। वाणी प्रकाशन ग्रुप और टीमवर्क आर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से प्रत्येक वर्ष विशिष्ट अनुवादक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार भारत के उन अनुवादकों को दिया जाता है जिन्होंने निरन्तर और कम से कम दो भारतीय भाषाओं के बीच साहित्यिक और भाषाई सम्बन्ध विकसित करने की दिशा में गुणात्मक योगदान दिया है7 इस वर्ष विशिष्ट अनुवादक पुरस्कार 22 जनवरी 2020 को जयपुर बुकमार्क हवेली, डिग्गी पैलेस, जयपुर दिया जाएगा।

यह पुरस्कार विशेष रूप से उन अनुवादकों को दिया जाता है जिन्होंने निरन्तर लेखन व अनुवाद के माध्यम से साहित्यिक समृद्धि के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया है, यह पुरस्कार न केवल अनुवादक व लेखक के लिए एक सार्वजनिक मंच तैयार करता है बल्कि पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेता व उसके योगदान को भाषाओं के माध्यम से वासुदेव बैकुंठम की भावना को पोषित करता है। पुरस्कार स्वरूप लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि के साथ वाणी प्रकाशन ग्रुप का सम्मान चिन्ह दिया जाता है। निर्णायक मण्डल के साथ वाणी फ़ाउण्डेशन के अध्यक्ष अरुण माहेश्वरी ने कहा कि समकालीन समय में भारतीय भाषाओं के बीच आदान-प्रदान ही हमारे देश की उन्नति की नींव है। इस पुरस्कार के सम्मानित निर्णायक मण्डल में नमिता गोखले संस्थापक और सह-निदेशक, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल; नीता गुप्ता निदेशक, जयपुर बुक मार्क और संदीप भूतोड़िया सांस्कृतिक आलोचक शामिल हैं। इस पुरस्कार की आवश्यकता इसलिए विशेष रूप से महसूस की जा रही थी क्योंकि वर्तमान स्थिति में दो भाषाओं के मध्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देने वाले की स्थिति बहुत निम्न है।

भाजपा हार्दिक पटेल को लगातार परेशान कर रही: प्रियंका गांधी

■ एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उनकी पार्टी के नेता हार्दिक पटेल को लगातार परेशान करने का आरोप लगाया है।

प्रियंका का यह बयान साल 2015 के एक राजद्रोह के मामले में हार्दिक के ट्रायल कोर्ट के समक्ष पेश न होने पर अहमदाबाद जिले के विरमगाम तालुका से उन्हें गिरफ्तार किए जाने के अगले दिन आया है। प्रियंका ने ट्वीट किया, किसानों के अधिकार और युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए संघर्ष कर

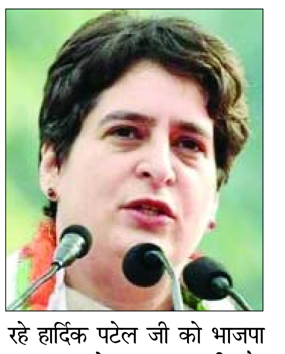

रहे हार्दिक पटेल जी को भाजपा लगातार परेशान कर रही है। हार्दिक अपने समाज के लोगों के लिए आवाज उठा रहे हैं, उनके लिए नौकरी और छात्रवृत्ति की मांग कर रहे हैं। वह किसान आंदोलन को आगे ले जा रहे हैं। अहमदाबाद में 25 अगस्त 2015 में एक रैली के दौरान पटेल समुदाय की एक जनसभा के दौरान हिंसा होने के बाद क्राइम ब्रांच ने पटेल पर देशद्रोह का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था। आरक्षण नेता को जुलाई 2016 में जमानत मिल गई थी, जबकि कोर्ट ने नवंबर 2018 में उनके और संबंधित लोगों के खिलाफ आरोप तय किया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी.जी. गनात्रा द्वारा गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करने के कुछ ही घंटों के बाद पटेल को गिरफ्तार किया गया. हार्दिक 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे।

मुंबई मैराथनः सात लोगों को दिल का दौरा पड़ा, 64 वर्षीय एक बुजुर्ग की मौत

■ एजेंसी, मुंबई

रविवार को आयोजित 'टाटा मुंबई मैराथन 2020' के दौरान दिल का दौरा पड़ने से एक 64 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति का नाम गजानन मलजालकर है, जो वरिष्ठ नागरिक की श्रेणी में दौड़ रहे थे। मलजालकर चार किलोमीटर दौड़ने के बाद अचानक गिर पड़े, जिसके बाद उन्हें बॉम्बे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बॉम्बे अस्पताल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि 64 वर्षीय गजानन मलजालकर का रविवार को टाटा मुंबई मैराथन के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। दौड़ के दौरान कुल सात लोगों को दिल का दौरा पड़ा।

सभी सात लोगों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। टाटा मुंबई मैराथन के 17वें संस्करण में 55,000 से अधिक लोगों के हिस्सा लिया जो एक रिकॉर्ड है।

आचार्य डॉ लोकेश ने महाराष्ट्र के राज्यपाल से भेंट कर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की

■ एजेंसी, मुंबई

अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश ने महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम भगत सिंह कोशयरी से राजभवन में भेंट कर राष्ट्रीय महत्व के सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और उन्हें अहिंसा विश्व भारती द्वारा देश विदेश में किये जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आचार्य लोकेशजी ने राज्यपाल को अहिंसा विश्व भारती द्वारा महात्मा गांधी के 150 वें जन्म जयंती वर्ष पर महाराष्ट्र में आयोजित होने वाले समारोह के लिए आमंत्रित किया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

राज्यपाल भगत सिंह कोशयरी ने कहा कि अहिंसा विश्व भारती संस्था आचार्य लोकेश के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि समाज व राष्ट्र निर्माण में सामाजिक संगठन अहम भूमिका निभाते है।

आचार्य लोकेश ने धर्म को अध्यात्म और समाज सेवा से जोड़ते हुए समाज में अहिंसा शांति सद्भावना की स्थापना में उल्लेखनीय योगदान दिया है यहीं कारण है कि इसी 24 जनवरी को आचार्य लोकेशजी को ब्रिटिश पार्लियामेंट में महात्मा गांधी नोबेल अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है जो भारत के लिए गौरव का विषय है। आचार्य डॉ लोकेश ने इस अवसर पर कहा कि महात्मा गांधी के 150वें जन्म जयंती वर्ष में अहिंसा विश्व भारती संस्था देश-विदेश में 25 कार्यक्रमों का आयोजन कर रही हैं जिसमें देश के लगभग हर प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित हो रहा है और इस श्रृंखला का अंतिम कार्यक्रम अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुख्यालय में होगा।

15 हेलिकॉप्टरों से हुई फोटोग्राफी

बिहार : पर्यावरण के बनी सबसे बड़ी मानव श्रृंखला

■ एजेंसी, पटना

बिहार में रविवार को जल-जीवन-हरियाली और शराबबंदी के पक्ष में और दहेजप्रथा व बाल विवाह के खिलाफ में 16, 443 किमी लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन पटना के गांधी मैदान में किया गया। मानव श्रृंखला को लेकर पटना समेत पूरे बिहार में जबरदस्त उत्साह दिखा। मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, आरा, छपरा जैसे शहरों से लेकर गांव-गांव तक लोग सड़क पर खड़े होकर मानव श्रृंखला का हिस्सा बने। इस कार्यक्रम

में शामिल होने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी और अन्य मंत्री पटना के गांधी मैदान पहुंचे। सीएम नीतीश कुमार का यह फ्लैगशिप कार्यक्रम जलवायु परिवर्तन और बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए चलाया गया है। यहां नीतीश मानव श्रृंखला में खड़े हुए। उनके बाएं जल पुरुष के नाम से प्रसिद्ध राजेंद्र सिंह और दाएं उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी खड़े हुए। पूरे कार्यक्रम की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई, जिसके लिए 15 हेलिकॉप्टरों पर फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर तैनात किए गए थे। जो मानव शृंखला को अपने कैमरे में कैद कर रहे थे। इसके अलावा बाइक सवार वीडियोग्राफर ने भी वीडियो बनाया गया। गांव से लेकर शहर तक हर एक किलोमीटर पर एक वीडियोग्राफर को तैनात किया गया था। मानव श्रृंखला के बाद सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मानव श्रृंखला के जरिए पूरी दुनिया ने बिहार के मत को देखा है। लोगों ने जिस तरह इसका समर्थन किया है।

विदेश

शाही परिवार की वरिष्ठ सदस्यता छोड़ेंगे प्रिंस हैरी और मेगन

एजेंसी, लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य राजकुमार हैरी और उनकी पत्नी मेगन ने शाही परिवार की वरिष्ठ सदस्यता छोड़ने का फैसला किया है। इसके बाद से वे दोनों शाही उपाधि और सार्वजनिक कोष का भी इस्तेमाल नहीं करेंगे। ब्रिटेन के बकिंघम पैसेस ने इस बारे में जानकारी दी। गौरतलब है कि प्रिंस हैरी ने आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए शाही परिवार की सदस्यता छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिस पर ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने समर्थन भी जताया था।बाकिंघम पैलेस के मुताबिक इस साल वंसत ऋतु में नई व्यवस्था लागू होने के बाद हैरी और मेगन के शाही परिवार का सक्रिय सदस्य का दर्जा भी खत्म हो जाएगा। वे केवल 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी और 'डचेस ऑफ ससेक्स' मेगन के रूप में जाने जाएंगे। इसके अलावा वे दोनों शाही उपाधि 'हिज रॉयल हाइनेस' और 'हर रॉयल हाइनेस' का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। हालांकि हैरी राजकुमार और ब्रिटिश शाही गद्दी के छठे वारिस बने रहेंगे।

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के नाम के गलत अनुवाद पर फेसबुक ने मांगी माफी

एजेंसी, पेइचिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की म्यामांर यात्रा के दौरान फेसबुक पर उनके नाम का बर्मी भाषा से अंग्रेजी में हुए गलत अनुवाद के लिए फेसुबक ने माफी मांगी है। म्यामांर की राजधानी नेपीता की शी चिनफिंग की दो दिवसीय यात्रा किसी चीनी नेता की दो दशकों में पहली यात्रा है। म्यामांर के फेसबुक पेज पर ऑटोमेटिक अनुवाद व्यवस्था में शी के नाम का गलत ट्रांसलेशन हो गया था, जिससे विवाद पैदा हो गया। फेसबुक पोस्ट में बर्मी भाषा से अंग्रेजी में हुए अनुवाद में शी चिनफिंग का नाम 'मिस्टर शिटहोल' लिखा आ गया था। म्यामांर की नेता आंग सान सू ची के आधिकारिक फेसबुक पेज पर सबसे अधिक त्रुटि देखी गई। पहले पोस्ट की गई एक अनुवादित घोषणा में कहा गया, 'चीन के राष्ट्रपति मिस्टर शिटहोल शाम चार बजे पहुंचे हैं।' उसमें आगे लिखा गया, 'चीन के राष्ट्रपति शिटहोल ने प्रतिनिधि सभा के एक अतिथि दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।' फेसबुक ने कहा कि यह खेदजनक है और एक तकनीकी गड़बड़ी के कारण ऐसा हुआ है।

पाकिस्तान में अब आटे तक का संकट

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले दिनों टमाटर की कमी के बाद अब एक नया संकट आ खड़ा हुआ है। देश भर में गेहूं के आटे की किल्लत पैदा हो गई है और फिलहाल इमरान खान सरकार पर इसका कोई हल नजर नहीं आ रहा। पाकिस्तान के अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को ही इमरान खान ने राज्य सरकारों को खाने की बढ़ती कीमतों और जमाखोरी पर लगाम कसने का आदेश दिया था। इस बीच खैबर पख्तूनख्वा में ढाबे और रेस्तरां के मालिकों ने सोमवार से हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। रेस्तरां संचालकों की असोसिएशन ने सरकार से कहा है कि वह पुराने रेट पर आटा मुहैया कराए या फिर उन्हें नान और रोटी की कीमतों को बढ़ाने की इजाजत दे।

भारत के आंतरिक मामले हैं सीएए और एनआरसी

एजेंसी, दुबई। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और नैशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) को भारत का आंतरिक मामला करार दिया, लेकिन इसी के साथ यह भी कहा है कि कानून 'आवश्यक नहीं' था।

सीएए के मुताबिक पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में धार्मिक प्रताड़ना की वजह से 31 दिसंबर 2014 तक वहां से भारत आए हिंदू, जैन, सिख, पारसी, बौद्ध और ईसाई समुदाय के लोगों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। इस विवादित कानून के खिलाफ भारत में कई जगहों पर प्रदर्शन चल रहे हैं। हसीना ने एक इंटरव्यू में भारत के नए नागरिकता कानून के संदर्भ में कहा, हम नहीं समझ रहे हैं कि क्यों (भारत सरकार ने) ऐसा किया। यह जरूरी नहीं था। उनका यह बयान बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए. के. अब्दुल मोमेन के उस बयान के बाद आया है कि सीएए और एनआरसी भारत के आंतरिक मामले हैं।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता